PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, मंगलवार
15.9.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 321

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

हिंदी की प्रगति के लिए अन्य भारतीय भाषाओं का सम्मान और संरक्षण जरूरी:अमित शाह

एजेंसी, मुंबई । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नवी मुंबई में कहा कि हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी, जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने हिंदी दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भारत की भाषाई विविधता को देश की ताकत बताया। नवी मुंबई में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत की अनेक भाषाएं किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय भाषा का अपना इतिहास, लोक परंपरा और विश्वदृष्टि है, जो नई पीढ़ी के मूल्यों और दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषाई विविधता देश में 'विविधता में एकता' की भावना को भी मजबूत करती है। गृह मंत्री ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की "स्मृति" और "आत्म-जागरूकता" भी होती है। हिंदी ने संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के रूप में विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमित शाह ने कहा, "हिंदी की प्रगति तभी सार्थक होगी जब वह अन्य भारतीय भाषाओं की गरिमा, संवर्धन और संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़े।"

प्रधानमंत्री 17 सितंबर को करेंगे सेमीकॉन इंडिया का उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के सबसे बड़े आयोजनों में शामिल सेमीकॉन इंडिया 2026 का पांचवां संस्करण 17 से 19 सितंबर तक यहां के यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को इस तीन दिवसीय आयोजन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से जुड़े वैश्विक उद्योग जगत, नीति-निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, स्टार्टअप और विद्यार्थी एक मंच पर जुटेंगे। भारत सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वैश्विक सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग संगठन के संयुक्त आयोजन में होने वाले इस कार्यक्रम की थीम 'सिलिकॉन टू सिस्टमः बिल्डिंग द इकोसिस्टम' रखी गई है। इसका उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा और पूरी वैल्यू चेन में देश की बढ़ती क्षमताओं को दुनिया के सामने रखना है। सेमीकॉन इंडिया 2026 में 600 से अधिक प्रदर्शक, जिनमें करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां शामिल हैं, हिस्सा लेंगी। 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल और

कंपनियां यहां पहुंचेंगी। करीब 15,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित प्रदर्शनी में 150 से अधिक प्रमुख वक्ता अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। आयोजन में छह देश और 12 राज्य सरकारों के पवेलियन भी होंगे। इस बार प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण 'सैंड टू सिलिकॉन टू सिस्टम वैल्यू चेन एक्सपीरियंस' होगा। इसके जरिए आगंतुकों को सेमीकंडक्टर क्षेत्र की पूरी यात्रा को एक साथ समझने का अवसर मिलेगा। इसमें सेमीकंडक्टर सामग्री और निर्माण से लेकर एडवांस्ड पैकेजिंग, चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम तक भारत की क्षमताओं को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में एक स्टार्टअप पवेलियन, इनोवेशन शोकेस, स्टार्टअप प्रतियोगिता, स्टूडेंट हैकाथॉन और वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन भी होंगे। स्टार्टअप पवेलियन में करीब 40 स्टार्टअप अपने उत्पाद और नवाचार प्रदर्शित करेंगे। वहीं वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन के जरिए माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कौशल, प्रतिभा और रोजगार के अवसरों पर फोकस किया जाएगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सप्लाई चेन की मजबूती, एडवांस्ड पैकेजिंग, सेमीकंडक्टर सामग्री और उपकरण, चिप डिजाइन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, स्टार्टअप, इनोवेशन और टैलेंट डेवलपमेंट जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसमें छह अंतरराष्ट्रीय कंट्री राउंडटेबल, महिला सशक्तीकरण एवं नेतृत्व पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में चिप उद्योग से जुड़ी कई प्रमुख वैश्विक और भारतीय कंपनियों की भागीदारी अपेक्षित है।

इससे कंपनियों के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग, साझेदारी और सप्लाई-चेन से जुड़े अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सेमीकॉन इंडिया ऐसे समय में हो रहा है जब भारत के सेमीकंडक्टर कार्यक्रम में परियोजनाओं की मंजूरी से आगे बढ़कर उत्पादन की दिशा में काम हो रहा है। सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार ने देश में मजबूत और लचीला सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करने के लिए 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें से सेमीकॉन 1.0 के तहत मंजूर 12 परियोजनाओं में से तीन ने व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास को और गति देने के लिए सेमीकॉन 2.0 को भी मंजूरी दी है, जिसमें छह प्रमुख स्तंभों के माध्यम से इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है। दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक, एडवांस्ड कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और दूरसंचार जैसी तकनीकों के विस्तार के साथ सेमीकंडक्टर की मांग तेजी से बढ़ रही है।

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की धूम, 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से गूंजा मुंबई

- **11 दिवसीय उत्सव शुरू, लालबाग समेत प्रमुख गणेश मंडलों में उमड़े श्रद्धालु; विसर्जन 25 सितंबर को**

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में सोमवार से 11 दिवसीय गणेश उत्सव की शुरुआत हो गई। गणेश चतुर्थी के मौके पर मुंबई समेत प्रदेश के विभिन्न शहरों में घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। इसके साथ ही शहर की गलियों से लेकर भव्य पंडालों तक 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे गूंजने लगे। ढोल-ताशों, भक्ति गीतों और आकर्षक सजावट के बीच मायानगरी पूरी तरह गणपति भक्ति के रंग में रंग गई है। मुंबई में गणेशोत्सव धार्मिक आस्था के साथ सामुदायिक उत्साह और सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रमुख पर्व माना जाता है। लालबाग से लेकर परेल, गिरगांव, अंधेरी, चेंबूर और फोर्ट तक जगह-जगह आकर्षक पंडाल और रोशनी की सजावट की गई है। 11 दिवसीय उत्सव का समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन होगा। इस दौरान श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों के साथ गणपति प्रतिमाओं को विसर्जन स्थलों तक ले जाएंगे। बड़े गणेश मंडलों ने पहले ही विशाल प्रतिमाओं की स्थापना कर दी थी। वहीं, रविवार रात से छोटे मंडलों और परिवारों ने भी गणपति प्रतिमाओं को घरों और पंडालों में स्थापित किया। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा, विशेष पूजा, आरती और मंत्रोच्चार के साथ उत्सव की विधिवत शुरुआत हुई। सड़कों पर भक्ति गीतों और ढोल-ताशों के बीच श्रद्धालुओं में खास उत्साह नजर आया। गणेशोत्सव के दौरान लालबाग हमेशा की तरह प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

महंगाई ने फिर बढ़ाई चिंता, अगस्त में थोक दर 9.92 प्रतिशत पर पहुंची

- **खाद्य वस्तुओं, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों और ईंधन-बिजली की कीमतों में तेजी से बढ़ा डब्ल्यूपीआई**

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में थोक महंगाई लगातार दूसरे महीने बढ़ी है। अगस्त 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बढ़कर 9.92 प्रतिशत हो गई, जबकि जुलाई में यह 9.78 प्रतिशत थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों तथा ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी महंगाई बढ़ने की प्रमुख वजह रही। अगस्त में खाद्य वस्तुओं के सूचकांक में महंगाई दर 7.05 प्रतिशत रही, जो जुलाई के 6.65 प्रतिशत से अधिक है। इसका सीधा असर रोजमर्रा की खाद्य जरूरतों की कीमतों पर पड़ा है। मंत्रालय के अनुसार मिनरल ऑयल, खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के निर्माण, बेसिक मेटल्स, गैर-खाद्य वस्तुओं तथा रसायन और रासायनिक उत्पादों की कीमतों में वृद्धि ने थोक महंगाई को ऊपर पहुंचाया। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में डब्ल्यूपीआई महंगाई दर जुलाई के 8.29 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 8.37 प्रतिशत हो गई। वहीं, ईंधन और बिजली समूह में थोक महंगाई दर 22.93 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे औद्योगिक उत्पादन और परिवहन लागत पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है।

महंगाई में बढ़ोतरी के पीछे वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की कीमतों में तेजी को भी महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति संबंधी व्यवधानों के चलते ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ा है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दरों को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा था।

लंदन की टेम्स नदी किनारे पहली बार गंगा आरती, हजारों लोग हुए शामिल

एजेंसी, लंदन

लंदन में टेम्स नदी के किनारे पहली बार गंगा आरती का भव्य आयोजन हुआ। इस आयोजन ने हजारों लोगों को आकर्षित किया। चिन्मय मिशन यूके द्वारा टोटली टेम्स फेस्टिवल के सहयोग से आयोजित समारोह रोशनी और कृतज्ञता का प्रतीक था, और चिन्मय मिशन के 75 वर्षों के वैश्विक समारोह का भी हिस्सा था। आयोजकों का उद्देश्य भारत में गंगा नदी के तट पर होने वाली विश्व-प्रसिद्ध आरती की आध्यात्मिक भावना को लंदन में दोहराना था। चिन्मय मिशन यूके की रेजिडेंट टीचर ब्रह्मचारिणी श्रीप्रिया चैतन्य ने बताया कि पीढ़ियों से समुदाय गंगा के किनारे इकट्ठा होकर नदी, प्रकृति और जीवन को बनाए रखने वाली हर चीज के प्रति आभार व्यक्त करते आए हैं। उन्होंने कहा, टेम्स पर हुई

गंगा आरती भी उसी भावना को आगे बढ़ाती है और लोगों को आभार, उम्मीद और एकता के साझा पल में एक साथ लाती है। चिन्मय मिशन के लिए गंगा ज्ञान के प्रवाह का भी प्रतीक है, जो उनके संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद की विरासत का जश्न मनाता है, जिन्होंने वेदांत के शाश्वत ज्ञान को हिमालय से लोगों के रोजमर्रा के जीवन तक पहुंचाया।

होर्मुज़ के नए समुद्री रास्ते पर क्षेत्रीय बैठक टली, बहरीन ने ईरान से बातचीत से बनाई दूरी

एजेंसी, मस्कट/सलालाह

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में नए समुद्री रास्ते को लेकर ईरान और खाड़ी देशों के बीच प्रस्तावित क्षेत्रीय बैठक टल गई है। ओमान के सलालाह में होने वाली इस बैठक से पहले बहरीन ने ईरान के साथ सामूहिक मंत्री-स्तरीय वार्ता में शामिल होने से इनकार कर दिया, जिसके बाद मस्कट ने बैठक स्थगित करने का फैसला किया। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, ओमान के विदेश मंत्रालय ने रविवार देर रात कहा कि बैठक को "रचनात्मक बातचीत के लिए सही माहौल" बनाने के उद्देश्य से बाद की तारीख तक स्थगित किया गया है। हालांकि, बैठक की नई तारीख की घोषणा नहीं की गई है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि क्षेत्रीय सहमति बनाने के लिए बैठक को स्थगित किया गया है। उन्होंने कहा कि ओमान ऐसी बातचीत को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो क्षेत्र में स्थिरता और लंबे समय तक चलने वाले सहयोग को मजबूत करे। बैठक टाले जाने से पहले बहरीन ने ईरान के साथ प्रस्तावित सामूहिक मंत्री-स्तरीय वार्ता में शामिल होने से इनकार कर दिया था। बहरीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बहाल होने तक मनामा ईरान के साथ ऐसी किसी सामूहिक बैठक में हिस्सा नहीं लेगा। गौरतलब है कि, प्रस्तावित बैठक में बहरीन, ईरान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कतर, सऊदी अरब और कुवैत के शामिल होने की उम्मीद थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि बैठक का मुख्य एजेंडा, बल्कि एकमात्र एजेंडा, होर्मुज़ जलडमरूमध्य में नए समुद्री रास्ते की व्यवस्था है। अरागची के मुताबिक, ईरान और ओमान ने नए समुद्री मार्ग को निर्धारित करने वाले एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है।

आचार्य पुलकसागर से मिले मोहन भागवत

एजेंसी, भीलवाड़ा । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सोमवार को भीलवाड़ा में चातुर्मास कर रहे राष्ट्रसंत आचार्य पुलकसागर महाराज से मुलाकात की। सूर्यमहल स्थित चातुर्मास स्थल पर करीब 40 मिनट तक हुई चर्चा में सामाजिक समरसता, जैन तीर्थों के संरक्षण, गौवंश संवर्धन और राष्ट्र निर्माण सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। चर्चा में राजनीति से अलग सामाजिक एकता और सद्भाव के मुद्दों पर मंथन किया गया। आचार्य पुलकसागर महाराज ने सामाजिक समरसता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि समाज को वर्गों में बांटने वाले प्रयासों से बचना चाहिए। उन्होंने कथित यूजीसी नियमों को लागू नहीं

किए जाने तथा सवर्ण और पिछड़े वर्ग के बीच विभाजन की स्थिति पैदा नहीं होने देने की बात रखी। उन्होंने जैन समाज की आस्था के प्रमुख केंद्र सम्मेद शिखरजी और गिरनार सहित अन्य जैन तीर्थस्थलों का पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। उन्होंने जैन तीर्थस्थलों के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों पर भी डॉ. भागवत ने उचित स्तर पर चर्चा कर समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा भारतीय पेमेंट सिस्टम देख हुए गदगद

किताबें खरीदकर कार्ड से दिए पैसे, बोले- ये कमाल था

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने भारतीय पेमेंट सिस्टम की जमकर तारीफ की है और इसे एक कमाल का अनुभव बताया है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान, उन्होंने एक व्यक्तिगत अनुभव साझा किया जिसने उन्हें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली की दक्षता का कायल बना दिया। रामाफोसा ने बताया कि उन्होंने स्थानीय बाजार से किताबें खरीदीं और अपने कार्ड से भुगतान किया। खास बात यह थी कि यह भुगतान भारतीय रुपये में हुआ, जो अंततः उनके दक्षिण अफ्रीकी रैंड खाते से सेटल हुआ। उस समय, लगभग 1 रुपए की कीमत 5.93 दक्षिण अफ्रीकी रैंड के बराबर थी। पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति रामाफोसा ने कहा कि उन्होंने इस अनुभव को बेहतरीन पाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस बारे में बात की। उन्होंने स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने के ब्रिक्स देशों के साझा लक्ष्य के संदर्भ में इस प्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा, हमने स्थानीय मुद्रा भुगतान प्रणाली में रुचि पर चर्चा की है, और हमारे केंद्रीय बैंक इस पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हम इस पर जल्द ही एक समझौते पर पहुंच जाएंगे। यह हमारे देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रामाफोसा ने स्पष्ट किया कि यह दृष्टिकोण किसी अन्य पेमेंट सिस्टम या मुद्रा के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह अपने देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने का एक व्यावहारिक और कुशल तरीका है। ब्रिक्स के 18वें शिखर सम्मेलन में अपनाई गई नई दिल्ली घोषणा में भी व्यापार और निवेश में स्थानीय मुद्राओं के अधिक इस्तेमाल

का समर्थन किया गया था। घोषणा में कहा गया था कि ब्रिक्स पेमेंट टास्क फोर्स सीमा पार भुगतान और मैसेजिंग सिस्टम की इंटरऑपरेबिलिटी का अध्ययन कर रहा है। इसका उद्देश्य तेज, सस्ते, आसान, पारदर्शी और सुरक्षित भुगतान के लिए और काम करने को प्रोत्साहित करना है। हालांकि, घोषणा में यह भी रेखांकित किया गया कि ये प्रयास राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का सम्मान करेंगे और सीमा पार भुगतान के लिए कोई एक ही तरीका नहीं अपनाया जा सकता, क्योंकि प्रत्येक देश की अपनी विशिष्ट वित्तीय संरचनाएं और आवश्यकताएं हैं। रामाफोसा ने ब्रिक्स अध्यक्ष के रूप में भारत की नेतृत्व क्षमता और शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी की भी तारीफ की।

डोनाल्ड ट्रंप ने ईंधन की कीमतों में उछाल के लिए ज़ेलेंस्की को ज़िम्मेदार ठहराया

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका में डीज़ल की कीमतों में तेज़ उछाल के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप का आरोप है कि रूस की तेल रिफाइनरियों और ईंधन प्रतिष्ठानों पर यूक्रेन के लगातार हमलों के कारण वैश्विक ईंधन बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, अमेरिका में डीज़ल की राष्ट्रीय औसत कीमत इस सप्ताह पहली बार 6 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई। शुक्रवार को कीमत 6 डॉलर से अधिक दर्ज की गई, जबकि एक सप्ताह पहले यह करीब 5.85 डॉलर प्रति गैलन थी। पिछले साल इसी अवधि

में डीज़ल की कीमत लगभग 3.71 डॉलर प्रति गैलन थी। आयरलैंड की यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ज़ेलेंस्की के सामने डीज़ल की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यूक्रेनी नेतृत्व से रूस में डीज़ल उत्पादन से जुड़े ठिकानों को निशाना नहीं बनाने की अपील की। ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के पास रूस में हमला करने के लिए कई दूसरे लक्ष्य हैं, लेकिन डीज़ल ईंधन से जुड़े प्रतिष्ठानों पर हमले वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात से भी इनकार किया कि डीज़ल की कीमतों में मौजूदा तेजी मुख्य रूप से मध्य पूर्व में जारी संघर्ष और अमेरिका-ईरान तनाव के कारण है। उन्होंने इसके बजाय रूस-यूक्रेन युद्ध और यूक्रेनी हमलों को कीमतों में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण बताया। हालांकि, बाजार के जानकारों के मुताबिक डीज़ल की कीमतों में हालिया उछाल के पीछे मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी अहम कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव ने भी अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ाई है। यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूस की तेल रिफाइनरियों और पेट्रोलियम प्रतिष्ठानों पर कई हमले किए हैं। इन हमलों से रूस के कुछ हिस्सों में ईंधन की उपलब्धता प्रभावित हुई और कीमतों में बढ़ोतरी हुई। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन हमलों का असर गैसोलीन पर डीज़ल की तुलना में अधिक रहा है।

महिला क्रिकेट टीम को खिताब जीतने पर राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट और ऐतिहासिक प्रदर्शन के दम पर एशियाई क्रिकेट में देश का नाम गर्व से ऊंचा कर दिया है। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए शानदार शिकस्त दी और 72 रनों के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप की चमचमाती ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया है। इस ऐतिहासिक और गौरवशाली जीत के बाद देश भर के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी और जश्न का माहौल है, वहीं देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी खिलाड़ियों की इस बड़ी उपलब्धि की जमकर सराहना की है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में टीम की इस सफलता पर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि यह भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद गर्व का पल है। एशिया कप जीतने पर उन्होंने महिला टीम को बधाई देते हुए कहा कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों का आत्मविश्वास, निरंतरता और मैदान पर दिखाया गया शानदार जज्बा वाकई अद्वितीय था।

rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara

प्रिंस खान का भाई बंटी खान कोलकाता से गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बंटी खान से पूछताछ में मिले नए नाम, ठिकानों की तलाश में पुलिस

धनबाद : वासेपुर के फरार गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई बंटी खान की गिरफ्तारी के बाद धनबाद पुलिस को उसके आपराधिक नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग मिलने का दावा किया गया है। पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से कोलकाता से गिरफ्तार बंटी खान से पूछताछ के दौरान कुछ ऐसे नाम और ठिकानों की जानकारी सामने आई है, जो अब तक पुलिस की जांच के दायरे में नहीं थे। पुलिस अब उसकी निशानदेही पर विभिन्न स्थानों की जांच कर रही है।

एसएसपी प्रभात कुमार के अनुसार बंटी खान ने पूछताछ में कुछ नए नामों के साथ ऐसे ठिकानों के बारे में जानकारी दी है, जहां कथित तौर पर अपराध की योजना बनाई जाती थी। पुलिस उसे उन स्थानों पर ले जाकर सत्यापन कर रही है और वहां संदिग्ध सामान या अन्य साक्ष्य मिलने की संभावना की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के मुताबिक बंटी खान के पास से पासपोर्ट और वीजा समेत कुछ दस्तावेज मिले हैं। प्रारंभिक जांच में इन दस्तावेजों से उसके विदेश जाने की तैयारी के संकेत मिले हैं। हालांकि दस्तावेज वास्तविक हैं या नहीं, इसकी जांच अभी जारी है। संबंधित एजेंसियों और कार्यालयों से उनका सत्यापन कराया जाएगा। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वह किस रास्ते और किस उद्देश्य से विदेश जाने की तैयारी कर रहा था।

बंटी खान के खिलाफ हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और आपराधिक साजिश समेत कई मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। एसएसपी के अनुसार उसके खिलाफ करीब 15 से 20 आपराधिक मामलों की जानकारी सामने आई है, जिसका विस्तृत रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। पुलिस का कहना है कि लंबे समय तक जेल में रहने के बाद बाहर आने के बाद भी उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान उसके कोलकाता में होने और विदेश भागने की तैयारी की सूचना मिली, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई।

कोलकाता से गिरफ्तारी के बाद बंटी खान को धनबाद लाया गया, जहां बैंक मोड़ थाना में उससे पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे सुरक्षा के बीच शहर में पैदल ले जाकर कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के तहत की गई।

पुलिस अब बंटी खान को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेजने के बाद पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी में है। रिमांड के दौरान पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि अपराध की योजना कहां बनाई जाती थी, इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे, किन ठिकानों का इस्तेमाल किया जाता था और विदेश में मौजूद प्रिंस खान के नेटवर्क से स्थानीय स्तर पर किस तरह संपर्क और समन्वय किया जाता था।

इससे पहले पुलिस प्रिंस खान गिरोह के कथित सदस्य मेजर उर्फ सैफी को भी कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर चुकी है। बंटी खान की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस की जांच प्रिंस खान के परिवार के सदस्यों और उसके स्थानीय-विदेशी नेटवर्क के बीच संपर्क पर भी केंद्रित हो गई है। पुलिस के अनुसार बंटी की निशानदेही पर यदि नए ठिकानों से साक्ष्य या आपत्तिजनक सामान बरामद होता है, तो मामले में आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

टावर से केबल चोरी का खुलासा, 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के सर्कस मैदान के सामने टावर से केबल चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए 19 वर्षीय युवक गौतम कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी का केबल, एसी पाइप और तांबे व एल्युमिनियम के तार बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 27 अगस्त को टावर से केबल चोरी की घटना हुई थी। इस संबंध में सेक्टर-4 थाना कांड संख्या 61/2026, 5 सितंबर को बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया गया था। मामले के उद्भेदन के लिए एसपी बोकारो के निर्देश पर डीएसपी सिटी राजीव रंजन के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की जा रही थी।

14 सितंबर की रात पुलिस टीम ने विश्वकर्मा मंदिर, सेक्टर-4 के पास एक संदिग्ध युवक को एसी का तार काटने की योजना बनाते हुए पकड़ा। पूछताछ में पुलिस के अनुसार, उसने टावर का केबल और एसी का तार काटकर बेचने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर टावर से काटे गए करीब सात मीटर के तीन केबल टुकड़े, 2.5 मीटर एसी पाइप, करीब 3.5 मीटर तांबे के तार और चार मीटर एल्युमिनियम तार बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौतम कुमार (19), पिता मुन्ना रजक, स्थायी निवासी चांदो, थाना पेटरवार, बोकारो और वर्तमान निवासी गर्ल्स हॉस्टल, सेक्टर-6, बोकारो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसका सेक्टर-6 थाना कांड संख्या 24/2026 में भी आपराधिक इतिहास दर्ज है।

छापेमारी दल में डीएसपी सिटी राजीव रंजन, सेक्टर-4 थाना प्रभारी संजय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कुमार विक्रम सिंह, अवेन्द्र कुमार साव, सहायक अवर निरीक्षक जोन कुजूर तथा आरक्षी इलयास अंसारी और पवन कुमार महथा शामिल थे।

ओएनजीसी स्टोर रूम में दूसरी बार चोरी की कोशिश, गार्ड की सतर्कता से वारदात नाकाम

बोकारो : ओएनजीसी गोमिया क्षेत्र के खुदगड्डा स्थित बीके-11 साइट के स्टोर रूम में चोरी की घटना के तीन दिन बाद चोरों ने दोबारा धावा बोल दिया। हालांकि, ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड की सतर्कता से दूसरी वारदात नाकाम हो गई और चोर बिना सामान लिए मौके से फरार हो गए। लगातार दो घटनाओं से ओएनजीसी प्रबंधन और कर्मचारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार, 10 सितंबर को टेस्टिंग सुपरवाइजर बीरजू कुमार ने स्टोर रूम से सामान गायब होने की सूचना कनिष्ठ अभियंता शुभम गुप्ता को दी थी। जांच के बाद 11 सितंबर को गोमिया थाने में लिखित शिकायत दी गई, जिसके आधार पर स्टेशन डायरी सनहा संख्या 11/26 दर्ज की गई। चोरी गए सामान में करीब 150 मीटर कॉपर केबल, 350 मीटर आईईएसपी केबल, एक ग्राइंडर मशीन, एक वेल्डिंग मशीन, दो पुरानी बैटरियां और आईईएसपी सेंसर केबल शामिल बताए गए हैं।

इसके करीब 48 घंटे बाद 13 सितंबर की रात चोरों ने फिर स्टोर रूम का ताला तोड़ दिया। वे अंदर दाखिल होते, इससे पहले ही सुरक्षा गार्ड की नजर उन पर पड़ गई। गार्ड ने शोर मचाकर उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद चोर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। इस घटना में कोई सामान चोरी होने की सूचना नहीं है।

लगातार हुई दोनों घटनाओं के बावजूद पुलिस को अब तक चोरों के संबंध में कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। इससे साइट की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ओएनजीसी प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्ती बढ़ाने और घटनाओं में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रेम विवाह से नाराज ससुर ने रची हत्या की साजिश, चार गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद : बलियापुर थाना क्षेत्र के ढांगी पहाड़ी की तलहटी में 11 सितंबर को मिले युवती के सिर कटे शव के मामले का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार युवती की हत्या प्रेम विवाह से नाराज उसके ससुर ने साजिश रचकर कराई थी। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राजगंज निवासी जयराम रवानी, बलियापुर निवासी किशोर महतो, आलोमनी देवी और राम प्रसाद रजवार शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने सोमवार को बैंक मोड़ थाना में प्रेस वार्ता कर बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सिंदरी एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई थी। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच के अनुसार मृतका ने कृष रवानी से प्रेम विवाह किया था। पुलिस का दावा है कि इस विवाह से कृष के पिता संतोष रवानी नाराज थे। आरोप है कि बहू को रास्ते से हटाने के लिए संतोष रवानी ने सहयोगियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। युवती की धारदार हथियार से गर्दन काटकर हत्या करने के बाद पहचान और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से सिर और धड़ को अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया गया।

पुलिस ने घटनास्थल और आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल बड़ा धारदार छुरा, मृतका की चप्पल, पूजा सामग्री और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मृतका 9 सितंबर से लापता थी। उसके पति कृष रवानी ने इसकी जानकारी फोन के माध्यम से अपने ससुर संदीप रवानी को दी थी। 11 सितंबर को शव मिलने के बाद मृतका के पिता के आवेदन पर बलियापुर थाना में कांड संख्या 155/2026 दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार मामले के मुख्य साजिशकर्ता ससुर संतोष रवानी समेत मौसी और अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मामले से जुड़े अन्य पहलुओं का भी खुलासा हो सकता है।

देवघर में होमगार्ड के 772 पदों पर नामांकन, ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

देवघर : झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, देवघर ने होमगार्ड के नए नामांकन के लिए विज्ञापन जारी किया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कुल 772 पदों पर योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा। नामांकन प्रक्रिया में शारीरिक जांच परीक्षा के साथ लिखित परीक्षा भी होगी। ग्रामीण क्षेत्र में गृह रक्षक के 635 पद हैं। इनमें 318 पद पुरुषों और 317 पद महिलाओं के लिए हैं। प्रखंडवार सेनानायारायणडी में 104, मधुपुर ग्रामीण में 41, देवघर सदर में 64, मोहनपुर में 78, करौं में 65, पालोजोरी में 47, सारठ में 56, मरगोमुंडा में 98, सारवां में 51 और देवीपुर में 31 पद निर्धारित किए गए हैं। शहरी क्षेत्र में कुल 137 पद हैं। इनमें देवघर शहरी क्षेत्र के 82 और मधुपुर शहरी क्षेत्र के 55 पद शामिल हैं। इन पदों में पुरुष और महिला के साथ तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणियां भी शामिल हैं। विज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि गृह रक्षा वाहिनी एक स्वयंसेवी संगठन है और होमगार्ड इसके स्वयंसेवी सदस्य होते हैं। आवश्यकता के अनुसार ड्यूटी पर लगाए जाने पर उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित दर के अनुसार कार्य दिवस का भत्ता दिया जाता है। यह स्थायी वेतन वाली सरकारी नौकरी नहीं है और इसे स्थायी आजीविका का साधन भी नहीं माना गया है।।

विधायक जयराम महतो को अग्रिम जमानत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : विधायक जयराम महतो को बरवाअड्डा थाना में दर्ज मामले में धनबाद की एमपी-एमएलए विशेष अदालत से अग्रिम जमानत मिल गई है। अदालत ने सोमवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली। इससे पहले गुरुवार को सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत के निर्देश पर केस डायरी प्रस्तुत की थी। जयराम महतो, अन्य आरोपियों और सरकार का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

मामले की पिछली सुनवाई में अदालत ने केस डायरी तलब की थी और उस समय जयराम महतो की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुनवाई के दौरान वरीय अधिवक्ता शाहनवाज ने गिरफ्तारी पर रोक की मांग की थी, जबकि अपर लोक अभियोजक सतेंद्र नाथ राय ने इसका विरोध किया था।

बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार के बयान पर जयराम महतो, सुशील मंडल समेत अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद आरोपियों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिसे सुनवाई के लिए एमपी-एमएलए विशेष अदालत में स्थानांतरित किया गया था।

मामले की पृष्ठभूमि में बरवाअड्डा थाना प्रभारी और जयराम महतो के बीच विवाद भी रहा है। विवाद से संबंधित एक ऑडियो सामने आने के बाद जयराम महतो ने दावा किया था कि थाना प्रभारी से उनकी करीब 11 मिनट बातचीत हुई थी, जबकि जारी ऑडियो करीब दो मिनट का था। मुखिया के बेटे की शिकायत पर भी विधायक समेत अन्य के खिलाफ अलग प्राथमिकी दर्ज होने की बात सामने आई थी।

मामले को लेकर झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने भी आंदोलन की घोषणा की थी, जिसे मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन के बाद फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

JSSC-CGL और JPSC परीक्षा मामलों में कोचिंग संचालक समेत दो गिरफ्तार

रांची : झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितता की जांच कर रही सीआईडी ने JSSC-CGL और 14वीं JPSC परीक्षा से जुड़े अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शिवांगन कोचिंग संस्थान के संचालक संजीत कुमार और दिलीप कुमार पासवान शामिल हैं। दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। सीआईडी के अनुसार JSSC-CGL परीक्षा से जुड़े सीआईडी थाना कांड संख्या 01/2025 में 41 वर्षीय दिलीप कुमार पासवान को गिरफ्तार किया गया है। मूल रूप से बिहार के जमुई जिले के खैरा थाना क्षेत्र के नवकाडीह निवासी दिलीप की गिरफ्तारी पश्चिम बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले के नवकाडिया थाना क्षेत्र से की गई। उस पर JSSC-CGL के कई अभ्यर्थियों को परीक्षा में कथित तौर पर अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप है। हालांकि, जांच एजेंसी ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि अभ्यर्थियों को किस तरह का लाभ पहुंचाया गया था।वहीं, 14वीं JPSC प्रतियोगिता परीक्षा से जुड़े सीआईडी थाना कांड संख्या 16/2026 में 38 वर्षीय संजीत कुमार को गिरफ्तार किया गया है। सीआईडी ने उसे रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के रातू रोड स्थित शिव भवन, कमलाकांत रोड स्थित आवास से गिरफ्तार किया। संजीत कुमार रांची में शिवांगन कोचिंग संस्थान का संचालन करता है। प्रारंभिक जांच के आधार पर सीआईडी ने उसे पूरे प्रकरण में कथित तौर पर एजेंट की भूमिका में बताया है। सीआईडी दोनों मामलों की जांच आगे बढ़ा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि परीक्षा से जुड़ी कथित अनियमितताओं में आरोपियों की भूमिका क्या थी, उनके संपर्क में कौन-कौन लोग थे और अभ्यर्थियों को कथित अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए किस तरह की व्यवस्था की गई थी। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।।

चाचा की हत्या मामले में बंद कैदी की उपकारा में मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा || दीपक केसरी

राजमहल : राजमहल उपकारा में बंद एक विचाराधीन कैदी की सोमवार को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान शाल्टीपोखर गांव निवासी सुनील बास्की (35) के रूप में हुई है। वह अपने चाचा की हत्या के आरोप में पिछले एक साल से जेल में बंद था।

मिली जानकारी के अनुसार सुनील बास्की राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत के शाल्टीपोखर का रहने वाला था। उस पर अपने चाचा सुलेमान बास्की (60) की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप था। इस संबंध में राधानगर थाना में कांड संख्या 265/25 दर्ज है। वह 14 जुलाई 2025 से राजमहल उपकारा में न्यायिक हिरासत में था।

जेल प्रशासन के मुताबिक सुनील पहले से मिर्गी रोग से पीड़ित था। सोमवार दोपहर भोजन करने के बाद वह बैरक में सोने गया था। देर तक नहीं जागने पर अन्य बंदियों ने इसकी सूचना जेल कर्मियों को दी। देखा गया तो वह बेहोश पड़ा था। आशंका है कि सोने के दौरान उसे मिर्गी का दौरा पड़ा।

आनन-फानन में उसे राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. सादिक अंसारी ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की।

उपकाराधीक्षक विमल सोरेन ने बताया कि मृतक का जेल में ही इलाज चल रहा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

मोती दिखाकर सोने के जेवर ठगने वाला गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र में मोती दिखाकर घर की परेशानी दूर करने और धन प्राप्ति का झांसा देकर सोने के जेवर ठगने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के नानौता थाना क्षेत्र के कुतुबपुर निवासी 44 वर्षीय इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से सोने जैसा दिखने वाला पतला चेन, एक जोड़ी कान का टॉप्स और सफेद डिब्बे में रखा एक मोती बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 13 सितंबर को लालचंद महतो की फुआ सुमिता देवी जरीडीह थाना क्षेत्र स्थित उनके घर आई थीं। दोपहर करीब 1.15 बजे पड़ोसी के घर जाने के दौरान दो व्यक्ति उनके पास पहुंचे और मोती दिखाकर दावा किया कि इसे धारण करने से घर का दोष, बीमारी और परेशानियां दूर हो जाएंगी तथा धन की प्राप्ति होगी। आरोपियों ने उन्हें यह भी बताया कि उनके ऊपर माता का दुष्प्रभाव है, जिसे मोती से दूर किया जा सकता है।

पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों ने सुमिता देवी से गले की चेन और कान के टॉप्स जमीन पर रखने को कहा और आंखें बंद कर ॐ का उच्चारण करने को कहा। इसी दौरान दोनों उनके सोने के जेवर लेकर मोटरसाइकिल से भागने लगे। सुमिता देवी के शोर मचाने पर उनके भतीजे लालचंद महतो ने पीछा किया और जैनामोड़ स्थित शराब दुकान के पास मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे इस्लाम को पकड़ लिया। हालांकि, दूसरा आरोपी मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। पूछताछ में इस्लाम ने फरार आरोपी की पहचान असगर अली के रूप में बताई। उसने गिरोह में शामिल अन्य लोगों के नाम आबिद, अख्तर अली और आजाद उर्फ गेंडा उर्फ एजाज बताए हैं। पुलिस ने सभी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। लालचंद महतो के लिखित आवेदन के आधार पर जरीडीह थाना में कांड संख्या 152/2026 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार इस्लाम के खिलाफ छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर कोतवाली, दुमका टाउन और चास थाना में धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में पहले से मामले दर्ज हैं। पुलिस अब इस गिरोह के दूसरे सदस्यों और इसी तरह की अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

पत्नी से छेड़खानी करने पर पति ने पत्थर से वार कर की युवक की हत्या

पूर्वी सिंहभूम : पटमदा थाना क्षेत्र के सारी गांव में मनोहर माझी (38) की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्याकांड के आरोपित शंभू सिंह को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मनोहर माझी ने शराब के नशे में शंभू की पत्नी के साथ छेड़खानी की थी। इसी से नाराज होकर शंभू ने उसकी हत्या कर दी। डीएसपी दयानंद कुमार ने बताया कि शनिवार की देर रात गांव में आयोजित जागरण कार्यक्रम के दौरान मनोहर माझी अपने गांव के दुर्लभ सिंह के साथ बूढ़ीगोड़ा में शराब पीने गया था। दोनों ने वहां शराब बेचने वाली महिला से शराब खरीदी। शराब पीने के बाद नशे में धुत मनोहर ने महिला के साथ छेड़खानी शुरू कर दी। महिला के पति शंभू सिंह ने इसका विरोध करते हुए मनोहर को समझाया और वहां से घर जाने को कहा। घर लौटने के दौरान मनोहर रास्ते में एक कलवर्ट पर सो गया, जबकि उसके साथ मौजूद दुर्लभ सिंह अपने घर चला गया। इधर, पत्नी के साथ हुई छेड़खानी से आक्रोशित शंभू सिंह ने भी शराब पी और मनोहर की तलाश में निकल पड़ा। कलवर्ट के पास मनोहर को अकेले सोता देखकर शंभू ने उसे धक्का देकर खेत में गिरा दिया। इसके बाद बड़े पत्थर से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले के उद्भेदन में डीएसपी दयानंद कुमार, इंस्पेक्टर अजय कुमार ठाकुर, थाना प्रभारी विष्णु चरण भोगता, अवर निरीक्षक गंदुर उरांव तथा सहायक अवर निरीक्षक प्रशांत कुमार और विजय कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कसमार दारोगा की एसपी से की लिखित शिकायत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

समझौता पत्र देने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप

बोकारो : पति-पत्नी के विवाद में थाना स्तर पर समझौता कराने के बाद समझौता पत्र की प्रति देने के एवज में एक हजार रुपये मांगने और राशि नहीं देने पर दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप सामने आया है। मामला कसमार थाना क्षेत्र का है। दांतू निवासी सुदन नायक ने इस संबंध में बोकारो पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत की प्रति उत्तरी छोटानागपुर के जोनल आईजी को भी दी गई है।

सुदन नायक के अनुसार उनकी बेटी और दामाद के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद मामला कसमार थाना पहुंचा। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया और उसका लिखित समझौता पत्र तैयार किया गया। आरोप है कि बाद में समझौता पत्र की एक प्रति लेने के लिए जब वह पुलिस अधिकारी राहुल रंजन से मिले तो उनसे एक हजार रुपये की मांग की गई।

सुदन नायक का आरोप है कि आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए उन्होंने राशि देने में असमर्थता जताई, जिसके बाद उनके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें थाना से बाहर जाने को कहा गया। उन्होंने इसकी जानकारी भाजपा नेता और बोकारो जिला बीस सूत्री कार्यक्रम समिति के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक को दी। इसके बाद लक्ष्मण कुमार नायक की ओर से थाना में बात किए जाने पर सुदन नायक को समझौता पत्र देने के लिए दोबारा बुलाया गया।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि दोबारा थाना पहुंचने पर भी समझौता पत्र देने के नाम पर एक हजार रुपये की मांग की गई। राशि देने से इनकार करने पर उनके साथ फिर दुर्व्यवहार किया गया। इसके बाद उन्होंने वरीय पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर मामले की जांच कराने और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की है।

इधर, कसमार थाना की ओर से आरोपों से इनकार किया गया है। थाना से बताया गया कि जिस समझौता पत्र की प्रति मांगी जा रही थी, वह संबंधित व्यक्ति को उपलब्ध करा दी गई है। दुर्व्यवहार के आरोप को भी पुलिस ने गलत बताया। थाना की ओर से कहा गया कि समझौता पत्र देने में देरी को लेकर बातचीत के दौरान कुछ हॉट टॉक जरूर हुआ था, लेकिन किसी तरह के दुर्व्यवहार की घटना नहीं हुई। रिश्वत मांगने के आरोप पर भी थाना की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल शिकायतकर्ता के आरोप और पुलिस के पक्ष में विरोधाभास है। ऐसे में वरीय अधिकारियों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि समझौता पत्र देने के बदले रुपये मांगने और दुर्व्यवहार के आरोपों में कितनी सच्चाई है।

रेलवे टिकटों की अवैध दलाली में युवक गिरफ्तार, 29 हजार के टिकट बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : रेलवे टिकटों की अवैध दलाली के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच (सीआईबी) ने कार्रवाई करते हुए रांची रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर से एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गिरिडीह जिले के देवरी थाना क्षेत्र के रामूसरन निवासी 25 वर्षीय प्रवीण कुमार वर्मा के रूप में हुई है।

आरपीएफ पोस्ट रांची और सीआईबी रांची की टीम को 13 सितंबर को रेलवे टिकटों की अवैध दलाली की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने रांची रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान प्रवीण कुमार वर्मा को पीआरएस काउंटर संख्या पांच से तत्काल टिकट खरीदने के बाद हिरासत में लिया गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से चार लाइव पीआरएस रेलवे टिकट बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत 29,275 रुपये बताई गई है। इसके अलावा एक मोबाइल फोन, तीन भरे हुए और चार खाली रेलवे टिकट आरक्षण मांग-पत्र भी बरामद किए गए। आरपीएफ ने टिकटों, मोबाइल फोन और अन्य सामान को जब्त कर लिया है।

आरपीएफ के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ग्राहकों के लिए रेलवे टिकटों की व्यवस्था करता था और इसके बदले उनसे अतिरिक्त शुल्क लेता था। पुलिस के मुताबिक वह इस माध्यम से व्यक्तिगत आर्थिक लाभ कमाता था।

मामले में आरपीएफ पोस्ट रांची में केस संख्या 2918/2026, 13 सितंबर 2026 को दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आरपीएफ और सीआईबी की ओर से रेलवे स्टेशनों के बुकिंग काउंटर और टिकट आरक्षण से जुड़े स्थानों पर निगरानी जारी है। अधिकारियों के अनुसार टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री और दलाली के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

झारखंड के सभी पुलिस पदाधिकारियों से अनुरोध
Rashtria Mukhyadhara राष्ट्रीय मुख्यधारा
कि वो अपने थानों की उपलब्धियां 'अभिरक्षक लोक' मे प्रकाशनार्थ दैनिक स्तर पर सीधे हमारे
Whatsapp पर भेजें 8873319159
धन्यवाद!
आपकी उपलब्धियां, जनता तक - अभिरक्षक लोक के माध्यम से

rashtria mukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

डीवीसी पावर प्लांट सहित कई जगहों पर धूमधाम से हुई भगवान गणेश की पूजा

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर पावर प्लांट के तकनीकी भवन परिसर में सिविल विभाग की ओर से विशेष पूजा समारोह का आयोजन किया गया। धार्मिक विधि-विधान के बीच आयोजित इस पूजा में डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। उन्होंने पूरे नियम-निष्ठा के साथ प्रथम पूज्य भगवान गणपति की पूजा-अर्चना की और आरती उतारकर क्षेत्र की समृद्धि, शांति तथा सभी कर्मचारियों के कल्याण की मंगलकामना की। इस दौरान डीवीसी के सभी जीएम, डीजीएम, वरीय प्रबंधक, प्रबंधक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कामगार उपस्थित होकर पूजा-अनुष्ठान के साक्षी बने।

वहीं दूसरी ओर, स्थानीय रेलवे स्टेशन परिसर में निर्मित भव्य गणपति पूजा पंडाल का सोमवार को औपचारिक उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंस्पेक्टर पिंकू कुमार यादव उपस्थित थे, जिन्होंने फीता काटकर पूजा पंडाल का शुभारंभ किया। इस मौके पर डीवीसी के वरीय जीएम मधुकर श्रीवास्तव, जीएम (एचआर) ए.ए. कुजूर, देव प्रसाद खां, मनीष कुमार चौधरी, रत्नेश कुमार शर्मा, खिरोधर महतो, सूरज तिवारी, अनूप अकेला, गब्बर राम, संतोष गुप्ता, राजेश साव और चंदन सहित कई गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र गणपति के जयकारों से गुंजायमान रहा।

ईएसएल आर्चरी अकादमी के तीन युवा तीरंदाजों को झारखंड सरकार की खेल छात्रवृत्ति

बोकारो : वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी के तीन होनहार युवा तीरंदाजों ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और निरंतर समर्पण को देखते हुए झारखंड सरकार की ओर से अकादमी के तीन खिलाड़ियों को खेल छात्रवृत्ति (स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप) प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

छात्रवृत्ति के तहत अकादमी के प्रतिभावान तीरंदाज कुलदीप महतो को 70,000 तथा डोली कुमारी एवं कृतिका कुमारी को 60,000-60,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। यह स्कॉलरशिप इन युवा खिलाड़ियों को आगामी उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारियों में बेहद मददगार साबित होगी। इसके साथ ही यह सफलता ईएसएल आर्चरी अकादमी द्वारा ग्रामीण और स्थानीय खेल प्रतिभाओं को तराशने व उन्हें आधुनिक अवसर मुहैया कराने के प्रयासों की भी पुष्टि करती है।

इस गौरवमयी उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एवं होल टाइम डायरेक्टर रवीश शर्मा ने कहा कि कुलदीप, डोली और कृतिका की इस शानदार सफलता पर हमें बेहद गर्व है। झारखंड सरकार द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान इन बच्चों के कड़े अनुशासन, अथक मेहनत और अद्वितीय प्रतिभा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। ईएसएल का सदैव यह ध्येय रहा है कि क्षेत्र के प्रतिभावान युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और मंच मिले, ताकि वे अपने सपनों को साकार करते हुए राज्य व देश का परचम लहरा सकें। इन होनहारों की यह सफलता निश्चित तौर पर अन्य ग्रामीण युवाओं को भी खेलों में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, तीन युवक गंभीर रूप से घायल

बोकारो : चास-तलगड़िया मुख्य मार्ग पर बिजुलिया मोड़ और कुआं मोड़ के बीच रविवार को दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई सीधी भिड़ंत में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सियालजोरी थाना क्षेत्र के नवाडीह निवासी अजीत राजवार (24), बनगड़िया ओपी क्षेत्र के बाटबिनोर निवासी शंकर महतो (25) और लालजी प्रसाद महतो (26) शामिल हैं। हादसे में अजीत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अजीत राजवार अपनी बाइक से नवाडीह की ओर जा रहे थे, जबकि दूसरी बाइक पर सवार होकर शंकर महतो और लालजी प्रसाद महतो बाटबिनोर से चास की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान चास-तलगड़िया पथ पर दोनों बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। चास मुफस्सिल और सियालजोरी थाना पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल अजीत राजवार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जबकि शंकर महतो और लालजी प्रसाद महतो का इलाज बिजुलिया स्थित स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

संस्कारों की जननी व भारतीय संस्कृति की पहचान है हिन्दी : डॉ. गंगवार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

▪ हिन्दी दिवस पर डीपीएस बोकारो में गूंजा राजभाषा-सशक्तिकरण का संकल्प

बोकारो : हिन्दी मात्र एक भाषा नहीं, अपितु हमारे संस्कारों की जननी व समृद्ध भारतीय संस्कृति की पहचान है, जो हमारी भावनाओं, परंपराओं, संस्कृति और विचारों को एक मजबूत कड़ी से जोड़ती है। इसमें रिश्तों की मिठास एवं देश की माटी की खुशबू है। अन्य भाषाएं जहां हमें दुनिया से जोड़ती हैं, वहीं हिन्दी हमें हमारी अपनी जड़ों से जोड़ती है। जिनकी जड़ें मजबूत होती हैं, वे ही आगे तेजी से बढ़ते हैं। यह कहना है दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार का। सोमवार को विद्यालय में आयोजित हिन्दी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। विभिन्न कार्यक्रमों के साथ विद्यालय की प्राथमिक एवं वरीय, दोनों ही इकाइयों में हिन्दी दिवस सोल्लास मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यालय में राजभाषा सशक्तिकरण का संकल्प गूंजा और विद्यार्थियों व शिक्षकों सहित समस्त विद्यालय परिवार ने हिन्दी के संरक्षण एवं संवर्द्धन की कटिबद्धता व्यक्त की। प्राचार्य ने हिन्दी दिवस मनाए जाने की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें हमारी अपनी भाषा को कम नहीं आंकना चाहिए। इतिहास गवाह है जो देश अपनी भाषा भूल जाता है, वह अपनी संस्कृति और अपनी पहचान खो देता है, अतः हमें अपनी भाषा का सम्मान सदैव करना चाहिए। इस क्रम में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए भी अपनी शुभकामनाएं दीं तथा पूरी लगन, मेहनत, निष्ठा एवं तत्परता के साथ पढ़ाई पर ध्यान देने का संदेश दिया।

इस अवसर पर हिन्दी दिवस की विशेष प्रार्थना-सभा की समस्त कार्यवाही हिन्दी में ही सुरुचिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। सीनियर इकाई में छात्र मन्नत पांडेय ने- हिन्दी है पहचान हमारी, हिन्दी ही पहचान, अक्षर-अक्षर में गुंजित है भारत का सम्मान... कविता का सस्वर पाठ कर सबको भाव-विभोर कर दिया। तालियों से गूंजते इस वातावरण में एक अन्य छात्र अर्थित सिंह ने आने वाले हैं शिकारी मेरे गांव में.. कविता का सुरीला पाठ करते हुए नेताओं की अवसरवादिता पर कटाक्ष किया। इस क्रम में विद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से हिन्दी दिवस पर प्रकाशित गृह पत्रिका स्वरा के सितंबर 2026 संस्करण का विमोचन भी किया गया। पत्रिका में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की रचनाओं को आकर्षक साज-सज्जा के साथ प्रस्तुत किया गया है।

इसी प्रकार, प्राथमिक इकाई में बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान दिखाया। विद्यार्थियों ने समूहगान हिन्दी भाषा सबसे प्यारी... तथा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित स्वरचित कविता पाठ, मुहावरों की प्रस्तुति और पहेली जैसे विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

संत जेवियर्स विद्यालय में हिन्दी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : हिन्दी दिवस के अवसर पर संत जेवियर्स विद्यालय में सोमवार को हिन्दी भाषा के गौरव, महत्त्व और वर्तमान प्रासंगिकता को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। हाई स्कूल और प्लस टू के विद्यार्थियों ने कविता-पाठ, नृत्य, अभिनय और संवादात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से हिन्दी के प्रति सम्मान और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने हिन्दी की समृद्ध विरासत और वर्तमान स्थिति को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से सामने रखा। कार्यक्रम की प्रमुख प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने यह सवाल उठाया कि आधुनिकता की दौड़ में कहीं हम अपनी ही भाषा से दूर तो नहीं होते जा रहे हैं। अंग्रेजी बोलने को आधुनिक और हिन्दी बोलने को कमतर समझने की मानसिकता पर प्रस्तुति के माध्यम से सवाल उठाया गया। विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और भावनाओं से भी जुड़ी होती है। नृत्य और अभिनय की प्रस्तुतियों को शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सराहा। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने कहा कि हिन्दी का सम्मान करने का अर्थ किसी दूसरी भाषा का विरोध करना नहीं, बल्कि अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व की भावना रखना है।

आईआईएम कोलकाता के बिजाथॉन क्विज में बीएसएल की टीम का बजा डंका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारियों ने एक बार फिर अपनी बौद्धिक क्षमता और व्यावसायिक सूझबूझ का लोहा राष्ट्रीय मंच पर मनवाया है। देश के अति-प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता द्वारा आयोजित लैटिस 2026 के तहत प्रतिष्ठित बिजाथॉन क्विज प्रतियोगिता में बीएसएल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम उपविजेता (द्वितीय स्थान) का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर के नामचीन कॉरपोरेट घरानों और शीर्ष बिजनेस स्कूलों से 50 से अधिक दिग्गज टीमों ने भाग लिया था।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व सहायक महाप्रबंधक (गैस यूटिलिटीज) एस. डब्ल्यू. किस्पोट्टा एवं सहायक महाप्रबंधक (पीपीसी एवं एससी) आनंद राज ने किया। प्रतियोगिता के चुनौतीपूर्ण प्रारंभिक दौर (प्रीलिम्स) में देशभर की टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसे पार करते हुए केवल 8 सर्वश्रेष्ठ टीमों ने ग्रैंड फिनाले में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में बीएसएल की टीम ने अपनी त्वरित निर्णय क्षमता, रणनीतिक सोच और उत्कृष्ट टीमवर्क का परिचय देते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में एचसीएल की टीम विजेता रही, जबकि मेजबान आईआईएम कोलकाता की टीम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

बीएसएल के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय लियो कार्यशाला संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के तकनीकी सेल विभाग द्वारा डिजाइन एवं इंजीनियरिंग विषय पर आयोजित दो दिवसीय लियो (लर्निंग फ्रॉम ईच अदर) कार्यशाला का समापन हुआ। सेल स्तर पर अपनी तरह की इस पहली और अनूठी पहल में बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर तथा इस्को (बर्नपुर) इस्पात संयंत्रों के डिजाइन एवं इंजीनियरिंग विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संयंत्रों के बीच तकनीकी चुनौतियों के समाधान, आधुनिक पद्धतियों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना था। समापन सत्र में अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (टेक्नीकल सेल) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

दो दिनों तक चले इस सत्र में विभिन्न संयंत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी इकाइयों के अनुभवों, तकनीकी ज्ञान और नवीन समाधानों को साझा किया। डिजाइनिंग से जुड़ी जटिल चुनौतियों और इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं में सुधार की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। समापन सत्र को संबोधित करते हुए अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने तकनीकी सेल विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेल की सभी इकाइयों के बीच सामूहिक ज्ञान के आदान-प्रदान से हमारी इंजीनियरिंग क्षमता को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने कार्यशाला के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभागी प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

» सेल की सभी इकाइयों के डिजाइन विशेषज्ञों का लगा जमघट

बोकारो में मिथिलांचलवासियों के घर चौठचन्द्र पूजा की रही धूम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

▪ व्रतियों ने चंद्रदेव से की निष्कलंकता और पारिवारिक समृद्धि की कामना

बोकारो : बोकारो मे रहने वाले मिथिलांचलवासियों ने सोमवार देरशाम श्रद्धा व उल्लास के साथ चौठचन्द्र पूजा संपन्न की। कला-संस्कृति की विशिष्टता के लिये प्रसिद्ध मिथिलांचल में कई पर्व-त्यौहार अनूठे ढ़ंग से मनाए जाते हैं। गणेश चतुर्थी यूं तो देश भर में उत्साह व निष्ठा के साथ मनाई जाती है, लेकिन मिथिलांचल के लोग इसे चौठचन्द्र (चौरचनि) पूजा के नाम से मनाते हैं। भाद्र शुक्ल चतुर्थी को मिथिला के गांव-गांव के साथ-साथ जहां भी मैथिल रचते-बसते हैं, वहां चौठचन्द्र पावन श्रद्धा से मनाया जाता रहा है। मान्यता है कि जो यह पूजा संपन्न करते हैं, वे सदा धनवान, पुत्रवान व प्रसन्न रहते हैं।

खाली हाथ चंद्रमा देखने पर लगता है मिथ्या कलंक- जानकार बताते हैं चौठचन्द्र के दिन ही चन्द्रमा को कलंक लगा था, किन्तु मिथिला में चन्द्रमा पूजा की परम्परा है। कहा जाता है कि इस दिन जो भी व्यक्ति चंद्रमा को खाली हाथ देखते हैं, उन्हें भी मिथ्या कलंक लगता है। जब भगवान श्रीकृष्ण पर स्यमन्त की मणि चोरी का मिथ्या कलंक लगा था तो हम और आप क्या हैं? भगवान कृष्ण ने नारदजी की प्रेरणा से इसी तिथि के गणेश व चन्द्रमा की पूजा की थी तो उन्हें कलंक से छुटकारा मिला था, इसलिए मिथिला में यह पूजा संपन्न कर फल, मिठाई लेकर चन्द्रदेव के दर्शन की परम्परा है।

सुबह से ही बनने लगते हैं नाना प्रकार के पकवान- मैथिलानी दिनभर निराहार रह पवित्रता के साथ सुबह से ही अच्छे-अच्छे व नाना प्रकार के पूड़ी-पकवान, छनुआ सोहारी (रोटी), चीनी पूड़ी, रंग-बिरंग के पिरुकिया (गुजिया), टिकरी आदि बनाते हैं। इन पकवानों के अलावा भांति-भांति के फल मधुर-मिठाई, नारियल, दही आदि से सजे डालों को सजाया जाता है। घर के आंगन में पिठार (पिसे चावल के घोल) से अरिपन (एक विशेष प्रकार की पारंपरिक अल्पना कलाकृति) बनाए जाते हैं। फिर उन पर सिन्दूर लगाया जाता है और उन्हीं पर सजी डालियों को रखा जाता है, साथ ही कलश स्थापित किया जाता है। उसके बाद चंदनयुक्त सिन्दूर, यज्ञोपवीत, अक्षत, फूल, फूल-माला, दूभ, बेलपत्र आदि से सुसज्जित पूजन-स्थल बनाने के बाद गणपत्यादि पंचदेवता भगवान विष्णु गौरी व चौठीचान की पूजा कर बारी-बारी से लोग पूड़ी, पकवान फल से सजी डालियां या फल लेकर विशिष्ट मंत्र के साथ चन्द्रदेव का दर्शन करते हैं। इसके बाद स्यमन्त की मणि, जाम्बवान पुत्र सुकुमार पर आधारित कथा ध्यानमग्न हो सुनने की परम्परा है। अंत में आरती कर विसर्जन के उपरांत मरर (केले के पत्ते) पर चढाये खीर-पूड़ी को घर के पुरुष सदस्य भांगते हैं और सभी सदस्य मिल-बांटकर प्रसाद खाते हैं।

डीपीएस चास में उत्साह पूर्वक मनाया गया हिंदी दिवस, सांस्कृतिक गतिविधियों का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन हुआ, वहीं शिक्षकों ने सुरीले गीत, भजन और काव्य प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता की सशक्त पहचान बताया। निदेशिका सह प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति और साहित्य की संवाहक है, जिसे नई पीढ़ी में लोकप्रिय बनाना आवश्यक है। वहीं डी. एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी शुभकामनाएं देते हुए हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन भाषा के प्रति सम्मान और इसके नियमित उपयोग के संकल्प के साथ हुआ।

गोमिया में 37 हाथियों की धमक से हड़कंप, 5 इलाकों में बंटा हाथियों का दल, रेड अलर्ट

वन विभाग ने लगाई सेल्फी लेने और पास जाने पर रोक, रात में बाहर न निकलने की अपील

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले के गोमिया प्रखंड और आसपास के ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों के भारी आतंक से स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। क्षेत्र के अलग-अलग जंगलों में कुल 37 जंगली हाथियों का बड़ा कुनबा कई छोटे-बड़े झुंडों में बंटकर लगातार विचरण कर रहा है। हाथियों के इस खौफनाक जमावड़े को देखते हुए वन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने अति-आवश्यक चेतावनी जारी करते हुए समूचे गोमिया क्षेत्र में 'रेड अलर्ट' घोषित कर दिया है। प्रशासन ने नागरिकों को आगाह किया है कि किसी भी इलाके में थोड़ी बहुत शांति देखकर बेपरवाह होने की भूल कतई न करें, क्योंकि खतरा अभी टला नहीं है। वन विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हाथियों की वर्तमान स्थिति की बात करें तो तिरला में 15 हाथियों का सबसे बड़ा झुंड डेरा डाले हुए है, जबकि जगेश्वर में 13 हाथियों का दल लगातार सक्रिय है। इसके अलावा कन्देर में 6 हाथी, दरहाबेरा में 2 हाथी और बड़की पुन्नू में 1 हाथी देखा गया है। इन मुख्य क्षेत्रों के अलावा हाथियों के कई अन्य छोटे उप-दल भी आसपास के घने जंगलों में लगातार अपनी आवाजाही बनाए हुए हैं।

हाथियों के अप्रत्याशित व्यवहार और लगातार बदलती दिशा को देखते हुए प्रशासन ने ग्रामीणों के लिए विस्तृत सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि शाम और रात के समय खेतों, जंगलों या सुनसान रास्तों की ओर जाने की गलती कतई न करें, क्योंकि हाथियों का झुंड अचानक अपनी दिशा बदलकर रिहायशी इलाकों का रुख कर सकता है। इसके साथ ही हाथी यदि शांत भी दिखाई दें, तब भी उनके करीब जाने, मोबाइल से फोटो या सेल्फी लेने तथा पत्थर फेंककर उन्हें उकसाने की भूल न करने की सख्त ताकीद की गई है, क्योंकि ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। प्रशासन ने ग्रामीणों से रात के वक्त खुले में न सोकर अपने-अपने घरों के भीतर रहने और घरों के बाहर मशाल या लाइट की पर्याप्त रोशनी जलाकर रखने की अपील की है। साथ ही महुआ अथवा अवैध कच्ची शराब का भंडारण न करने की सलाह दी गई है, क्योंकि शराब की तीव्र गंध हाथियों को सीधे गांवों की ओर खींच लाती है। किसी भी स्थान पर हाथियों की आहट या हलचल मिलने पर अकेले जाने के बजाय समूह में आवाज करने और तुरंत वन विभाग की टीम तथा स्थानीय पुलिस को सूचित करने को कहा गया है। प्रशासन और वन विभाग ने चेतावनी दी है कि ग्रामीणों की जरा सी लापरवाही जान-माल के भारी नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए सभी ग्रामीण स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सतर्क रखें।

30वें कोल्हान फुटबॉल टूर्नामेंट : टाईब्रेकर में एक्स आर्मी बॉयज ए टीम सेमीफाइनल में

बोकारो के बिरसा बासा में 32 टीमों के बीच फुटबॉल का घमासान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : खेल भावना और रोमांच से सराबोर 30वें 5-दिवसीय कोल्हान फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन बिरसा बासा के मैदान पर दर्शकों को सांसे थाम देने वाले मुकाबले देखने को मिले। 13 सितंबर से शुरू हुआ यह 5 दिवसीय टूर्नामेंट 17 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र की कुल 32 दिग्गज टीमें खिताब जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रही हैं।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन सोमवार को कुल 8 टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दिन का अंतिम और सबसे सनसनीखेज मैच एक्स आर्मी बॉयज ए और सोरेन एंड यूनाइटेड बोकारो के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर बनी रही। आखिरकार मैच का फैसला टाईब्रेकर से हुआ, जिसमें 'एक्स आर्मी बॉयज A' ने अपनी रणनीतिक पकड़ और सधे हुए शॉट्स के दम पर 'सोरेन & यूनाइटेड' को 3-2 से पराजित कर दिया। इस शानदार जीत के साथ ही एक्स आर्मी बॉयज A ने सीधे सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

दूसरे दिन के खेल में मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो के चर्चित डिजिटल इन्फ्लुएंसर विवेक नोवी ने शिरकत की और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उनके साथ शिक्षक राम सर, अमित सर, बिमल सर तथा उपेंद्र सर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका परिचय लिया और उनके बेहतरीन खेल की सराहना की। स्पर्धा के दौरान कोल्हान स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष रावल लेयांगी, सचिव दीपक सवैया, कोषाध्यक्ष डीसीग सुरीन, सलाहकार रेंगो बिरुवा, मनोज मेलगांडि, गोपाल हंसदा, रामदु मुर्मू सहित क्लब के सभी सदस्य मुस्तैद रहे। मैचों का निष्पक्ष और सफल संचालन करने में रेफरी सुनील उगुरसांडी, झरी लाल पात्रा, सुनील पिंगुवा, मनीष ढोडराई और मनोज मछुआ की भूमिका सराहनीय रही। इसके अलावा, आयोजन को भव्य रूप देने में सूरज सुरीन, शशि जारीका, राजा सिंग, लालू ओड़िया, अर्जुन बिरूली, शैलेन, प्रिंस, समीर, महेश, ऋतिक, सिकंदर, लेफ्टन, समीर उरांव, अंकित, राकेश, सन्नी, बिट्टू, अमनदीप, नाश समेत भारी संख्या में खेल प्रेमी और दर्शक मैदान में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में झारखंड वासियों ने की गणपति स्थापना

डुमरीः हरतालिका तीज के पर्व के साथ ही गणेश चतुर्थी पर्व की शुरुआत हो गई है। झारखंड से महाराष्ट्र के मुंबई में रहने वाले लोगों ने सोमवार को गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना की।नौ दिनों तक चलने वाले इस गणेश उत्सव को लेकर युवाओं में खासा उत्साह है। मुंबई में रहने वाले झारखंड वासियों ने क्रमवार पूजा में शामिल होकर स्वयं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की और प्रसाद ग्रहण किया। पूजा को लेकर आकर्षक साज-सज्जा और प्रकाश की व्यवस्था की गई है। प्रतिमा का विसर्जन अपने सामर्थ्य अनुसार डेढ़ दिन, तीन दिन, पांच दिन, सात दिन और दस दिन पर किया जाएगा, जिसकी शुरुआत 14 सितंबर से हो गई है। पूजन ब्राह्मणों के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुकेश रजक, पत्नी सुषमा देवी, संतोष अर्जुन रजक, पत्नी प्रीति रानी रजक समेत परिवार के सभी सदस्यों ने पूजा में भाग लेकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसरी स्टेशन रोड पर जलजमाव से परेशानी, विकास की मांग तेज

डुमरीः क्षेत्र के वरीय अधिवक्ता और इसरी चौक निवासी इंद्रजीत जायसवाल ने रविवार रात्रि प्रेस बयान जारी कर कहा कि झारखंड में मुखिया का प्रमुख दायित्व नाली-गली का निर्माण और विकास कार्य कराना है।उन्होंने कहा कि इसरी बाजार का स्टेशन रोड इसरी उत्तरी और इसरी दक्षिणी दो पंचायतों के अंतर्गत आता है और यह रोड बदहाल स्थिति में है। इसरी उत्तरी के मुखिया पति अजीत माथुर हैं, जबकि दक्षिणी क्षेत्र के मुखिया सीताराम तुरी हैं। यह सड़क विधायक और सांसद दोनों के निर्वाचन क्षेत्र में आती है। यहां के मतदाताओं ने विधायक जयराम महतो और सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी को जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसी रोड पर धनबाद रेल मंडल का पारसनाथ स्टेशन, कई मंदिर और स्कूल स्थित हैं, जहां बोकारो और गिरिडीह जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों का आना-जाना लगा रहता है। जायसवाल ने बताया कि नालियों की सफाई नहीं होने और बैंक ऑफ इंडिया के समीप गलत तरीके से रोड निर्माण होने के कारण स्टेशन का सारा पानी वहीं जमा हो जाता है। इससे बैंक के ग्राहकों और स्थानीय दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के लोग विकास की बाट जोह रहे हैं।उन्होंने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से इस समस्या पर ध्यान देने और जल्द समाधान करने की मांग की है।

डुमरी क्रिकेट अकादमी के उद्घाटन की तैयारी तेज

डुमरी। डुमरी क्रिकेट अकादमी के उद्घाटन समारोह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। अकादमी प्रबंधन द्वारा क्रिकेट जगत से जुड़े सम्मानित अतिथियों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। समारोह में गिरिडीह जिला क्रिकेट संघ के सचिव संतोष तिवारी, झारखंड के रणजी खिलाड़ी रौनक देव, अंडर-23 राज्य खिलाड़ी अंकित कुमार उर्फ मोंटी और मो. अफसर के शामिल होने की संभावना है। तैयारियों में अकादमी के अध्यक्ष हसीमुद्दीन अंसारी, कोषाध्यक्ष सद्दाम हुसैन, समीर अंसारी और सदस्य इरफान अंसारी जुटे हुए हैं। आयोजकों ने बताया कि अकादमी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की क्रिकेट प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और मंच प्रदान करना है। सही अवसर मिलने पर डुमरी के खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

आवासीय कॉलोनी से नियमों को ताक पर रखकर छाई की ढुलाई, बढ़ा वायु प्रदूषण

बोकारो थर्मलः डीवीसी बोकारो थर्मल के ऐश पॉन्ड से पावर प्लांट के रेलवे रैक लोडिंग यार्ड तक रात के समय आवासीय कॉलोनी की मुख्य सड़कों से की जा रही छाई (राख) की ढुलाई से स्थानीय नागरिक खासे परेशान हैं। नियमों की अनदेखी कर रोजाना आधा दर्जन से अधिक हाइवा से हो रही इस ढुलाई के कारण कॉलोनी की मुख्य सड़कों पर छाई गिर रही है, जिससे क्षेत्र में गंभीर वायु प्रदूषण फैल रहा है।

दिन के समय जब सड़कों पर वाहनों का आवागमन शुरू होता है, तो नट-बोल्ट की तरह बिखरी छाई हवा में उड़कर पूरे इलाके को धूल धूसरित कर देती है। इससे कॉलोनीवासियों और राहगीरों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। उल्लेखनीय है कि डीवीसी की निविदा शर्तों के अनुसार छाई ढुलाई का स्वीकृत मार्ग खासमहल, चार नंबर, जारंगडीह और कथारा होते हुए तय किया गया था। इसके बावजूद ठेका कंपनी के कर्मी लंबे रूट का भुगतान उठाकर ईंधन और समय बचाने के चक्कर में रात के अंधेरे में आवासीय कॉलोनी के शॉर्टकट रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इस गंभीर समस्या को देखते हुए गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव ने डीवीसी के एचओपी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने डीवीसी प्रबंधन से कॉलोनी की मुख्य सड़कों से रात में की जा रही छाई की अवैध ढुलाई पर अविलंब रोक लगाने की अपील की है। दूसरी ओर, इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने स्पष्ट किया कि छाई का परिवहन करने वाली सभी संवेदक कंपनियों को आवासीय कॉलोनी के रास्ते से ढुलाई करने के लिए सख्त मनाही की गई है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

घर के गेट के पास वृद्धा से ढाई लाख की सोने की चेन झपट भागे बदमाश

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत टांडमोहनपुर में रविवार शाम बाइक सवार दो उचक्कों ने एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला को अपना शिकार बनाते हुए उनके गले से करीब ढाई लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद से स्थानीय निवासियों में दहशत व्याप्त है। भुक्तभोगी किरण देवी (पति शिव शंकर सिंह) के अनुसार, वह शाम करीब साढ़े छह बजे आर्यन होटल से अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वह स्वयंवर होटल के समीप ओल्ड एनएच किनारे स्थित अपने घर के मुख्य द्वार पर पहुंचीं, तभी पीछे से एक बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक वहां पहुंचे। बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट व भूरे रंग की शर्ट पहन रखी थी, जबकि पीछे बैठा युवक सफेद शर्ट में था। पीछे बैठे युवक ने अचानक झपट्टा मारकर वृद्धा के गले से सोने की चेन उखाड़ ली और दोनों तेजी से बोकारो की दिशा में भाग निकले।

घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद जरीडीह थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। एक सीसीटीवी कैमरे में महिला का शोर और बाइक सवारों की आवाजाही कैद हुई है, हालांकि फुटेज स्पष्ट नहीं है। पीड़ित परिवार के बड़े बेटे मनोज सिंह ने बताया कि वे मूल रूप से गिरिडीह के पालगंज निवासी हैं और यहां मकान बनाकर रह रहे हैं। वहीं समाजसेवी रंजीत महतो ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पुलिस से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

बोकारो थर्मल में श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया हरितालिका तीज पर्व

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मलः बोकारो थर्मल एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को हरितालिका तीज का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और अटूट विश्वास के साथ पारंपरिक उल्लास से मनाया गया। अपने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने पूरे दिन अन्न और जल का त्याग कर कठिन निर्जला व्रत रखा। पर्व को लेकर सुबह से ही पूरे क्षेत्र में खासा उत्साह और आध्यात्मिक माहौल देखा गया।

संध्या काल में सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार कर सामूहिक रूप से मंडपों और पूजा स्थलों पर एकत्र होकर भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने बालू व मिट्टी से निर्मित शिव-पार्वती की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर फूल, फल और सुहाग की सामग्रियां अर्पित कीं। इसके पश्चात पंडितों के आचार्यत्व में महिलाओं ने हरितालिका तीज की पौराणिक व्रत कथा का नियमपूर्वक श्रवण किया, जिससे पूरा परिसर भक्ति गीतों और हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

पूजा करा रहे पुरोहितों ने तीज पर्व के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सनातन परंपरा में यह व्रत परम कल्याणकारी और अखंड सौभाग्य प्रदान करने वाला माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए वर्षों तक कठोर तपस्या की थी, उसी अटूट संकल्प और भक्ति की स्मृति में महिलाएं यह उपवास रखती हैं। देर शाम तक चले इस पूजा-अनुष्ठान के बाद आरती की गई। व्रती महिलाएं मंगलवार की सुबह पूजा-अर्चना पूर्ण करने के उपरांत अपने पति के हाथों जल ग्रहण कर इस 24 घंटे के कठिन निर्जला व्रत का पारण करेंगी।

दिगवार में रजाए मुस्तफा नौजवान कमेटी का गठन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। क्षेत्र के दिगवार ग्राम के पुराना उर्दू स्कूल प्रांगण में रविवार को देर रात में रजाए मुस्तफा नौजवान मुस्लिम कमेटी के गठन को लेकर चुनाव प्रक्रिया हुई। इस अवसर पर चुनाव कराने के लिए अबुजर हाफिज साहब समेत कमेटी के अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित हुए। चुनाव समाप्ति के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने-अपने पद का पदभार ग्रहण किया। गठित कमेटी में मो सरफराज साहब सदर, मो इम्तियाज साहब नायब सदर, मो अतहर अली सेक्रेटरी, अमीन अंसारी नायब सेक्रेटरी, मो आबिद कोषाध्यक्ष व दानिश हाफिज साहब नायब कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। वहीं संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं को सकारात्मक दिशा देने, समाज हित में बेहतर व रचनात्मक कार्य करने की अपील की गई।

नवनिर्वाचित कमेटी पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने, समाज के विकास एवं एकता के लिए मिल-जुलकर कार्य करने का संकल्प लिया। वहीं 20 सितंबर को पुराना उर्दू स्कूल में बैठक करने का निर्णय लिया गया।

चंदनकियारी में बेलगाम अपराधियों का तांडव, बरमसिया के बोदमा मोड़ पर दुकान में बोला धावा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंदनकियारी (बोकारो) : क्षेत्र में सुस्त पड़ती पुलिसिया कार्यवाही और ढीले अपराध नियंत्रण का फायदा उठाकर बेखौफ बदमाशों ने अब चंदनकियारी के बाद बरमसिया ओपी क्षेत्र में अपना तांडव शुरू कर दिया है। चोरी की ताजा वारदात चंदनकियारी-बरमसिया मुख्य सड़क किनारे स्थित बोदमा मोड़ की है, जहां रविवार की देर रात अज्ञात चोरों ने एमएस टी आर एंटरप्राइज नामक दुकान को निशाना बनाया। अपराधियों ने दुकान का ताला तोड़कर भीतर रखे एक ड्रिल मशीन, 13 बंडल कीमती तार, आधा एचपी का एक वाटर मोटर सहित करीब एक लाख रुपये मूल्य के सामान पर साफ हाथ कर दिया।

घटना का खुलासा सोमवार की सुबह उस वक्त हुआ जब आसपास के अन्य दुकानदारों ने एमएस टी आर एंटरप्राइज का ताला टूटा देखा। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी दुकान मालिक मोहम्मद तैय्यब अंसारी को फोन पर दी। सूचना मिलते ही बदहवास पहुंचे पीड़ित दुकानदार ने घटना की जानकारी बरमसिया ओपी प्रभारी शैलेंद्र कुमार पासवान को दी। खबर मिलते ही ओपी प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और दुकान का मुआयना कर छानबीन में जुट गए। मामले की जानकारी देते हुए बरमसिया ओपी प्रभारी शैलेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर पड़ताल शुरू कर दी है। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डीवीसी चंद्रपुरा में हिंदी दिवस पर परियोजना प्रधान का संदेश जारी, मुख्य महाप्रबंधक ने किया लोकार्पण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा (बोकारो) : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में सोमवार को 'हिंदी दिवस' के पावन अवसर पर गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेजस भवन (इकाई 7 एवं 8) के सम्मेलन कक्ष में आयोजित इस विशेष समारोह के दौरान मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी द्वारा जारी हिंदी दिवस संदेश का औपचारिक लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में डीवीसी चंद्रपुरा के तमाम विभागाध्यक्ष और कार्यालय प्रधान विशेष रूप से उपस्थित रहे। परियोजना प्रधान के संदेश का वाचन मानव संसाधन प्रबंधक राज कुमार चौधरी द्वारा किया गया।

अपने संदेश में मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी ने पूरे चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र परिवार को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता और जनसाधारण की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने दैनिक कार्यालयीन कार्यों, पत्राचार, टिप्पणियों, प्रतिवेदनों और डिजिटल माध्यमों में हिंदी के सहज, सरल और प्रभावी प्रयोग पर विशेष बल दिया।

राजभाषा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने वाले इस कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक अमित सिन्हा, राजीव रंजन मोझा, देव कांति गुप्रा भाया, राजीव रंजन, राजीव कुमार, प्रताप सिंह तथा वरीय प्रबंधक विनय कृष्णा दास, तरुनेश्वर प्रसाद, अजय सतीश टोप्पो, कंचन स्मिता टोप्पो, मुकेश कुमार, सत्येन्द्र कुमार, एस.के. दलाई, जयदीप चटर्जी, प्रबंधक (मानव संसाधन) राजकुमार चौधरी के अतिरिक्त संजीव कुमार, अनिमेष गिरि, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार एवं बिपत मांझी सहित कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नेपाली सेवा समिति में हरितालिका तीज महोत्सव आज, महिलाओं-बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहेंगी आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा बृजराज सिंह की रिपोर्ट

जमशेदपुर। गोलमुरी स्थित नेपाली सेवा समिति भवन में सोमवार, 14 सितंबर 2026 को हरितालिका तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव को लेकर समाज की महिलाओं एवं बच्चों में खासा उत्साह है। आयोजन के दौरान धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ नेपाली संस्कृति और परंपरा की मनमोहक झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे बनारस से आमंत्रित पंडित द्वारा विधिवत हरितालिका तीज पूजा एवं कथा के साथ होगी। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं पूजा-अर्चना में शामिल होकर भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना करेंगी और परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना के लिए प्रार्थना करेंगी। इसके बाद दोपहर 3 बजे से देर रात तक नेपाली समाज की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा रंगारंग नेपाली सांस्कृतिक नृत्य एवं संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। कलाकारों द्वारा नेपाली लोक संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा। हरितालिका तीज नेपाली समाज का प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व है। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर पूजा में शामिल होती हैं। तीज महोत्सव सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक संरक्षण और आपसी भाईचारे का भी संदेश देता है। आयोजकों ने समाज के सभी परिवारों, महिलाओं एवं बच्चों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर हरितालिका तीज महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

स्थानः नेपाली सेवा समिति भवन, गोलमुरी, जमशेदपुर
तारीखः 14 सितंबर 2026, सोमवार
पूजा एवं कथाः सुबह 11 बजे
सांस्कृतिक कार्यक्रमः दोपहर 3 बजे से देर रात तक

पोल टूटने से बिजली मिस्त्री घायल, पैर की हड्डी टूटी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवारः पेटरवार प्रखंड के उलगड्डा पंचायत अंतर्गत डूमरडीहा में एलटी लाइन बनाने के दौरान बिजली का पोल टूट गया। हादसे में पोल पर काम कर रहे बिजली मिस्त्री राजकुमार साव नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में उनके पैर की हड्डी टूट गई। घायल राजकुमार साव को तत्काल पेटरवार स्थित उपेल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज की जरूरत बताई गई। राजकुमार साव बिजली विभाग में बैंडेज कर्मी के रूप में कार्यरत हैं। घटना के बाद उनके बेहतर इलाज को लेकर जनप्रतिनिधियों ने धनबाद के जीएम और रॉयल एजेंसी के पदाधिकारियों से बातचीत करने का प्रयास किया। आरोप है कि शुरुआत में विभाग की ओर से मामले को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई और टालमटोल की स्थिति बनी रही। इसके बाद जनप्रतिनिधियों ने मामले को लेकर विभागीय अधिकारियों पर दबाव बनाया। काफी बातचीत के बाद राजकुमार साव के बेहतर इलाज के लिए ईएसआईसी अस्पताल में उपचार का खर्च उठाने पर सहमति बनी। घटना ने बिजली कार्य में लगे कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था और दुर्घटना की स्थिति में उनके इलाज को लेकर विभागीय जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े किए हैं।

सेंट जेवियर्स सिनी की छात्राएं बनीं फुटबॉल चैंपियन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेलाः सरायकेला स्थित सेंट फ्रांसिस डी सेल्स स्कूल में आयोजित फादर पीटर मरमियर मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 में सेंट जेवियर्स स्कूल, सिनी की बालिका टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया। सेंट जेवियर्स सिनी की छात्राओं ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला जीता और चैंपियन बनीं। विजेता टीम को आयोजकों की ओर से पांच हजार रुपये नकद, मेडल और विजेता ट्रॉफी प्रदान की गई। टीम की जीत पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। खिलाड़ियों ने सफलता का श्रेय टीम की मेहनत और आपसी तालमेल को दिया। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क को बढ़ावा देने का संदेश भी मिला।

सुरक्षा मानकों का सख्ती से करें पालन : राम कुमार

चंद्रपुरा में डीवीसीकर्मियों व सीआईएसएफ जवानों को दिया प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन एवं एस टी एम अस्पताल के चिकित्सकों के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को डीवीसी कर्मियों और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों के लिए एक दिवसीय फर्स्ट एड (प्राथमिक चिकित्सा) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी ने समारोह को संबोधित करते हुए सुरक्षा के प्रति गंभीरता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी, कर्मचारी और जवान कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसी को फर्स्ट एड की जरूरत ही ना पड़े। उन्होंने आगे कहा कि तमाम सावधानियों के बावजूद यदि कोई अप्रिय घटना घट जाती है, तो फर्स्ट एड से प्रशिक्षित लोग तुरंत राहत व बचाव कार्य में पूरी तरह समर्थ साबित होंगे। यह प्रशिक्षण न केवल प्रशिक्षित व्यक्तियों के काम आएगा, बल्कि आपात समय में अन्य लोगों के लिए भी जीवन रक्षक सिद्ध होगा।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान एस टी एम अस्पताल के उप मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पी. के. घोष ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को फर्स्ट एड की बारीकियों और प्राथमिक उपचार की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी से दैनिक जीवन में स्वास्थ्य व सुरक्षा के प्रति हमेशा सतर्क रहने की अपील की। वहीं, डॉ. माणिक मंडल और डॉ. एस. चटर्जी ने कार्यस्थल तथा सामान्य जीवन में होने वाली विभिन्न आकस्मिक बीमारियों, दुर्घटनाओं और उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों पर प्रकाश डाला। समारोह को सीआईएसएफ के उप समादेष्टा बेहरुल इस्लाम लश्कर ने भी संबोधित किया और जवानों को इस तरह के प्रशिक्षण को सेवाकाल में अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन मीरा बक्सला और हेमंत कुमार ने किया। इस प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में डीवीसी के कर्मचारी और सीआईएसएफ के जवान शामिल हुए।

rashtria mukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

एक शिक्षक के भरोसे चल रहा कई स्कूलों का पठन-पाठन : अमीन

रांची। झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा की बैठक सोमवार को धुर्वा स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में प्रदेश संयोजक मंगलेश्वर उरांव की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर मोर्चा के प्रदेश संयोजक अमीन अहमद ने कहा कि राज्य के हजारों विद्यालयों में लंबे समय से एक ही शिक्षक के भरोसे पठन-पाठन चल रहा है। विषयवार पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति, जरूरत के अनुसार घंटी आधारित शिक्षकों की व्यवस्था और शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग की गई। प्रवक्ता अरुण कुमार दास ने बताया कि शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ, छठे वेतन आयोग के अनुरूप उत्क्रमित वेतनमान और वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार विशेष टीईटी आयोजित करने की मांग की। साथ ही विद्यालय विकास एवं कुकिंग कॉस्ट की लंबित राशि में वृद्धि कर जल्द आवंटन और वित्तीय-सामाजिक अंकेक्षण के नाम पर शिक्षकों के कथित आर्थिक भयादोहन पर रोक लगाने की भी मांग की गई। बैठक में मोर्चा से जुड़े पांच शिक्षक संगठनों के प्रदेश और जिला पदाधिकारी शामिल हुए। शिक्षा और शिक्षक हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की गई। मोर्चा ने दिवंगत उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि देते हुए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग में रिक्त मंत्री पद पर तत्काल नियुक्ति की मांग की। अक्टूबर में रांची में राज्यस्तरीय शिक्षक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मोर्चा के प्रदेश संयोजक विजय बहादुर सिंह, अमीन अहमद, मंगलेश्वर् उरांव, डॉ सुधांशु कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार दास सहित अन्य जिलों से शिक्षक प्रतिनिधि मौजूद थे।

हिंदी को विज्ञान, नवाचार और रोजगार से जोड़ने की जरूरत : मंजूनाथ भजंत्री

रांची। रांची में सोमवार को हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रमंडलीय राजभाषा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कवियों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने की। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक देश को एक सूत्र में पिरोती है। यह केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और भावात्मक एकजुटता की सशक्त अभिव्यक्ति है। भजंत्री ने हिंदी के संरक्षण के साथ उसके आधुनिक और व्यावहारिक उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और माल्यार्पण के साथ हुआ। उपायुक्त ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन उप निदेशक, राजभाषा रविशंकर मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का समापन दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त के सचिव रविंद्र कुमार गगराई के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर रांची सदर एसडीओ कुमार रजत, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, उप परिवहन आयुक्त अजय कुमार रजक, उप निर्वाचन पदाधिकारी बिवेक सुमन सहित आयुक्त कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसबीयू विद्यार्थियों ने नवाचार और एआई में लहराया परचम

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के विद्यार्थियों ने नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। एसबीयू की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि विद्यार्थियों ने विद्यार्थी नवाचार प्रदर्शनी आईसीसीआई 2026 में अपने अभिनव प्रोजेक्ट ई-फॉग कलेक्टर के लिए द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। वहीं बीटेक कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों की टीम कैफीन कोड ने आईबीएम राष्ट्रीय हैकाथॉन 2026 के पूर्वी क्षेत्र में विजेता का खिताब प्राप्त किया। विज्ञप्ति में बताया गया कि आईसीसीआई 2026 का आयोजन बीआईटी मेसरा के कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग की ओर से किया गया था। ई-फॉग कलेक्टर परियोजना आयनिक पवन तकनीक के माध्यम से कोहरे से जल संग्रहण की अवधारणा पर आधारित है। विजेता टीम में निखिल शर्मा, आयुष राज और आयुष कुमार सुमन शामिल रहे। टीम का मार्गदर्शन डॉ अविनाश कुमार ने किया। इधर, 11 से 13 सितंबर 2026 तक कोयंबटूर में आयोजित आईबीएम राष्ट्रीय हैकाथॉन में कैफीन कोड टीम ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ग्रामस्वास्थ्य एआई मंच विकसित किया। टीम में रिया कुमारी, रिसु कुमारी, शानवी अग्रवाल और अमन कुमार शामिल थे। विद्यार्थियों की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रोफेसर गोपाल पाठक, कुलपति प्रोफेसर सी जगनाथन, राज्यसभा सांसद सह निदेशक डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विजेता विद्यार्थियों, मार्गदर्शकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।

ब्रह्मकुमारी विवि में गणेश चतुर्थी के आध्यात्मिक रहस्यों पर हुई चर्चा

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के हरमू रोड स्थित चौधरी बगान सेवाकेंद्र में सोमवार को गणेश चतुर्थी के आध्यात्मिक रहस्यों पर विशेष चर्चा की गई। केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवी-देवताओं के स्वरूप दिव्य गुणों और शक्तियों के प्रतीक हैं। श्रीगणेश की हर शुभ कार्य से पहले पूजा किए जाने के पीछे भी गहरा आध्यात्मिक संदेश निहित है। ब्रह्माकुमारी निर्मला ने श्रीगणेश के जन्म की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें कई आध्यात्मिक रहस्य निहित हैं। उन्होंने गणेश जी के हाथी के सिर और प्रथम पूज्य होने के वरदान की कथा को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समझने पर जोर दिया। ब्रह्माकुमारी निर्मला ने कहा कि संस्था लोगों को यह समझाने का प्रयास करती है कि व्यक्ति स्वयं अपने जीवन का 'विघ्न विनाशक' कैसे बन सकता है। इसके लिए सेवाकेंद्र में निःशुल्क आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग प्रशिक्षण दिया जाता है। यह सेवा प्रतिदिन सुबह 8 से 10 बजे और शाम 4 से 6 बजे तक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि नया युग आध्यात्मिक युग होगा और पवित्रता ही सुख एवं शांति की जननी है।

मणिपाल इंटरनेशनल भरेचनगर में हिंदी दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। हिंदी दिवस के अवसर पर मणिपाल इंटरनेशनल स्कूल भरेचनगर सांडी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम, सम्मान व इसके महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम में विद्यालय निदेशक गया प्रसाद रॉय ने सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों को हिंदी दिवस समेत गणेश पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में कहा कि हिंदी केवल भाषा ही नहीं, हमारी संस्कृति, भावनाओं व सामाजिक एकता से जुड़ी हुई है। विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का सम्मान करते हुए दैनिक जीवन में इसके अधिक से अधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ शिक्षिका संध्या पाठक व कुमारी रेखा ने हिंदी के महत्व, उपयोगिता व हमारी संस्कृति में उसके योगदान को विस्तार पूर्वक बताया। जबकि अन्नू कुमारी ने विद्यार्थियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हिंदी भाषा के प्रति सम्मान और प्रेम बनाए रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में छात्रा सिद्धि कुमारी, अदीफा हैदर, शिवांगी झा व अमूल वारा ने भी हिंदी दिवस के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की आकर्षक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक व प्रेरणादायक बना दिया। कार्यक्रम का संचालन संध्या पाठक ने की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के संरक्षण, सम्मान एवं दैनिक जीवन में अधिकाधिक प्रयोग का संदेश दिया गया।

इसरी बाजार में अनियंत्रित ट्रक पलटा, खड़ी कार क्षतिग्रस्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी। निमियाघाट थाना क्षेत्र के इसरी बाजार स्थित पुराना जीटी रोड पर सोमवार को कावेरी होटल के समीप एक बड़ा हादसा टल गया। झाड़ू लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद सड़क पर पलट गया। ट्रक की चपेट में आने से सड़क किनारे खड़ी एक हुंडई कार क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं टक्कर से बिजली का खंभा टूटकर सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। बताया जाता है कि ट्रक धनबाद की ओर से रेलवे क्रॉसिंग पार कर पुराना जीटी रोड होते हुए इसरी बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान कावेरी होटल के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया। हादसे के बाद चालक और सहचालक मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर निमियाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर थाना ले गई।

विश्व हिंदू परिषद का 62 वां स्थापना दिवस मना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस कुजू में मनाया गया। इसमें बतौर मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि देश- विदेश में रह रहे हिंदुओं को संगठित करने, सनातन धर्म, संस्कृति का संवर्धन एवं राष्ट्र की रक्षा करने के उद्देश्य से श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन 1964 में विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर की प्रेरणा से संघ के प्रचारक बाबा साहब आप्टे, स्वामी चिन्मयानंद, जैन मुनि सुशील जी महाराज, मास्टर तारा सिंह, केएम मुनसी, राष्ट्रसंत तुकडो जी महाराज, हनुमान पोद्दार सहित समाज के विभिन्न वर्गों के विशिष्ट व्यक्ति एवं संतों की उपस्थिति में मुंबई के पवई स्थित सांदीपनि साधनालय में इसे अंतिम रूप दिया गया। हिंदूओं का संगठन, गोरक्षा,मठ मंदिरों की सुरक्षा, कन्या रक्षा, लव जिहाद का विरोध ,अवैध मतांतरण को रोकने तथा अनेक प्रकार के सेवा कार्य, युवाओं में स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का जागरण, जात-पात मिटाकर समाज में समरसता लाने का कार्य विहिप द्वारा किया जा रहा है। श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में विश्व हिंदू परिषद ने अग्रणी भूमिका निभाई। विश्व हिंदू परिषद का कार्य भारत के अतिरिक्त विश्व के कई अन्य देशों में भी चल रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आकाश सिंह ने की। मौके पर रामगढ़ जिला सह मंत्री भागीरथ पोद्दार,जिला मंत्री छोटू वर्मा, जिला संघ खंड कारवाह अभिषेक पासवान, शुभम, संदीप, छोटेलाल, सुनील मेहता, गोलू, आदित्य, नमन सिंह,हर्ष राज सिंह, श्याम केशरी, सोनू केशरी, अश्विन कुमार, हर्ष राज सिन्हा,संजय करमाली, सागर करमाली सहित बड़ी संख्या में विहिप सदस्य मौजूद थे।

कुजू के सुहागिन महिलाओ ने रखाअपने-अपने पति की दीर्घायु की तीज व्रत हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू (रामगढ़): सुहागिन महिलाओं ने अपने पति के दीर्घायु के लिए किया हरतालिका तीज व्रत जिसमे निर्जला उपवास रख कर 14 सितम्बर सोमवार 2026 को उदया तिथि के अनुसार श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। इस व्रत में भगवान शिव एवं माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की गयी कुजू के आचार्यों एवं ब्रामानो ने बाताया कि हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष, की तृतीया तिथि रखा जाताधार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वति ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। माता पार्वती की इसी तपस्था और भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त की थी। उनके विवाह की इसी स्मृति मे हरतालिक तीज का महापर्व सुहागिन महिलाओं ने मनाया। कुजू के महिलाओं ने कि पति की दिर्घायु, अखण्ड सौभाग्यवती, सुखी दाम्पत्य जीवन बताया एवं परिवार की सुख-शांति की कामना से यह व्रत रखी हुँ। पाण्डितो एवं आचार्यों के अनुसार व्रत के प्रातः स्नान कर संकल्प ले कर भगवान गणेश माता पार्वतीएवं भगवान भोलेनाथ को दीप नैवेद एवं विभिन्न प्रकार की पूजा श्रृंगार समाग्री, फल-फूल अर्पित की गई। सभी महिलायें नदी से मिट्टी लाकर भगवान शिव की शिवलिंग एव माता पार्वती की प्रतिमा बनाई जाती है। यह केवल उपवास और पूजा का पर्व नहीं बल्कि भगवान शिव एवं माता पार्वती के अकुट प्रेम एवं तपस्या एवं आदर्श जीवन का प्रतिक माना जाता है। इस अवसर पर सभी मंदिरों एवं घरों में पूजा की गुंज नजर आई। सभी महिलायें सुबह से ही पूजा-पाठ में जुट गई। तत्पश्चात सभी महिलाओं नेगीत गायन कर के रात्रि जागरण किया और सुबह होते ही सभी महिलाओ नदी या तालाब मे जाकर प्रतिमा को विसर्जित कर दिया। इसके बाद सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की।

शियालगोड़ा के आदिवासियों ने खुद बनाया 3 किमी सड़क, चुनाव में बैरिकेटिंग की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : चांडिल अनुमंडल के नीमडीह प्रखंड अंतर्गत बाड़ेदा पंचायत के शियालगोड़ा, काशीडीह, रापकाड़ा, भूषणडीह टोला में करीब 200 आदिवासी परिवार आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। पुरुलिया-जमशेदपुर जिला के सीमावर्ती क्षेत्र पड़ता हे ।दोनों जिला को जोड़ने वाले सांसागडीह होते शियालगोड़ा तक जाने वाली मुख्य सड़क आजादी से अब तक कच्ची है। नाराज ग्रामीणों ने सोमवार को निजी स्तर पर श्रमदान कर 3 किमी सड़क का निर्माण किया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि आगामी चुनाव में हर गांव में बैरिकेटिंग कर सांसद, विधायक और अधिकारियों को घुसने नहीं देंगे और वोट मांगने से रोकेंगे। क्षेत्र में संथाल, भूमिज, मुंडा समुदाय के लोग कृषि और दलमा जंगल पर निर्भर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि झारखंड अलग हुए 26 वर्ष हो गए, लेकिन पक्की सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिली। बाड़ेदा स्वास्थ्य केंद्र 3-4 किमी दूर है, कीचड़ भरे रास्ते में एम्बुलेंस नहीं पहुंचती। बरसात में हाथी, भालू, सांप-बिच्छू का खतरा रहता है। ईचागढ़ विधायक सविता महतो को लिखित शिकायत देने के बाद भी कोई पहल नहीं हुई। सोमवार को मुखिया वरुण कुमार सिंह सरदार के नेतृत्व में 200 से अधिक ग्रामीण कुदाल, गैंता लेकर सड़क निर्माण में जुटे। ट्रैक्टर से 10 हजार CFT मुरुम लाकर सड़क को चलने लायक बनाया गया। इस दौरान बलराम मंडी, श्याम प्रसाद हांसदा, जीतू बेसरा, राजू सोरेन सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। सहिया शांतिमय मार्डी ने कहा "मैं सहिया का काम करती हूं, बोल-बोलकर थक गई, फिर भी रोड नहीं बना। समय पर एम्बुलेंस नहीं आती, महिलाओं का प्रसव घर में ही हो जाता है। विधायक और मुख्यमंत्री दोनों आदिवासी हैं, फिर भी हमारी कोई नहीं सुनता।" राजू सोरेन ने कहा"आजादी की लड़ाई आदिवासियों ने लड़ी, लेकिन हमें सच्ची आजादी नहीं मिली। न रास्ता, न पानी, न बिजली। मरीज को 3 किमी कंधे पर ढोना पड़ता है। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते।" ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क साधु महतो के कार्यकाल में 3 किमी तक शिलान्यास हुई थी, उसके बाद से कोई काम नहीं हुआ। पेपर में रोज शिलान्यास की खबर आती है, पर धरातल पर कुछ नहीं दिखता।

एचईसी प्रबंधन हर माह कर्मचारियों की बैंक किस्त करे जमा : लालदेव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

हटिया कामगार यूनियन एटक के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने एचईसी प्रबंधन से कर्मचारियों के बैंक ऋण की किस्त हर माह नियमित रूप से जमा करने की मांग की है। उन्होंने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कर्मचारियों को वेतन मिले या नहीं। एचईसी प्रबंधन हर माह बैंक की किस्त जमा करे, ताकि विलंब शुल्क और अतिरिक्त ब्याज का बोझ न बढ़े। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं होने पर मानवाधिकार संस्थाओं से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी। लालदेव सिंह ने कहा कि एचईसी प्रबंधन और बैंकों के बीच हुए समझौते के अनुसार कर्मचारियों के वेतन से बैंक ऋण की किस्त काटकर बैंक में जमा की जानी है। एचईसी कर्मचारियों का लगभग 34 माह का वेतन बकाया चल रहा है। वेतन नहीं मिलने के बावजूद बैंक ऋण की किस्त नियमित रूप से जमा नहीं हो रहा है। इससे बड़ी संख्या में कर्मचारियों पर किस्त के साथ ब्याज और विलंब शुल्क का बोझ बढ़ता जा रहा है। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है और कई परिवार भुखमरी जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने हाल में आर्थिक संकट के कारण एक परिवार द्वारा आत्महत्या के प्रयास का भी उल्लेख किया।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत बिगड़ी, सदर अस्पताल में भर्ती

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ लंबे समय से आंदोलन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की सोमवार को तबीयत बिगड़ गई। उन्हें रांची के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। बताया गया कि देवेंद्र नाथ महतो को तेज बुखार, लगातार दस्त, उल्टी और पूरे शरीर में दर्द की शिकायत है। चिकित्सकों ने आवश्यक जांच शुरू कर दी है और उपचार किया जा रहा है। देवेंद्र नाथ महतो ने जेपीएससी-जेएसएससी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ राज्यव्यापी अनशन, धरना-प्रदर्शन और 24 जिलों की भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा में हिस्सा लिया है। उनके अस्पताल में भर्ती होने की सूचना के बाद समर्थकों और शुभचिंतकों में चिंता का माहौल है। महतो ने अपने साथियों, छात्रों, अभ्यर्थियों, अभिभावकों और शुभचिंतकों से उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता नहीं करने की अपील की है। उन्होंने शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सभी से आशीर्वाद बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं के अधिकार, निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था तथा झारखंड के भविष्य के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा।

कलश यात्रा के साथ गणेश पूजा महोत्सव का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। श्री सिद्धिविनायक गणेश पूजा ट्रस्ट के तत्वावधान में पेटरवार प्रखंड के गुरुजुवा में आयोजित पांच दिवसीय गणेश पूजा महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि भगवान गणेश की पूजा से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और सुख-शांति का संचार होता है। ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को मजबूत करने के साथ समाज के लोगों को एकजुट करने का कार्य करते हैं। कलश यात्रा गुरुजुवा से निकलकर ठाकुर मोहल्ला, पटवा टोला, छत्रु राम महतो चौक, न्यू बस स्टैंड, बाजारटांड़ एवं मठ टोला होते हुए राजा तालाब पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ कलश में जल भरा। इसके बाद खत्री टोला होते हुए कलश यात्रा पुनः गुरुजुवा स्थित मंदिर परिसर पहुंची। मंदिर परिसर पहुंचने के बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश की आराधना की गई। कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में नजर आया। पूजा महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, मंगलवार, 15 सितंबर, 2026

ब्रिक्स में भारत की आवाज अब सिर्फ आवाज नहीं, दिशा है

दुनिया बदल रही है। एक समय था जब वैश्विक फैसले कुछ बड़े पश्चिमी देशों के इर्द-गिर्द घूमते थे। आर्थिक संकट हो, युद्ध हो, व्यापार हो या विकासशील देशों की जरूरतें-फैसले वही करते थे और बाकी दुनिया उनसे प्रभावित होती थी। लेकिन अब तस्वीर धीरे-धीरे बदल रही है। ब्रिक्स जैसे मंच इसी बदलाव की कहानी कह रहे हैं और इस बदलाव में भारत की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती जा रही है।

दिल्ली में हुआ ब्रिक्स सम्मेलन इस लिहाज से केवल एक अंतरराष्ट्रीय बैठक नहीं था। इसकी असली अहमियत इस बात में है कि भारत ने अलग-अलग हितों वाले देशों को एक साझा मंच पर साथ बैठाकर सहमति की भाषा में बात आगे बढ़ाई। यह काम आसान नहीं था। ब्रिक्स में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद है, रूस और पश्चिम के बीच गंभीर टकराव है और पश्चिम एशिया के सवाल पर सदस्य देशों के अपने-अपने हित हैं। इसके बावजूद साझा घोषणापत्र पर सहमति बनना बताता है कि भारत की कूटनीति केवल भाषण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह कठिन परिस्थितियों में रास्ता निकालने की क्षमता रखती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी मंच में बदलने की कोशिश नहीं की। यही भारत की ताकत है। भारत अमेरिका और यूरोप के साथ भी संबंध रखता है और रूस के साथ भी। चीन के साथ गंभीर मतभेद हैं, फिर भी बातचीत का रास्ता बंद नहीं करता। यही संतुलन आज भारत को दूसरे देशों से अलग बनाता है। भारत की विदेश नीति अब किसी एक खेमे के साथ खड़े होने की नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हित के अनुसार हर जरूरी दरवाजा खुला रखने की नीति है।

आतंकवाद के सवाल पर भी भारत की सोच साफ है। दुनिया के किसी हिस्से में आतंकवाद हो और उसके पीछे किसी भी तरह की ताकत हो, उसे केवल राजनीतिक सुविधा के हिसाब से परिभाषित नहीं किया जा सकता। आतंकवाद आतंकवाद है। उसकी फंडिंग रोकना और उसके नेटवर्क को खत्म करना पूरी दुनिया की जिम्मेदारी है। ब्रिक्स के साझा दस्तावेज में इस विषय पर मजबूत भाषा का आना भारत के लगातार प्रयासों की सफलता माना जाना चाहिए।

आर्थिक मोर्चे पर भी यह सम्मेलन भारत के लिए महत्वपूर्ण है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, सीमा पार भुगतान को आसान बनाने और डॉलर पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता कम करने की चर्चा सिर्फ मुद्रा का सवाल नहीं है। यह आर्थिक स्वतंत्रता और जोखिम कम करने का सवाल है। भारत को इसमें सावधानी के साथ आगे बढ़ना होगा। डॉलर का विकल्प रातोंरात नहीं बन सकता, लेकिन भुगतान व्यवस्था में विविधता लाना निश्चित रूप से भारत और दूसरे विकासशील देशों के हित में है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उसका डिजिटल सार्वजनिक ढांचा भी है। यूपीआई जैसे मॉडल ने यह दिखाया है कि तकनीक केवल बड़े कॉरपोरेट के लिए नहीं, बल्कि आम आदमी के जीवन को आसान बनाने का माध्यम भी बन सकती है। यदि भारत अपने डिजिटल अनुभव को ब्रिक्स और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा करता है, तो यह भारत के लिए बाजार से कहीं बड़ा अवसर होगा। इससे भारत तकनीक का केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि समाधान देने वाला देश बन सकता है।

लेकिन यहां भारत को एक बात नहीं भूलनी चाहिए। ब्रिक्स की अपनी सीमाएं हैं। भारत और चीन के बीच अविश्वास अभी खत्म नहीं हुआ है। सीमा पर शांति और सामान्य संबंधों की जरूरत जितनी चीन को है, उतनी ही भारत को भी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारत अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से समझौता करे। बातचीत और सतर्कता दोनों साथ चलनी चाहिए।

ब्रिक्स की सफलता का असली पैमाना घोषणापत्र नहीं, उसका जमीन पर उतरना होगा। व्यापार की बाधाएं कम होती हैं या नहीं, स्थानीय मुद्राओं में कारोबार कितना बढ़ता है, निवेश कितना आता है, तकनीकी सहयोग कितना आगे जाता है और विकासशील देशों की आवाज वैश्विक संस्थाओं में कितनी मजबूत होती है.. इन सवालों के जवाब आने वाले समय में मिलेंगे।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है कि वह इस बदलती दुनिया में केवल एक बड़ा बाजार बनकर न रह जाए। उसे नियम बनाने वाली ताकत बनना होगा। संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग तभी प्रभावी होगी, जब भारत अपनी आर्थिक ताकत, तकनीकी क्षमता और कूटनीतिक विश्वसनीयता को लगातार मजबूत करता रहे।

आज भारत के सामने मौका है कि वह दुनिया को दो खेमों में बांटने के बजाय संवाद का तीसरा रास्ता मजबूत करे। न आंख बंद करके पश्चिम के साथ, न केवल पश्चिम के विरोध में। भारत का रास्ता अपने हित, अपनी क्षमता और विश्व के व्यापक हित के साथ आगे बढ़ने का होना चाहिए। ब्रिक्स में भारत की असली सफलता यही होगी कि उसकी आवाज केवल सुनी न जाए, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय करने में उसका वजन लगातार बढ़ता जाए।

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी

प्रह्लाद सबनानी

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दर्शाता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़ दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सांतवा, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है।

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। AAA - यह प्राइम क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेश की दृष्टि से इन्वेस्टमेंट ग्रेड का है। AA - क्रेडिट रेटिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है। A - क्रेडिट रेटिंग अपर मीडीयम ग्रेड की मानी जाती है। BBB - क्रेडिट रेटिंग लोअर मीडीयम ग्रेड को दर्शाती है। BB - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। B - क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलटिव श्रेणी में आती है एवं C - क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग BBB+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधरकर A- कर दिया गया है। पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो BBB- के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे BBB के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को Baa3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त एजेन्सीयां भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को उचित तरीके से नहीं दर्शाती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक संकेतक बहुत मजबूत बने हुए हैं।

हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रीज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्टील, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में भारत आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिप निर्माण में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है। साथ ही, 3 विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन भी प्रारम्भ हो गया है। जेफ्रीज ने इस रिपोर्ट को नाम दिया है "इंडिया न्यू इंडस्ट्रीयल रेवोल्यूशन"।

दूसरी रिपोर्ट आई है बैंक ओफ अमेरिका से, जो कहती है कि भारत में बहुत कुछ बदल रहा है। पिछले 24 माह में भारत में 18 सुधार कार्यक्रम लागू हुए हैं। वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में 5 के स्थान पर मुख्यतः अब 2 दरें लागू कर दी गई हैं एवं इसे बहुत सरल बना दिया गया है। 12 लाख रुपए की कमाई तक, आय कर शून्य कर दिया गया है। नए लेबर कोड्ज भी लागू कर दिए गए हैं एवं सोशल सिक्यरिटी का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। तीसरी रिपोर्ट आई है (BERNSTEIN) बॉर्नस्टीन नामक संस्थान से, जो कहती है कि भारत के विकास में कुछ हिस्सा सरकारी सहयोग से आ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में अपने पूंजीगत खर्चों में भारी वृद्धि की है। जून 2026 तिमाही में भारत की 200 सबसे बड़ी कम्पनियों की आय 12 प्रतिशत बढ़ी है। वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी करने से नागरिकों की जेब में करीब 20,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि पहुंची है। भारत के गांवों में कमजोर मानसून के बावजूद उत्पादों की मांग मजबूत बनी हुई है।

चौथी रिपोर्ट आई है मोर्गन सटेनली नामक संस्थान से, इसके अनुसार, पिछले वर्ष विश्व के 24 स्टॉक मार्केट में से भारत का मार्केट, रिटर्न देने के मामले में 23वें स्थान पर रहा है। यह कड़वा सच है। परंतु, ऊपर जाने के रास्ता लम्बा है पर यहीं से निकलता है। अभी भारत का सेन्सेक्स 76000 के आसपास हैं, जो जून 27 तक बढ़कर परिस्थिति अनुसार, 89000 अथवा 100000 के स्तर तक पहुंच सकता है। भारतीय कम्पनियों के शेयर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुछ सस्ते हो गए है। चूंकि भारतीय स्टॉक मार्केट ने पिछले वर्ष अच्छे रिटर्न नहीं दिए हैं अतः मार्केट इस वर्ष इस गलती को सुधारने को तैयार हो रहा है। भारत में निवेश, नागरिकों की बचत से आ रहा है, प्रति माह करोड़ों नागरिक SIP के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए का निवेश देश के पूंजी बाजार में कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार में आज देशी निवेशकों का निवेश विदेशी निवेशकों के निवेश की तुलना में अधिक हो गया है। जब विदेशी निवेशक वापिस भारतीय शेयर बाजार में लौटेंगे तो उन्हें आज की तुलना में महंगे शेयर खरीदने होंगे। अर्थात, भारतीय शेयर बाजार गिरा जरूर है, परंतु इसीलिए आगे का रास्ता लम्बा हो सकता है लेकिन जाना उसे ऊपर की ओर ही है।

वैश्विक स्तर की उक्त चार बैंकिंग संस्थानों की रिपोर्ट स्पष्ट कहती हैं कि भारत विकास के राह पर बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है एवं भारत के आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधार कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। अब पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भी भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में सुधार किया जाएगा, ऐसी आशा की जानी चाहिए।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दूसरों की गलतियों से सीखो, अपने ही ऊपर प्रयोग करके सीखने के लिए तुम्हारी आयु बहुत कम है।
-चाणक्य

अपरिक्षित जीवन जीने योग्य नहीं है।
-सुकरात

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः भाद्रपद मास महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का प्रारंभः 14 सितंबर 2026 को शाम 07:11 बजे से चतुर्थी तिथि की समाप्तिः 15 सितंबर 2026 को शाम 06:14 बजे तक, चूँकि चतुर्थी तिथि का सूर्योदय 15 सितंबर को हो रहा है और यह दोपहर (मध्याह्न काल) के समय विद्यमान रहेगी।

आज जन्म लिए बालक का फल...

बच्चे की राशि मुख्य रूप से तुला या वृश्चिक होगी (यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शिशु का जन्म दिन के किस पहर में हुआ है)। नामकरण संस्कार और चंद्र नक्षत्र जानने के लिए किसी योग्य ज्योतिषी से सटीक जन्म-समय के साथ संपर्क करें।

मेषः कारोबार में नयापन लाभ देगा और प्रमोशन के योग हैं।

वृषः रोज़गार के अच्छे अवसर मिलेंगे, घर में पार्टी का माहौल रहेगा।

मिथुनः पारिवारिक ज़रूरतें पूरी होंगी, बड़ी कंपनी से जॉब ऑफर मिल सकता है।

कर्कः बिज़नेस में एक्सपर्ट सलाह फायदेमंद रहेगी, इलेक्ट्रीशियन कारोबारियों को लाभ होगा।

सिंहः कोर्स के लिए शिक्षक की सलाह लें, नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी।

कन्याः जरूरी काम पहले निपटाएं, कार्यक्षेत्र में नए लोगों से मुलाकात होगी।

तुलाः सुख-समृद्धि बढ़ेगी और धार्मिक स्थल पर जाने का योग है।

वृश्चिकः काम समय पर पूरे होंगे, सेल्स और मनोबल में बढ़ोतरी होगी।

धनुः योजनाएं सफल होंगी, जीवनसाथी संग बच्चों के भविष्य पर चर्चा होगी।

मकरः ऑफिस शिफ्टिंग का मन बनेगा, जल्दबाज़ी में निर्णय न लें।

कुम्भः रोज़गार में बेहतरीन अवसर मिलेंगे, राजनीति में जिम्मेदारी बढ़ेगी।

मीनः कार्यस्थल पर माहौल अच्छा रहेगा, समझदारी से आय के नए मार्ग खुलेंगे।

एक बातचीत किसी की जिंदगी बचा सकती है

कांतिलाल मांडोत

युवाओं की खामोशी को समझना होगा तनाव और अवसाद के बीच साथ का हाथ सबसे बड़ी मदद

आज का युवा सपनों, महत्वाकांक्षाओं और नई संभावनाओं से भरी दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन इसी दौड़ में उसके सामने मानसिक दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की चिंता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर को लेकर असमंजस, नौकरी की अनिश्चितता, परिवार की अपेक्षाएं, मित्रों और रिश्तों से जुड़ी परेशानियां तथा सामाजिक तुलना कई बार मन पर ऐसा बोझ डाल देती हैं, जिसे युवा अकेले संभाल नहीं पाता। बाहर से सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर किसी बड़े संघर्ष से गुजर रहा हो सकता है। इसलिए मानसिक परेशानी को कमजोरी समझने के बजाय उसे समय रहते पहचानना और संवेदनशीलता के साथ सुनना आज की बड़ी जरूरत है। किसी व्यक्ति के जीवन में संकट अचानक दिखाई दे सकता है, लेकिन उसके पीछे चल रहा मानसिक संघर्ष अक्सर लंबे समय से जमा होता रहता है। परेशानी तब और बढ़ जाती है जब व्यक्ति अपनी बात किसी से कह नहीं पाता। उसे लगता है कि परिवार उसकी स्थिति नहीं समझेगा, मित्र उसका मजाक बनाएंगे या समाज उसे कमजोर मान लेगा। यही सोच उसे धीरे-धीरे लोगों से दूर कर सकती है। इसलिए परिवार और समाज की जिम्मेदारी केवल यह पूछने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि पढ़ाई कैसी चल रही है या नौकरी की तैयारी कितनी हुई। यह भी पूछना जरूरी है कि मन कैसा है, क्या कोई परेशानी है और क्या वह किसी बात को लेकर लगातार तनाव में है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुभव बताते हैं कि आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति के पीछे सामान्यतः कोई एक कारण नहीं होता। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां एक साथ मिलकर मानसिक दबाव को बढ़ा देती हैं। परीक्षा में असफलता किसी विद्यार्थी के लिए बहुत बड़ी घटना हो सकती है, वहीं किसी दूसरे युवा के लिए रिश्ते में आई परेशानी, आर्थिक संकट या भविष्य को लेकर अनिश्चितता अधिक भारी पड़ सकती है। बुलिंग, रैगिंग, पारिवारिक विवाद, अकेलापन और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करना भी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। जब इन परिस्थितियों के बीच व्यक्ति को भावनात्मक सहारा नहीं मिलता तो उसकी परेशानी गंभीर रूप ले सकती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक परेशानी हमेशा शब्दों में सामने नहीं आती। कई युवा सीधे यह नहीं कहते कि वे तनाव में हैं या उन्हें मदद चाहिए। उनके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे सकता है। जो व्यक्ति पहले परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करता था, वह अचानक चुप रहने लगे, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगे या अपनी पसंदीदा चीजों में रुचि खो दे तो इसे सामान्य बदलाव मानकर छोड़ देना ठीक नहीं है। नींद और भोजन की आदतों में बदलाव, लगातार चिड़चिड़ापन, निराशा, पढ़ाई या काम में ध्यान न लगना और स्वयं को दूसरों के लिए परेशानी मानने जैसी बातें भी संकेत हो सकती हैं कि व्यक्ति को भावनात्मक सहयोग की जरूरत है।

ऐसे समय में सबसे पहला कदम सलाह देना नहीं, बल्कि सुनना होना चाहिए। कई बार हम किसी परेशान व्यक्ति की बात पूरी होने से पहले ही उसे समझाने लगते हैं। उसे कहा जाता है कि यह तो छोटी बात है, सब ठीक हो जाएगा या दूसरे लोगों की स्थिति तुमसे भी खराब है। इस तरह की बातें समस्या को कम नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति को यह महसूस करा सकती हैं कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसके बजाय शांत होकर उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को समझने का प्रयास करना और यह भरोसा दिलाना कि वह अकेला नहीं है, बहुत बड़ा सहारा बन सकता है। युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परिवार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल परिणाम और उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों की भावनात्मक स्थिति को भी समझना होगा। हर परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं है और हर असफलता भविष्य का अंत नहीं होती। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि वे अपनी परेशानी खुलकर बता सकते हैं और किसी गलती या असफलता के कारण उनका महत्व कम नहीं होता। परिवार में ऐसा वातावरण बने जहां संवाद के लिए डर नहीं, विश्वास हो। विद्यालय और महाविद्यालय भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विद्यार्थियों पर पढ़ाई का दबाव बढ़ाने के साथ उनकी मानसिक स्थिति पर ध्यान देना भी जरूरी है। शिक्षकों को विद्यार्थियों के व्यवहार में असामान्य बदलाव दिखाई दे तो परिवार से संवाद करना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सहायता से परामर्श व्यवस्था मजबूत की जा सकती है। किसी विद्यार्थी को लगातार तनाव में देखकर केवल अनुशासन का विषय मान लेना समस्या का समाधान नहीं है। कई बार उसके पीछे ऐसी भावनात्मक परेशानी हो सकती है, जिसे समझने के लिए संवेदनशील बातचीत की जरूरत होती है।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में मौजूद झिझक भी दूर करनी होगी। शरीर बीमार होने पर डॉक्टर के पास जाना सामान्य माना जाता है, लेकिन मन परेशान होने पर विशेषज्ञ से मिलने में आज भी कई लोग संकोच करते हैं। यह सोच बदलनी जरूरी है। मनोचिकित्सक या परामर्शदाता से बात करना कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि समस्या को समझकर उसका समाधान तलाशने की जिम्मेदार कोशिश है। समय पर विशेषज्ञ की सहायता मिलने से तनाव, अवसाद और अन्य मानसिक परेशानियों को समझने तथा संभालने में मदद मिल सकती है। मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाओं की भूमिका भी इसी कारण महत्वपूर्ण हो जाती है। टेली मानस जैसी सेवाएं उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती हैं जो आमने-सामने अपनी परेशानी बताने में झिझकते हैं। ऐसे माध्यमों पर प्रशिक्षित परामर्शदाता व्यक्ति की बात सुनकर उसकी स्थिति को समझने और आवश्यकता के अनुसार आगे की सहायता से जोड़ने का प्रयास करते हैं। गंभीर संकट की स्थिति में परिवार और संबंधित सहायता तंत्र को साथ लेकर तत्काल मदद उपलब्ध कराना भी जरूरी हो सकता है। हमें यह समझना होगा कि किसी परेशान युवा को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि मजबूत बनो। मजबूत बनने का रास्ता कई बार किसी का हाथ थामने, उसकी बात सुनने और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ तक पहुंचाने से बनता है। एक अभिभावक की संवेदनशील बातचीत, शिक्षक की चिंता, मित्र का साथ या किसी विशेषज्ञ की समय पर सलाह किसी व्यक्ति को कठिन दौर से बाहर आने की दिशा दे सकती है।

आज युवाओं के सामने प्रतिस्पर्धा पहले से कहीं अधिक है, लेकिन उन्हें यह भी समझाना होगा कि जीवन किसी एक परीक्षा, एक परिणाम, एक नौकरी या एक रिश्ते से बड़ा है। असफलता के बाद फिर कोशिश की जा सकती है, रास्ता बदला जा सकता है और नई शुरुआत की जा सकती है। जरूरी यह है कि कठिन समय में व्यक्ति खुद को अकेला न समझे। इसलिए अपने आसपास के युवाओं को केवल उनके अंकों, नौकरी, सफलता या असफलता से न आंकें। कभी उनके साथ बैठकर बिना किसी निर्णय के उनकी बात सुनें। उनके व्यवहार में लगातार बदलाव दिखाई दे तो उसे नजरअंदाज न करें। जरूरत महसूस हो तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करें। संकट की घड़ी में समय पर मिली मदद बेहद महत्वपूर्ण होती है। किसी की जिंदगी बचाने के लिए हमेशा कोई बड़ा अभियान जरूरी नहीं होता। कई बार शुरुआत केवल एक सवाल से होती है—"तुम ठीक तो हो, मन में कुछ चल रहा है तो मुझसे कह सकते हो।" यह छोटा-सा सवाल किसी बंद दरवाजे पर दस्तक बन सकता है। इसलिए युवाओं की खामोशी को सुनना सीखिए, उनकी परेशानी को समझिए और जरूरत के समय उनका साथ दीजिए। हो सकता है आपकी एक बातचीत किसी के जीवन में उम्मीद की नई रोशनी बन जाए।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विश्व में हिन्दी का बढ़ता प्रभाव

डॉ. वन्दना सेन

वर्तमान में हिन्दी भारत की सीमाओं से बाहर निकलकर विश्व के कई देशों में अपना परचम स्थापित कर रही है। यह हिंदी के अंतर्राष्ट्रीय होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आज भारतीय मूल के व्यक्ति हिंदी के विस्तार में अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। इतना ही नहीं अमेरिका, चीन सहित विश्व के लगभग 11 देशों में हिन्दी के समाचार पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि हिंदी भारतीय संस्कृति, संवेदना और आत्मीयता का वैश्विक स्वर बनती जा रही है। यह भाषा भारत की मिट्टी से जन्म लेकर आज विश्व के अनेक देशों में संवाद, साहित्य, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक जुड़ाव का माध्यम बन रही है। हिन्दी की यह यात्रा केवल शब्दों के विस्तार की यात्रा नहीं है, यह भारत की उस सांस्कृतिक चेतना का विस्तार है, जिसने सदियों से सम्पूर्ण विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश दिया है। हिन्दी की शक्ति उसके विशाल शब्द भंडार और उसकी आत्मीयता में भी है। यह भाषा सहजता से लोगों को जोड़ती है। भारत से बाहर बसे भारतीय समुदायों ने हिन्दी को अपनी जड़ों से जोड़े रखने का महत्वपूर्ण माध्यम बनाया है। मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना तथा दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में भारतीय मूल के लोगों ने हिन्दी के सांस्कृतिक प्रकाश को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया है। मॉरीशस हिन्दी की वैश्विक यात्रा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। वहाँ हिन्दी का अध्ययन विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में होता है। साहित्यिक गतिविधियों, सांस्कृतिक आयोजनों और भारतीय परंपराओं से जुड़े कार्यक्रमों में हिन्दी का विशेष स्थान दिखाई देता है। मॉरीशस में हिन्दी का विस्तार यह प्रमाणित करता है कि भाषा भौगोलिक सीमाओं से बाहर निकलकर भावनाओं और संस्कारों की जीवंत धारा है। फिजी में हिन्दी का एक विशिष्ट रूप 'फिजियन हिन्दी' के रूप में विकसित हुआ है। भारतीय मूल के लोगों के बीच यह संवाद और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम बनी। यह हिन्दी की उस विशेष क्षमता को दर्शाती है, जिसमें वह अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में पहुँचकर स्थानीय परिवेश के साथ संवाद करते हुए अपना नया स्वरूप ग्रहण कर सकती है। सूरीनाम, गुयाना तथा त्रिनिदाद और टोबैगो में भी भारतीय मूल के समुदायों ने हिन्दी को धार्मिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक परंपराओं के साथ जोड़े रखा। इन देशों में हिन्दी का महत्व भारतीय विरासत की स्मृति के रूप में भी है।

माधुरी की घरवापसीः 14 महीने के संघर्ष के बाद जीवदया की जीत

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

- पर्युषण महापर्व के पांचवें दिन हुई वापसी ने दिया अहिंसा और करुणा का जीवंत संदेश

जैन समाज के लिए अहिंसा केवल धर्मग्रंथों में वर्णित सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति करुणा और संरक्षण का जीवन-संकल्प है। कोल्हापुर के नांदणी स्थित जैन मठ से जुड़ी हथिनी 'माधुरी' (महादेवी) की 14 महीने बाद हुई घरवापसी ने इसी भावना को एक बार फिर जीवंत कर दिया। विशेष बात यह रही कि माधुरी की वापसी पर्युषण महापर्व के पांचवें दिन हुई, जिससे जैन समाज में इस क्षण का भावनात्मक और धार्मिक महत्व और बढ़ गया।

एक मूक प्राणी के लिए लंबे समय तक संघर्ष करना, उसकी सुरक्षा और कल्याण को लेकर आवाज उठाना, न्यायालय का दरवाजा खटखटाना और अंततः उसे उसके परिचित परिवेश में वापस लाना—यह घटनाक्रम केवल एक हथिनी की वापसी की कहानी नहीं है। यह जीवदया, मानवीय संवेदना और अहिंसा के प्रति सामाजिक प्रतिबद्धता का उदाहरण बनकर सामने आया है।

माधुरी को जामनगर स्थित वनतारा ले जाया गया था। इसके बाद उसकी वापसी को लेकर जैन समाज और स्थानीय लोगों की ओर से लगातार प्रयास किए गए। मामला न्यायालय तक पहुंचा और करीब 14 महीने तक चली कानूनी एवं सामाजिक प्रक्रिया के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर लाया गया।

इस पूरे संघर्ष की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि माधुरी स्वयं अपनी बात कहने में सक्षम नहीं थी। वह न अपनी पीड़ा शब्दों में व्यक्त कर सकती थी और न ही अपने पक्ष में न्यायालय के समक्ष खड़ी हो सकती थी। ऐसे में समाज ने उसकी ओर से आवाज उठाने की जिम्मेदारी निभाई। यह संघर्ष किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि एक मूक जीव की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर जीवन की चिंता को लेकर था।

पर्युषण के दौरान घरवापसी ने बढ़ाया भावनात्मक महत्वः जैन धर्म में पर्युषण आत्मशुद्धि, संयम, तप, क्षमा और जीवमात्र के प्रति करुणा का महापर्व माना जाता है। ऐसे समय में माधुरी की घरवापसी होना अपने आप में एक भावनात्मक संयोग बन गया। जिस पर्व में मनुष्य अपने भीतर की हिंसा, क्रोध, अहंकार और वैरभाव को त्यागने का संकल्प लेता है, उसी दौरान एक मूक जीव का अपने परिचित परिवेश में लौटना अहिंसा के उस संदेश को व्यवहारिक रूप में सामने रखता है। माधुरी की वापसी ने यह सवाल भी समाज के सामने रखा कि यदि हम जीवदया की बात करते हैं तो क्या उसे केवल धार्मिक आयोजनों और प्रवचनों तक सीमित रखा जा सकता है? या फिर किसी जीव के जीवन और सुरक्षा पर संकट आने पर उसके लिए खड़ा होना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है?

स्वागत में उमड़ा जनसमुदायः माधुरी के कोल्हापुर पहुंचने पर बड़ी संख्या में लोग उसके स्वागत के लिए उमड़े। लंबे इंतजार के बाद हुई इस वापसी ने लोगों को भावुक कर दिया। यह दृश्य इस बात का प्रमाण था कि मनुष्य और मूक प्राणियों के बीच संबंध केवल उपयोगिता का नहीं, बल्कि संवेदना, सह-अस्तित्व और करुणा का भी हो सकता है।

इस घटनाक्रम का एक उल्लेखनीय पहलू यह भी रहा कि माधुरी को जामनगर ले जाने वाली वनतारा की टीम ही न्यायिक प्रक्रिया के बाद उसे वापस कोल्हापुर लेकर आई। इससे यह स्पष्ट हुआ कि पूरे घटनाक्रम के अंतिम चरण में माधुरी की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण को केंद्र में रखा गया।

अहिंसा विचार नहीं, व्यवहार भी हैः जैन दर्शन में अहिंसा और जीवदया जीवन-मूल्यों की आधारशिला हैं। जैन परंपरा मनुष्य तक करुणा को सीमित नहीं रखती, बल्कि छोटे से छोटे जीव के प्रति भी संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना विकसित करती है। माधुरी के लिए चला 14 महीने का संघर्ष इसी विचार को व्यवहार में बदलने की मिसाल है। इसने यह संदेश दिया कि जीवदया केवल मंदिरों, धार्मिक सभाओं और प्रवचनों में कही जाने वाली बात नहीं है। जब किसी मूक प्राणी के जीवन, सुरक्षा अथवा सम्मान का प्रश्न सामने आए, तब उसके लिए आवाज उठाना भी धर्म और मानवीय कर्तव्य का हिस्सा है। माधुरी की कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने समाज को एक मौन प्रश्न दिया है—जिन जीवों के पास अपनी पीड़ा बताने के लिए शब्द नहीं हैं, क्या उनकी आवाज बनना हमारी जिम्मेदारी नहीं है? इस प्रश्न का उत्तर कोल्हापुर के लोगों और जैन समाज ने अपने संघर्ष से दिया।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफः राजीव रंजन। बिहार प्रभारीः संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में हाईवे पर 32 किलो गांजा मिला, 2 तस्कर गिरफ्तार, पूरे नेटवर्क की जांच

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 32 किलो गांजा बरामद किया है। भगवानपुर थाना पुलिस ने हाजीपुर-मुजफ्फरपुर NH-22 पर भगवानपुर अड्डा के पास छापेमारी कर गांजे की खेप पकड़ी। मौके से दो गांजा तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई SSP शुभांक मिश्रा की क्राइम मीटिंग के दो दिन बाद हुई। पुलिस को गांजा तस्करी की जानकारी मिली थी। SSP के निर्देश पर भगवानपुर थाना की टीम बनाई गई और मौके की घेराबंदी की गई। इसके बाद पुलिस ने गांजे की खेप के साथ दोनों तस्करों को पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्करों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे वैशाली में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की भी जांच कर रही है। सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई है। नशे के कारोबार को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कर उनके नेटवर्क की जांच की जा रही है।

सोनपुर रेल मंडल में हिंदी में काम करने का संकल्प, 14-28 सितंबर तक पखवाड़ा

हाजीपुर। सोमवार को सोनपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में हिंदी राजभाषा पखवाड़ा-2026 के तहत राजभाषा संकल्प दिवस मनाया गया। मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों ने राजभाषा का संकल्प लिया। सभी ने कार्यालय के कामों में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने और देश की भाषायी एकता को मजबूत बनाए रखने का प्रण लिया। संकल्प के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान के आदर्शों के अनुसार भारत की भाषायी एकता को मजबूत बनाए रखने का वचन दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत की भाषायी एकता बनाए रखने और जाति, धर्म व प्रांतीयता की भावना से ऊपर उठकर संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं का सम्मान करने का संकल्प लिया। मौजूद रेलकर्मियों ने अपने सभी कार्यालयी काम हिंदी में करने और राजभाषा हिंदी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने का वचन दिया। संकल्प के बाद सभी ने एक साथ 'जय हिंद' का नारा लगाया। डीआरएम अमित सरन ने कहा कि राजभाषा हिंदी प्रशासन के कामों को आसान, प्रभावी और लोगों के अनुकूल बनाने का मजबूत जरिया है।

उन्होंने सभी रेलकर्मियों से कार्यालय के कामों में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए लगातार प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने से प्रशासनिक कामकाज आम लोगों के लिए और आसान होगा। सोनपुर मंडल में राजभाषा हिंदी के इस्तेमाल और प्रचार को बढ़ावा देने के लिए 14 से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 15 सितंबर को हिंदी टिप्पणी/आलेखन प्रतियोगिता, 16 सितंबर को हिंदी निबंध प्रतियोगिता और 18 सितंबर को अधिकारियों के लिए हिंदी क्विज होगी। 21 सितंबर को वाक्य प्रतियोगिता और 22 सितंबर को कर्मचारियों के लिए हिंदी क्विज आयोजित की जाएगी। 23 सितंबर को गढ़हरा में रामधारी सिंह जयंती समारोह मनाया जाएगा। वहीं, 28 सितंबर को मंडल सभा हॉल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के साथ पुरस्कार वितरण समारोह होगा।

वैशाली में चेन स्नेचिंग के 2 आरोपी पकड़े गए, ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर पीटा, सिर मुंडवाकर घुमाया

हाजीपुर। वैशाली के रामचंद्र चौक पर रविवार दोपहर चेन स्नेचिंग के दो आरोपियों को ग्रामीणों ने बाइक समेत पकड़ लिया। ग्रामीणों ने एक आरोपी को शीशम के पेड़ से बांधकर पीटा। इसके बाद दोनों का सिर मुंडवा दिया और उन्हें गांव में घुमाया। ग्रामीणों ने बताया कि 4 सितंबर को बाइक सवार दो युवकों ने रामचंद्र चौक के पास रहने वाले अशोक पंडित की पत्नी सरोज देवी से बेलकुंडा जाने का रास्ता पूछा था।

मौका मिलते ही दोनों ने महिला के गले से सोने के दो जितिया छीन लिए और बाइक से भाग गए थे। रविवार को सरोज देवी ने उन्हीं दोनों युवकों को पल्सर बाइक से उसी रास्ते से गुजरते देखा। महिला के शोर मचाने पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए और दोनों को बाइक समेत पकड़ लिया। पूछताछ में एक आरोपी ने जितिया छीनने की बात कबूल की। उसने बताया कि दोनों जितिया रानी पोखर चौक स्थित एक सोना-चांदी दुकानदार को 5 हजार रुपए में बेचे थे। इसके बाद ग्रामीण दुकानदार के पास पहुंचे। आरोपी से बात कराने के बाद दुकानदार ने जितिया खरीदने की बात मान ली और दोनों जितिया वापस कर दिए। घटना की जानकारी मिलने पर महुआ थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने 112 टीम को मौके पर भेजा। पुलिस दोनों आरोपियों को भीड़ से निकालकर थाने ले गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान विजय कुमार (पिता कपूरचंद्र पासवान, निवासी धर्मपुर वार्ड 12, पंचायत रामपुर रत्नाकार उर्फ सरसई) और करण कुमार (पिता अमरनाथ पासवान, निवासी धर्मपुर वार्ड 12) के रूप में हुई है। पुलिस भारी भीड़ के बीच दोनों को सुरक्षित थाने ले गई।

पटना- सोन भवन कैंपस के ट्रांसफॉर्मर में लगी अचानक आग, तीन दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

पटना। सोन भवन कैंपस में सोमवार को अचानक ट्रांसफॉर्मर में आग लगने से अफरातफरी मच गई। ट्रांसफॉर्मर से तेज लपटें उठती देख कैंपस में मौजूद कर्मियों ने तुरंत फायर विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में लोदीपुर फायर स्टेशन से दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई।

आग की लपटें काफी तेज होने के कारण दमकल कर्मियों को इसे नियंत्रित करने में मशक्कत करनी पड़ी। स्थिति को काबू में करने के लिए छत से भी पानी डाला गया। करीब तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान चलाया गया। अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया, 'सोन भवन कैंपस में ट्रांसफॉर्मर में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को नियंत्रित कर लिया गया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, आग से ट्रांसफॉर्मर को काफी नुकसान पहुंचा है। आग लगने के बाद कैंपस में कुछ देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हो गए थे। कुछ लोगों ने अपने स्तर से भी पानी डालकर आग बुझाने में मदद करने की कोशिश की।

लालबाग के राजा की तरह पटना में विराजे गणपति

◆ हीरा-पन्ना और माणिक जड़ित 55 लाख का मुकुट पहनाया गया, मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर बना पंडाल

एजेंसी, पटना

पटना में आज धूमधाम से गणेश चतुर्थी मनाई जा रही है। महाराष्ट्र मंडल की ओर से इस बार भी भव्य आयोजन किया गया है। इस बार मदुरई के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार किया गया है। यहां मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा की प्रतिमा स्थापित होगी, जो साढ़े 5 फीट ऊंची है। इसे मुंबई से मंगाया गया है। वहीं, भगवान गणेश को 55 लाख रुपए के हीरा, पन्ना और माणिक जड़ित सोने का मुकुट पहनाया गया। राज्यपाल सैयद अता हसनैन भी पूजा में शामिल हुए। वो पंडाल में सिर पर पगड़ी पहनकर पहुंचे। सीएम सम्राट चौधरी भी गणपति की पूजा में शामिल होंगे।

10 दिनों तक मनाया जाएगा गणेशोत्सवः आचार्य राकेश झा ने बताया कि चौथ आज सुबह 7:28 बजे के बाद चतुर्थी तिथि शुरू होने से कई श्रद्धालु गणेश चतुर्थी भी मनाएंगे। वहीं, उदयातिथि को मानने वाले कुछ लोग 15 सितंबर को गणेश पूजा करेंगे। गणेश उत्सव का पर्व भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक यानि पूरे 10 दिनों तक हर्षो-उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

मिट्टी से निर्मित की गई प्रतिमा

सबसे शुभः ज्योतिषी झा के मुताबिक मिट्टी से निर्मित प्रतिमा सबसे शुभ और उत्तम होती है। इस प्रतिमा में सभी पंच तत्वों का समावेश होता है, जिसे शास्त्रों में पूजा हेतु सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। ऐसे मिट्टी युक्त प्रतिमा में पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश इन पांचो तत्वों का सार मिला होता है। इसी से हमारा शरीर भी बना है। मिट्टी की प्रतिमाएं पानी में आसानी से घुल जाती है। इससे पर्यावरण को भी लाभ मिलता है।

कारीगरों ने 1 महीने में बनाया पंडालः महाराष्ट्र मंडल के सचिव संजय भोंसले ने बताया कि मुंबई से 12 कारीगर मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार करने आए थे। पंडाल के अंदर की सजावट भी मंदिर की तरह की गई है। वहीं, गणेश प्रतिमा को साढ़ू मिट्टी से बनाया गया है।

भगवान गणेश को 501 मोदक का लगा भोगः उन्होंने बताया कि गणपति स्थापना के लिए महाराष्ट्र के सांगली से प्रशांत जागीरदार के नेतृत्व में पांच पंडित पटना पहुंचेंगे। इन्हीं के द्वारा विधि-विधान से 14 सितंबर को गणपति की प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी। पहले दिन भगवान को 501 मोदक का भोग लगाया जाएगा।

कोलकाता की लाइटिंग और नासिक का झांझ पथक रहेगा आकर्षणः इस गणेशोत्सव में कोलकाता के चंदन नगर की लाइटिंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। वहीं, बंगाल के फूलों से सजावट की गई है। 20 सितंबर को सुबह 11 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन जुलूस निकलेगा।

जुलूस में नासिक से आने वाली 60 सदस्यीय झांझ पथक टीम शामिल होगी। इसमें 20 लड़कियां और 40 लड़के होंगे, जो पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ करतब प्रस्तुत करेंगे। इससे विसर्जन जुलूस में उत्साह और आकर्षण बढ़ेगा।

उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव के इस्तीफे की मांग

एजेंसी, पटना

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय (AKU) में जांच समिति के गठन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। आज विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों ने जमकर प्रदर्शन किया। उन्होंने बिहार के उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव पवन कुमार सिन्हा के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब तक विशेष सचिव माफी नहीं मांगेंगे तब तक हम लोग अनशन पर बैठे रहेंगे। धरनार्थियों की मांग है कि कथित अमर्यादित व्यवहार और धमकी के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने राज्यपाल सचिवालय को भेजा था पत्रः बीते दिनों विश्वविद्यालय प्रशासन ने समिति के गठन की प्रक्रिया, अधिकार क्षेत्र और जांच की निर्धारित अवधि पर सवाल उठाते हुए राज्यपाल सचिवालय को पत्र भेजा है। वहीं, कुलसचिव डॉ. नीरंजन प्रसाद यादव ने जांच समिति के समन्वयक और उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव पवन कुमार सिन्हा पर कथित अमर्यादित व्यवहार, आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। कुलसचिव की ओर से भेजे गए पत्र में दावा किया गया है कि जांच के दौरान पवन कुमार सिन्हा ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक और संस्थागत मर्यादा के विपरीत व्यवहार किया। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुलसचिव को "हाथ तुड़वाने की धमकी" जैसी कथित धमकीपूर्ण भाषा का सामना करना पड़ा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे गंभीर मामला बताते हुए संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से भी शिकायतः मामले को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को भी शिकायत भेजी है। इसमें जांच समिति के गठन की प्रक्रिया, कथित अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करने, जांच के दौरान अधिकारियों के साथ अमर्यादित व्यवहार और धमकीपूर्ण भाषा के इस्तेमाल का उल्लेख किया गया है। कुलपति ने राज्य सरकार से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, विश्वविद्यालय प्रशासन और कर्मचारियों की सुरक्षा और आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया है। शिकायत में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के निलंबन सहित कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग भी की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच समिति के गठन की वैधता पर भी सवाल उठाए हैं। कुलसचिव का कहना है कि कुलाधिपति या राज्यपाल की अनुमति के बिना विश्वविद्यालय के विरुद्ध जांच समिति गठित करना अधिकार क्षेत्र का विषय है। विश्वविद्यालय ने समिति के गठन को इसी आधार पर चुनौती दी है। पत्र के अनुसार, राज्यपाल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव स्तर से 27 जुलाई 2026 को जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया गया था। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव पवन कुमार सिन्हा को समिति का समन्वयक बनाया गया था। गृह विभाग, अभियोजन निदेशालय और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समिति का सदस्य बनाया गया था।

एकेयू में कर्मचारियों का प्रदर्शन, कुलसचिव ने लगाए धमकाने के आरोप, बोले- माफी मांगने तक करेंगे अनशन

जांच आगे बढ़ाए जाने पर प्रशासन ने आपत्ति जताईः विश्वविद्यालय का कहना है कि आदेश में जांच पूरी करने के लिए 15 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद जांच की अवधि बढ़ाने से संबंधित कोई विधिवत आदेश या पत्र विश्वविद्यालय को नहीं मिला। इसके बावजूद समिति की ओर से जांच आगे बढ़ाए जाने पर प्रशासन ने आपत्ति जताई है।

समिति ने मांगे 1,344 पृष्ठों के दस्तावेजः कुलसचिव के पत्र के अनुसार, 12 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे जांच समिति के सदस्य विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे। समिति ने विश्वविद्यालय प्रशासन से बड़ी संख्या में फाइलें और दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा। विश्वविद्यालय का दावा है कि करीब 1,344 पृष्ठों के दस्तावेज समिति को उपलब्ध कराए गए। प्रशासन के अनुसार, दस्तावेज सौंपने के बाद भी समिति की ओर से अतिरिक्त फाइलों और अभिलेखों की मांग की जाती रही।

ट्रेन में यात्री का बैग चुराकर भागा बदमाश गिरफ्तार

हाथीदह जंक्शन पर पुलिस ने दबोचा, 72 हजार कैश और 3 मोबाइल बरामद

एजेंसी, पटना

मोकामा की हाथीदह रेल पुलिस को RPF किऊल के सहयोग से एक बड़ी सफलता मिली है। कोलकाता गाजीपुर साप्ताहिक ट्रेन से यात्रा कर रहे पटना के फुलवारी थानाक्षेत्र के रहने वाले राजेश कुमार का किऊल से उसी ट्रेन में सवार एक बदमाश ने क्रॉस बॉडी बैग चुरा लिया।

बदमाश बैग लेकर हाथीदह जंक्शन में ट्रेन से नीचे उतर गया। इसी दौरान किऊल से इसी ट्रेन में पीछा कर रहे RPF इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार ने उसे हाथीदह में उतरते ही दबोच लिया। इसके बाद उसे हाथीदह रेल पुलिस को सौंप दिया गया।

लखीसराय का रहने वाला है आरोपीः रेल थाना अध्यक्ष मुनेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित के क्रॉस बॉडी बैग से 72 हजार नकद, तीन मोबाइल और अन्य कागजात बरामद हुए हैं। पीड़ित राजेश कुमार को इसकी जानकारी दे दी गई है।

बदमाश की पहचान लखीसराय जिले के बड़हिया निवासी मुकेश सिंह के बेटे मनीष कुमार उर्फ अमित कुमार के तौर पर हुई है। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

आरोपी कहा- केवल पर्स लेकर उतरा थाः आरोपी मनीष कुमार ने बताया कि वह क्यूल से ट्रेन के S3 बोगी में चढा था। उसी दौरान एक महिला और एक पुरुष साथ यात्रा कर रहे थे, जिनका पर्स गिरा हुआ था। पर्स लेकर नीचे उतर गया, उससे यही गलती हुई। तभी आरपीएफ ने उसे टॉर्च मारा और उसे अपने पास बुलाया वह उनके पास चले गए, तभी उन्होंने उससे पूछताछ की और उसे पकड़ लिया। इस मामले में उसके साथ और कोई भी शामिल नही है।

पटना- सड़क हादसे में यारपुर के दो युवकों की मौत

एजेंसी, पटना

पटना के बेली रोड में बीते देर रात करीब 12 बजे हुए सड़क हादसे में यारपुर निवासी दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजन उन्हें अलग-अलग अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया।

तीनों घर से निकले, कुछ देर बाद मिली हादसे की सूचनाः बताया जा रहा है कि तीन युवक रात में घर से निकले थे। इसी दौरान परिजनों को बेली रोड पर सड़क हादसा होने की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। वहां युवक गंभीर हालत में मिले। एक घायल युवक को परिजन इलाज के लिए LNJP अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरे युवक को उसके परिजन आनन-फानन में PMCH लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरे मृतक की पहचान सुरेश मलिक के बेटे पवन कुमार रघुनाथपुर थाना भगवानपुर का रहने वाले के तौर पर हुई है। वर्तमान में यारपुर रोड नंबर 3 में रह रहा था। पिता ने पोस्टमार्टम नहीं कराया है। थाने में आवेदन देकर बॉडी लेकर परिजन चले गए हैं।

बेटे की मौत से मां बेसुधः मृतकों में यारपुर निवासी रुदल कुमार (20) की पहचान हुई है। रुदल के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। वह अपनी मां उर्मिला देवी के साथ परिवार का खर्च चलाता था। बेटे की मौत की खबर सुनने के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल है। रुदल की मां उर्मिला देवी ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद पड़ोस का एक युवक रुदल को बुलाकर अपने साथ ले गया था। कुछ देर बाद सड़क हादसे की सूचना मिली। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो रुदल गंभीर रूप से घायल था। घटना की जानकारी मिलने के बाद शास्त्रीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने के साथ ही घटना में शामिल वाहन और अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पप्पू यादव बोले-'पहले गरीब की जिंदगी बचाओ', मूर्ति मैं लगवा दूंगा

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के बिदुपुर प्रखंड में बाढ़ से हालात लगातार खराब बने हुए हैं। सोमवार को सांसद पप्पू यादव नाव और ट्रैक्टर के जरिए विशनपुर समेत बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और राहत व्यवस्था का जायजा लिया।

नाव से बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे सांसदः पप्पू यादव बाढ़ के पानी के बीच नाव और ट्रैक्टर से प्रभावित इलाकों में पहुंचे। विशनपुर में उन्होंने लोगों से सीधे बातचीत की। ग्रामीणों ने राहत, भोजन, पॉलीथिन, दवा और पशु चारे की कमी से जुड़ी समस्याएं सांसद के सामने रखीं।

'न खाना मिल रहा, न पॉलीथिन, न पशु चारा'ः सांसद ने सरकार और प्रशासन की राहत व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को ठीक से खाना नहीं मिल रहा है। कई जगह पॉलीथिन और जानवरों के लिए चारे की भी कमी है।

'किचन में फोटो खिंचवाने से नहीं भरता पेट'ः पप्पू यादव ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सिर्फ एक किचन में दाल-भात के साथ फोटो खिंचवाने से बाढ़ पीड़ितों का पेट नहीं भरता। उन्होंने कहा कि जमीन पर स्थिति कुछ और है, जबकि कागजों पर राहत व्यवस्था अलग दिखाई जा रही है।

दो मृतकों के परिवारों से की मुलाकातः

विशनपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से जान गंवाने वाले दूधनाथ राय के परिवार से सांसद मिले। दूधनाथ राय, जयराम राय के पुत्र और भगतान टोला के निवासी थे। इसके अलावा 18 वर्षीय पप्पू राय के परिजनों से भी मुलाकात की। पप्पू राय रामप्रवेश राय के पुत्र और पहाड़पुर निवासी थे।

दोनों परिवारों को 10-10 हजार की मददः सांसद ने दोनों मृतकों के परिवारों को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। इसके अलावा बाढ़ पीड़ितों के बीच 500-500 रुपये की सहायता भी बांटी गई। सांसद के मुताबिक, कुल करीब 4.50 लाख रुपये की आर्थिक मदद लोगों के बीच दी गई।

'गरीब, दलित और यादवों को अकेला नहीं छोड़ सकते'ः पप्पू यादव ने कहा कि बाढ़ के समय गरीब, दलित और यादवों को अकेला नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्राथमिकता लोगों की जान बचाना और उन्हें जरूरी राहत पहुंचाना होना चाहिए।

❑ वैशाली में नाव-ट्रैक्टर से पहुंचे, कहा- 'कागजों पर राहत, जमीन पर भूखे हैं लोग'

मूर्ति की राजनीति पर भी साधा निशानाः सांसद ने मूर्ति लगाने की राजनीति को लेकर भी सत्ता और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कोई शरद यादव, कोई रामविलास पासवान और कोई रघुवंश प्रसाद सिंह की मूर्ति लगाने की बात कर रहा है।

'पहले गरीब की जिंदगी बचाओ'ः पप्पू यादव ने कहा कि पहले गरीब की जिंदगी बचाना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'अगर मूर्ति लगानी है तो मैं लगवा दूंगा, लेकिन आज जिंदा इंसानों को बचाना ज्यादा जरूरी है।' सांसद ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें एक महीने के लिए आपदा विभाग की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वे किसी गरीब को भूखा नहीं रहने देंगे। पप्पू यादव ने कहा कि अगर वे हर बाढ़ पीड़ित परिवार तक 25 हजार रुपये की मदद नहीं पहुंचा पाए तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने सरकार से तत्काल राहत सामग्री और आर्थिक सहायता पहुंचाने की मांग की। सांसद ने सरकार से बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल खाना, दवा, पॉलीथिन, पशु चारा और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह राजनीति नहीं, बल्कि इंसानियत की लड़ाई है और बाढ़ पीड़ित जनता अकेली नहीं है।

मेट्रो निर्माण से स्मार्ट सिटी की कई सुविधाएं होंगी शिफ्ट

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन तिराहे के पास लगी वीडियो मैसेज डिस्प्ले स्क्रीन को मेट्रो निर्माण के कारण हटाया जाएगा। यह स्क्रीन स्मार्ट सिटी की ओर से यातायात और जन-जागरूकता से जुड़े संदेश प्रदर्शित करने के लिए लगाई गई थी। इसी तरह इनकम टैक्स गोलंबर पर यातायात निगरानी के लिए लगाए गए स्मार्ट कैमरों को भी निर्माण क्षेत्र से हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। दरअसल, पटना मेट्रो के निर्माण कार्य के कारण पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की कई महत्वपूर्ण सुविधाओं को अस्थायी रूप से शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए पटना मेट्रो की ओर से स्मार्ट सिटी प्रशासन से पटना जंक्शन, पटना जू और इनकम टैक्स गोलंबर पर अनुमति ले ली गई है। निर्माण कार्य के दौरान यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी कुछ व्यवस्थाओं में बदलाव किया जाएगा।

◆ इनकम टैक्स गोलंबर के स्मार्ट कैमरे हटेंगे, पेलिकन सिग्नल सिस्टम बंद

पटना जू के पास पेलिकन सिग्नल सिस्टम बंदः नेहरू पथ स्थित पटना जू के गेट नंबर एक के पास पैदल यात्रियों को सड़क पार कराने के लिए लगाया गया पेलिकन सिग्नल बटन सिस्टम फिलहाल बंद कर दिया गया है। मेट्रो निर्माण कार्य के कारण इस सिस्टम को वहां से हटाया जाएगा। निर्माण पूरा होने के बाद इसे दोबारा शुरू किए जाने की योजना है। पेलिकन सिग्नल सिस्टम के माध्यम से पैदल यात्री बटन दबाकर वाहनों को रोकने और सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने की सुविधा का उपयोग करते थे। इसके बंद होने से इस मार्ग पर पैदल यात्रियों को सड़क पार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। इसी स्थान पर नगर निगम की ओर से बनाया गया चकाचक शौचालय भी मेट्रो निर्माण के कारण तोड़ दिया गया है। इससे जू आने वाले लोगों और आसपास के राहगीरों को सार्वजनिक शौचालय की सुविधा फिलहाल उपलब्ध नहीं होगी।

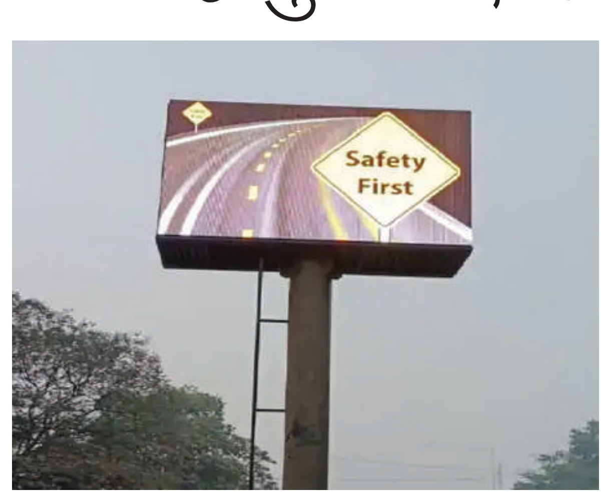

मेट्रो निर्माण के लिए बदली जा रही व्यवस्थाएंः पटना मेट्रो परियोजना के तहत भूमिगत और एलिवेटेड दोनों हिस्सों में निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के दौरान कई स्थानों पर सड़क, फुटपाथ, यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक उपयोग की सुविधाओं को अस्थायी रूप से हटाना या शिफ्ट करना पड़ रहा है। इसका उद्देश्य निर्माण क्षेत्र को सुरक्षित बनाना और काम में बाधा कम करना है। वहीं, पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत शहर में स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन, निगरानी कैमरे, डिजिटल डिस्प्ले, पैदल यात्री सुविधाएं और सार्वजनिक उपयोग की व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। मेट्रो निर्माण के कारण इन सुविधाओं को हटाने के बाद जरूरत के अनुसार वैकल्पिक स्थानों पर लगाया जाएगा। स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, स्मार्ट कैमरा आधारित निगरानी, डिजिटल सूचना प्रदर्शन और पैदल यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। मेट्रो निर्माण पूरा होने के बाद इन व्यवस्थाओं को फिर से व्यवस्थित किए जाने की उम्मीद है।

rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

प्रो. मुकुल श्रीवास्तव बने स्टार्टअप समिति के अध्यक्ष

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार की नई स्टार्टअप नीति-2026 के तहत विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया है। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रो. मुकुल श्रीवास्तव को 'मीडिया, शिक्षा और सामाजिक प्रभाव' क्षेत्र की स्टार्टअप समीक्षा विशेषज्ञ समिति (एसआरसीई) का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सात सेक्टर-विशिष्ट विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया।

ब्राह्मण समाज को शाखा, शिखा और सूत्र का महत्व बताया

कानपुर , एजेंसी। भगवान परशुराम सर्व कल्याण सेवा समिति की ओर से रविवार को मैस्कर घाट पर सामवेदीय उपाकर्म महोत्सव का आयोजन किया गया। आचार्य बलवंत भाऊ पटवर्धन ने वैदिक विधि-विधान के साथ उपाकर्म की धार्मिक प्रक्रियाओं को पूर्ण कराया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज को शाखा, शिखा एवं सूत्र का महत्व बताया। आचार्य पटवर्धन ने कहा कि ब्राह्मण समाज को अपनी गौरवशाली वैदिक परंपराओं, संस्कारों एवं नित्यकर्मों के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए। ब्राह्मण बंधुओं ने पितृजनों, ब्राह्मणों एवं गुरुजनों को यज्ञोपवीत अर्पित किया। सभी ने विधिपूर्वक नूतन यज्ञोपवीत धारण किया। एसके पालीवाल, शेष नारायण त्रिवेदी, आचार्य ओमकार शास्त्री, राजेंद्र शुक्ला, उदित मिश्र, रामगोपाल मिश्रा, विदुर पांडेय, आचार्य प्रमोद तिवारी, सुखदेव शुक्ला, अजय शर्मा, अनूप शुक्ला आदि ने सहभागिता की।

स्कूल बस से छात्र की मौत पर कांग्रेसियों ने की परिवार को एक करोड़ सहायता की मांग

गोरखपुर , एजेंसी। पिपराइच ब्लॉक के नैयापार गांव निवासी छात्र हिमांशु की स्कूल बस की चपेट में आने से हुई मौत के बाद रविवार को कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि हिमांशु की दर्दनाक मौत से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। परिवार ने अपना बच्चा खोया है, जिसकी भरपाई किसी भी कीमत पर नहीं की जा सकती। कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने सरकार से मृतक के परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। साथ ही हादसे की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रतिनिधिमंडल में सत्येंद्र कुमार निषाद, डॉ. अमरनाथ सिंह, ज्ञानेंद्र शाही, संतोष उपाध्याय, अनवर अली, ब्लॉक अध्यक्ष अदालत यादव, अमलेंदु पांडेय, सलीम और उमाशंकर मौर्य, गोरखलाल श्रीवास्तव सहित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर निगम के 47 पार्कों का होगा सुंदरीकरण, ओपन जिम और झूला भी होगा

गोरखपुर , एजेंसी। नगर निगम की ओर से शहर के 47 पार्कों के विकास और सुंदरीकरण की तैयारी की गई है। 15वें वित्त आयोग के तहत प्रस्तावित इन कार्यों पर कुल करीब 7.60 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पार्कों में चहारदीवारी, ग्रिल, गेट, पाथवे, ओपन जिम, झूले और फाउंटेन सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार इनमें कई पार्कों में ओपन जिम बनाने का प्रस्ताव है। कुछ पार्कों में चहारदीवारी, ग्रिल, गेट और पाथवे बनाए जाएंगे, जबकि कुछ का पूरी तरह सुंदरीकरण किया जाएगा। प्रस्ताव में सबसे अधिक 35.26 लाख रुपये नौसड़ पंचायत भवन के बगल पार्क के निर्माण और 35.35 लाख रुपये बेतियाहाता स्थित पार्क के सुंदरीकरण के लिए रखे गए हैं। शहर के निवासी पवन अग्रवाल का कहना है कि पार्कों के सुंदरीकरण होने से शहर के अंदर एक अच्छी जगह मिल जाएगी जहां लोग सुबह शाम टहलने के साथ बच्चों का मनोरंजन भी कर सकेंगे। वहीं, ओपेन जिम होने से शरीर भी स्वस्थ रहेगा। इसके साथ ही शिव कुमार सिंह का कहना है कि काली मंदिर गोलघर के सामने अंदर गली में पार्क है जो बदहाल है। यहां सुविधाएं बढ़ेगी तो लोग सुबह शाम टहलेंगे व बच्चों का मनोरंजन भी होगा। वहीं, सिविल लाइंस के पार्षद अजय राय ने बताया कि सीएम ने इसका शिलान्यास किया है, कार्य पूरा हो जाने से काफी सुविधाएं मिलेंगी।

शॉर्ट सर्किट से उरुवा बाजार ग्रामीण बैंक की शाखा में लगी आग

गोरखपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की उरुवा बाजार शाखा में रविवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। अवकाश के कारण बैंक बंद था। शाखा से धुआं निकलता देख आसपास के दुकानदारों ने बैंक कर्मचारियों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पा लिया। इससे बैंक में बड़ा नुकसान होने से बच गया। शाखा प्रबंधक नवीन कुमार ने बताया कि सुबह करीब पौने नौ बजे बगल के दुकानदारों ने फोन कर बैंक से धुआं निकलने की जानकारी दी। वह कैशियर गौरव जायसवाल और फील्ड अधिकारी इंद्रसेन सिंह के साथ तत्काल शाखा पहुंचे। उरुवा पुलिस और अग्निशमन विभाग को भी सूचना दी गई। दोनों टीमों की मदद से आग जल्द बुझा दी गई। आग बुझने के बाद जांच में प्रबंधक के केबिन में लगा सीसीटीवी कैमरे का बोर्ड पूरी तरह जला मिला। प्रथमदृष्टया इसी बोर्ड में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। शाखा प्रबंधक के अनुसार, आग से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और बैंक के सभी दस्तावेज सुरक्षित हैं। सोमवार को शाखा में कामकाज सामान्य रूप से होगा। एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी ने बताया कि बैंक में आग लगने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। अग्निशमन विभाग के सहयोग से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया।

मुंबई से गणेश प्रतिमा लेकर गांव आते हैं वंश नारायण

13 साल से कर रहे पूजा; मनाते हैं खास उत्सव

चंदौली, एजेंसी। मुंबई की चकाचौंध भरी जिंदगी में रहने के बावजूद हथेरवा गांव की मिट्टी और अपनों का मोह वंश नारायण चौहान को हर साल अपनी ओर खींच लाता है। गणपति बप्पा उनके इस लौटने की सबसे बड़ी वजह बनते हैं। मुंबई में गणेश उत्सव की भव्यता से प्रभावित होकर उन्होंने वर्ष 2013 में अपने गांव में गणपति उत्सव शुरू करने का संकल्प लिया था। तब शुरू हुआ यह सिलसिला 13 साल बाद भी पूरी आस्था और उत्साह के साथ जारी है। हर साल वह मुंबई से गणपति की प्रतिमा लेकर गांव पहुंचते हैं और ग्रामीणों के साथ मिलकर उत्सव मनाते हैं।

वंश नारायण के लिए गणेश उत्सव केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह उनके लिए गांव की मिट्टी से जुड़ने, परिवार और रिश्तेदारों से मिलने तथा बचपन की यादों को फिर से जीने का अवसर भी बन गया है। गणपति बप्पा की प्रतिमा के साथ उनका गांव लौटना अब पूरे गांव के लिए भी उत्सव का हिस्सा बन चुका है।

मुंबई की भव्यता ने गांव में उत्सव की जगाई इच्छा : वंश नारायण बताते हैं कि वर्ष 2007 में वह दसवीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान पहली बार अपनी दीदी के यहां मुंबई घूमने गए थे। महानगर की जीवनशैली और वहां की चकाचौंध उन्हें काफी पसंद आई। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह रोजगार के लिए मुंबई चले गए और वहां इलेक्ट्रिशियन का काम करने लगे। इसी दौरान उनका विवाह ममता चौहान से हुआ। उनके दो बच्चे हर्षित और उत्कर्ष हैं।मुंबई में रहने के दौरान उन्होंने अलग-अलग इलाकों में गणेश उत्सव का भव्य आयोजन

देखा। ढोल-नगाड़ों की गूंज, गणपति की विशाल प्रतिमाएं और पूजा में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ ने उन्हें प्रभावित किया। उनके मन में विचार आया कि जब मुंबई में इतने उत्साह से गणपति उत्सव मनाया जा सकता है तो अपने गांव में भी बप्पा की स्थापना कर उत्सव क्यों न मनाया जाए।

2013 में शुरू हुआ सिलसिला आज भी जारी : इसी सोच के साथ वर्ष 2013 में उन्होंने पहली बार गणपति की प्रतिमा स्थापित कर उत्सव की शुरुआत की। करीब पांच वर्षों तक मुंबई में रहते हुए उन्होंने गणेश उत्सव मनाया। बाद में उत्तर प्रदेश की एक निजी टावर कंपनी में मेंटेनेंस का काम मिलने के बाद वह गांव में रहने लगे। इसके बावजूद मुंबई से उनका भावनात्मक जुड़ाव बना रहा। गणेश उत्सव आया तो मुंबई से प्रतिमा लाने की परंपरा भी जारी रही।हर साल वह मुंबई से गणपति की प्रतिमा लेकर गांव पहुंचते हैं। रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही ग्रामीण ढोल-नगाड़ों के साथ उनका और गणपति बप्पा की प्रतिमा का स्वागत करते हैं। वहां से प्रतिमा को पूरे उत्साह के साथ गांव ले जाया जाता है। इसके बाद विधि-विधान से गणपति की स्थापना कर पूजा-अर्चना शुरू होती है।

12 घंटे हरिकीर्तन और भंडारे में जुटते हैं सैकड़ों लोग : गणेश उत्सव के दौरान गांव में धार्मिक माहौल देखते ही बनता है। 12 घंटे तक हरिकीर्तन का आयोजन किया जाता है। आसपास के ग्रामीण भी इसमें शामिल होते हैं। इसके बाद भव्य भंडारे का आयोजन होता है। इसमें गांव ही नहीं, आसपास के क्षेत्रों से भी सैकड़ों लोग पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। उत्सव के समापन पर भी माहौल देखते ही बनता है। श्रद्धालु डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए गणपति बप्पा की प्रतिमा को गांव से पास के तालाब तक ले जाते हैं। वहां विधि-विधान से प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। इसके बाद उत्सव की समाप्ति के साथ वंश नारायण फिर मुंबई लौट जाते हैं।वंश नारायण के लिए गणेश उत्सव अब एक ऐसी परंपरा बन चुका है, जिसका उन्हें पूरे साल इंतजार रहता है। मुंबई से गांव तक गणपति की प्रतिमा लाने की यह यात्रा उनके लिए आस्था के साथ भावनाओं की भी यात्रा है। बप्पा के बहाने वह हर साल अपने गांव, परिवार और पुराने परिचितों के बीच कुछ समय बिताते हैंउनका कहना है कि गणपति उत्सव ने उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखा है।

उत्तर की ओर खिसकी मानसून की ट्रफ लाइन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिलाजुला रूप देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार से अगले दो-तीन दिन यूपी के तराई, मध्यांचल और पूर्वी हिस्से में छिटपुट बूंदाबांदी देखने को मिलेगी। तराई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। रविवार को सोनभद्र, वाराणसी, नजीबाबाद, झांसी आदि जिलों में छिटपुट बारिश देखने को मिली।

मौसम विभाग की ओर से अगले एक हफ्ते तक यूपी में कहीं भी भारी बारिश की चेतावनी नहीं है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसूनी ट्रफ लाइन के एक बार फिर उत्तर की ओर खिसकने के संकेत हैं और इसके असर से सोमवार से अगले दो तीन दिन तराई, मध्यांचल और पूर्वी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की परिस्थितियां बन सकती हैं।

राजधानी के मौसम में फिर से बदलाव की आहट : राजधानी के मौसम में सोमवार से फौरी तौर पर बदलाव की आहट है। मौसम विभाग का कहना है

कि देर शाम बादलों की सक्रियता बढ़ सकती है और मंगलवार को राजधानी में हल्की बारिश की परिस्थितियां बन सकती है। रविवार को दिन में धूप खिली और मौसम शुष्क रहा। दोपहर बाद बादलों की आवाजाही बढ़ी लेकिन तापमान पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को यहां बादलों की सक्रियता बढ़ने साथ ही हल्की बूंदाबांदी की संभावना है।

रविवार को अधिकतम तापमान 0.2 डिग्री की बढ़त के साथ 34 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री की बढ़त के साथ 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्रदेश की राजनीति में एक नए दलित चेहरे की एंट्री

रोहिणी घावरी की निगाह चन्द्रशेखर के वोट बैंक पर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की दलित राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले एक नया राजनीतिक मोर्चा बनता दिख रहा है। स्विट्जरलैंड से लौटने के बाद रोहिणी घावरी प्रदेश की राजनीति में सक्रिय होने की तैयारी में हैं। उनका मुख्य फोकस वाल्मीकि समाज को एकजुट करने और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की उन 21 विधानसभा सीटों पर है, जहां वाल्मीकि मतदाताओं की भूमिका अहम मानी जाती है। इन इलाकों में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर का भी प्रभाव माना जाता है।

रोहिणी वाल्मीकि समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाते हुए इन क्षेत्रों में अभियान चलाने की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि वाल्मीकि समाज को लंबे समय से मुख्य रूप से सफाईकर्मी के तौर पर देखा गया, जबकि राजनीतिक प्रतिनिधित्व में उसकी हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम रही है। वह अगले पांच साल में किसी राज्य में वाल्मीकि समाज से मुख्यमंत्री बनाए जाने का लक्ष्य भी सामने रख रही हैं। उनकी नजर आगरा कैंट, एत्मादपुर, जसराना, फिरोजाबाद, मेरठ कैंट, मेरठ शहर, गाजियाबाद, लोनी, लखनऊ की मध्य, उत्तर और पश्चिम विधानसभा सीटों के अलावा सीसामऊ, आर्यनगर, किदवईनगर, अलीगढ़ और खैर समेत 21 सीटों पर है। इन सीटों पर वह जाटव और वाल्मीकि समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सवाल उठाने की तैयारी में हैं।

रोहिणी 13 सितंबर को मेरठ पहुंचेंगी। इसके बाद 14 और 15 सितंबर को लखनऊ में वाल्मीकि समाज के लोगों से मुलाकात करेंगी। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात की भी संभावना है। रोहिणी का दावा है कि चंद्रशेखर के खिलाफ उनकी लड़ाई में अखिलेश ने सहयोग का भरोसा दिया है। ऐसे में सपा से नजदीकी बढ़ती है और पार्टी उन्हें चुनावी मैदान में उतारती है तो पश्चिमी यूपी में दलित वोटों के नए समीकरण बन सकते हैं।

रोहिणी ने चंद्रशेखर पर शादी का वादा कर शोषण करने के आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि आर्थिक मदद करने के बावजूद सांसद बनने के बाद चंद्रशेखर ने उनसे संबंध तोड़ लिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वाल्मीकि समाज से होने के कारण उनकी शिकायत पर एफआईआर नहीं हुई। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित पक्ष का पक्ष इस खबर में शामिल नहीं है।दलित राजनीति में अब तक जाटव मतदाताओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में वाल्मीकि समाज को अलग राजनीतिक ताकत के तौर पर लामबंद करने की कोशिश 2027 के चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर नए समीकरण पैदा कर सकती है। रोहिणी सर्वसमाज को साथ लेकर आगे बढ़ने की बात भी कह रही हैं।

मंदिरों की आय को लेकर कही बड़ी बात

हिंदू बोर्ड का भी जिक्र, व्यक्त किए विचार

वाराणसी, एजेंसी। प्रखर वक्ता एवं चिंतक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने कहा कि देश के मंदिरों से प्राप्त धन पर सरकार का नियंत्रण अथवा उसका सरकारी उपयोग किए जाने के बजाय हिंदू समाज को अपने धार्मिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए स्वतंत्र और पारदर्शी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने 'हिंदू बोर्ड' जैसी व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। वह सिगरा स्थित एक होटल में मंदिरों की आय, धार्मिक संस्थानों की स्वायत्तता और समाज के जरूरतमंद वर्गों के कल्याण से जुड़े विषयों पर आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में विचार व्यक्त कर रहे थे।

कुलश्रेष्ठ ने कहा कि मंदिरों से प्राप्त धन का उपयोग केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसका उपयोग गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों की सेवा एवं कल्याण के लिए भी किया जा सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीब परिवारों की सहायता और अन्य सामाजिक सरोकारों के माध्यम से धार्मिक संस्थानों से प्राप्त संसाधनों को समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के संसाधनों के प्रबंधन के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित किए जाने की जरूरत है, जो पारदर्शी होने के साथ जवाबदेह भी हो। समाज के प्रति उत्तरदायित्व

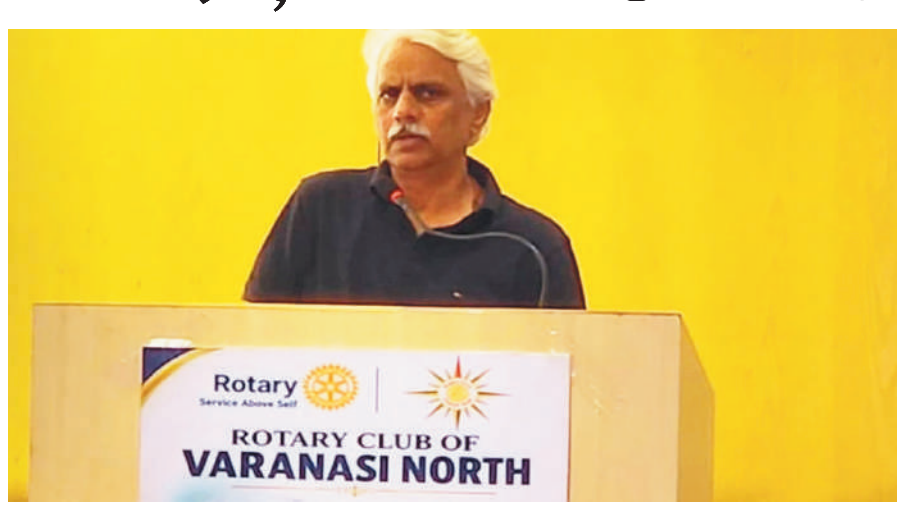

सुनिश्चित करते हुए संसाधनों का सदुपयोग किया जाना चाहिए, ताकि उसका लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके।

संवाद के दौरान मंदिरों की आय और धार्मिक संस्थानों की स्वायत्तता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। कुलश्रेष्ठ ने कहा कि धार्मिक संसाधनों के प्रबंधन में समाज की भागीदारी और पारदर्शिता महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, एक व्यवस्थित तंत्र के माध्यम से धार्मिक संस्थानों के संसाधनों का उपयोग सामाजिक कल्याण के कार्यों में अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटेरियन सीके त्रिवेदी ने की, जबकि संयोजन रोटेरियन अमित गुप्ता ने किया। इस मौके पर सतीशचंद जैन, डॉ. आरके जायसवाल, डॉ. राकेश मोहन, नर्वदानंद दूबे, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, वर्षा श्रीवास्तव, नितिन, दीपक माहेश्वरी, सुरेश खंडेलवाल और इंद्रसेन सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लाजपतनगर में एक फुट पानी, किला छावनी में अब भी कई कॉलोनियों में जलभराव

बरेली, एजेंसी। किला नदी का जलस्तर बढ़ने से लाजपतनगर में एक फुट पानी भर गया है। कीचड़, लार्वा, मच्छर व बदबू से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। किला छावनी क्षेत्र के कई मोहल्लों में अब भी पानी भरा हुआ है। नगर निगम की तरफ से पानी निकालने के लिए पंपिंग मशीनें लगाई गई हैं।

कर्मचारीनगर के लाजपतनगर में छह दिन से जलभराव है। यहां के राधिका एन्क्लेव, साईं वाटिका, कृष्णा वाटिका, केसर वाटिका में भी जलभराव बना हुआ है। लाजपतनगर में पानी कम होकर घरों के पोर्टिको से निकलकर सड़क पर आ गया है। यहां सड़क पर एक फुट पानी भरा हुआ है। नगर निगम की तरफ से पाइप के जरिये पानी निकालकर प्रेमनगर के नाले में डाला जा रहा है, लेकिन वाहनों की आवाजाही से काम बार-बार बाधित हो रहा है।

जहां जलनिकासी हो जा रही है, वहां निचले हिस्से में काई, जलकुंभी, घास, मिट्टी बच रही है। धूप और तेज गर्मी के बीच उससे उठने वाली दुर्गंध लोगों को परेशान कर रही है। अभी भी कॉलोनी के गेट पर डटे मोहल्ले वाले अपने घरों की रखवाली कर रहे हैं। परिवार को रिश्तेदारों के घर या होटलों में रखे हुए हैं।किला छावनी क्षेत्र में 12 बीघा, लीचीबाग, नरकुलागंज, बाकरगंज में जलभराव बना हुआ है। यहां पर अभी लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त है। महिलाओं, बच्चों व पुरुषों को काफी परेशानियां हो रही हैं।

किला नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण ही जलभराव की समस्या बनी हुई है। इसका बहुत बड़ा कारण नदी किनारे गलत तरीके से भवनों का निर्माण भी है। यह सब नदी का ही क्षेत्र था। जलस्तर बढ़ने पर नदी किनारों तक फैलती थी। अब पानी कॉलोनियों में भर रहा है।

प्रदेश में बना चुनावी माहौल, नई रणनीति पर चुनाव लड़ते दिखेंगे सपा और भाजपा

लखनऊ, एजेंसी।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी के बीच भाजपा ने समाजवादी पार्टी के खिलाफ चुनावी नैरेटिव को धार देने की रणनीति पर काम तेज कर दिया है। पार्टी अब केवल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के बजाय सपा सरकार के कार्यकाल से सीधी तुलना करने की तैयारी में है। कानून-व्यवस्था, माफिया और संगठित अपराध से लेकर बिजली, महिला सुरक्षा और गरीब कल्याण तक के मुद्दों पर 'तब और अब' का आंकड़ा जनता के सामने रखने की योजना है।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा के चुनावी रणनीति में खासतौर से निशाने पर सपा सरकार का 2012 से 2017 तक का कार्यकाल रहेगा। इस अवधि में दर्ज अपराध, दंगे, हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और संगठित अपराध से जुड़े आंकड़ों को 2017 के बाद की स्थिति से जोड़कर पेश करने की भी कोशिश होगी। भाजपा अपने चुनावी रणनीति में सपा को घेरने के लिए माफिया के खिलाफ कार्रवाई सबसे आक्रामक मुद्दों में शामिल तो करेगी ही, साथ ही गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई, संपत्ति कुर्की और संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस अभियान की तुलना भी सपा शासनकाल की कानून-व्यवस्था से करते हुए आंकड़े जनता के बीच रखेगी।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा की रणनीति में मुलायम सिंह यादव के शुरुआती कार्यकाल से लेकर अखिलेश यादव सरकार तक के दौर को निशाने पर रखा जाएगा। सपा के शासनकाल में कानून-व्यवस्था को लेकर जनता के बीच कैसी धारणा थी और अपराध, लूट, डकैती, रंगदारी, गैंगवार तथा संगठित अपराध के कितने मामले सामने आए। इसके समानांतर 2017 के बाद की भाजपा सरकार में अपराध नियंत्रण और माफिया के खिलाफ हुई कार्रवाई के आंकड़े रखकर जनता को समझाना भाजपा के चुनावी रणनीति का प्रमुख हिस्सा होगा।

यह है भाजपा की रणनीति

दरअसल भाजपा के नेता जिस तरह से सपा-कांग्रेस के खिलाफ उनके शासनकाल में घटित घटनाओं को अपने भाषण का हिस्सा बना रहे हैं, उससे भी साफ है कि 2027 के चुनावी रणनीति में भी भाजपा यह जनता के मन में यही बिठाने की कोशिश करेगी कि सपा के दौर की तुलना में भाजपा सरकार ने कानून-व्यवस्था, विकास और गरीब कल्याण के मोर्चे पर क्या बेहतर किया? यानि ऐसे सवालों को तूल देकर भाजपा अपने शासन के 'रिपोर्ट कार्ड' पर केंद्रित करने को अपनी रणीनीति का हिस्सा बनाएगी।

'सपा से बेहतर भाजपा क्यों?'भाजपा इस सवाल का जवाब नारे से नहीं, आंकड़ों से देने की कोशिश करेगी। साथ ही अपराध और कानून-व्यवस्था, बिजली, महिला सुरक्षा, माफिया पर कार्रवाई और गरीब कल्याण...इन पांच मोर्चों पर सरकार-दर-सरकार तुलनात्मक रिपोर्ट कार्ड सामने रखकर पार्टी 2027 की चुनावी बहस को 'कौन बेहतर शासन देता है% के सवाल पर ले जाने की भी कोशिश करेगी। भाजपा की मौजूदा रणनीति के संकेत साफ हैं कि इस बार चुनावी मैदान में सिर्फ वोट नहीं, शासन के रिपोर्ट कार्ड की भी परीक्षा होगी।

महिला सुरक्षा पर भी होगी सीधी तुलना

महिला अपराध भाजपा के लिए संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा होगा। महिला हेल्पलाइन, मिशन शक्ति, पुलिस रिस्पांस सिस्टम और थानों में महिला संबंधी शिकायतों की व्यवस्था को सपा शासनकाल से तुलना के साथ पेश करने पर फोकस किया जा सकता है। भाजपा सिर्फ अपराध घटने का दावा नहीं बल्कि एफआईआर, अपराध दर, चार्जशीट और दोषसिद्धि के आंकड़ों के जरिए यह बताने की कोशिश करेगी कि व्यवस्था में वास्तविक बदलाव कितना आया है।

पीडीए के मुकाबले भाजपा का सामाजिक विस्तार

सपा के पीडीए के मुकाबले भाजपा गैर-यादव ओबीसी, गैर-जाटव दलित, सवर्ण और विभिन्न छोटे सामाजिक समूहों को साथ बनाए रखने की रणनीति अपनाएगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा की सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं, जबकि सपा ने 37 सीटें जीतीं। यही कारण है कि 2027 के लिए भाजपा के लिए सामाजिक समीकरण पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

रूस के नए डैन-टी ड्रोन के सैकड़ों युद्धक परीक्षण, प्रभावी होने का दावा

मॉस्को। रूस के नए डैन-टी ड्रोन के विशेष सैन्य अभियान के दौरान सैकड़ों युद्धक प्रक्षेपण किए जा चुके हैं और यह हथियार उच्च प्रभावशीलता प्रदर्शित कर रहा है। रूस की सरकारी रक्षा कंपनी रोस्टेक के आयुध, गोला-बारूद एवं विशेष रसायन क्लस्टर के औद्योगिक निदेशक तथा रूसी इंजीनियरिंग यूनियन के ब्यूरो सदस्य बेखान ओजदोएव ने रिया नोवोस्ती को यह जानकारी दी।ओजदोएव ने बताया कि डैन-टी को पहली बार 8 से 10 सितंबर 2026 तक मिस्र के एल अलामीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आयोजित एल अलामीन अंतरराष्ट्रीय एयर शो-2026 में प्रदर्शित किया गया था।उन्होंने कहा, "डैन-टी का विशेष सैन्य अभियान क्षेत्र में सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है। वास्तविक परिस्थितियों में इसके सैकड़ों प्रक्षेपण किए गए हैं। इसकी प्रभावशीलता काफी अधिक है।"ओजदोएव के अनुसार, डैन-टी ड्रोन पूरी तरह स्वायत्त तरीके से अपने लक्ष्य तक पहुंचता है और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तथा वायु रक्षा प्रणालियों के भारी प्रतिरोध के बावजूद लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम है। ड्रोन की नियंत्रण प्रणाली उसे कम ऊंचाई पर उड़ान भरने तथा पहाड़ियों, जंगलों और इमारतों जैसी बाधाओं से बचने में सक्षम बनाती है।ओजदोएव ने कहा कि ड्रोन को दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों के लिए बेहद कठिन लक्ष्य बनाया गया है। इसके डिजाइन में कम दृश्यता वाले तत्व शामिल हैं और इसका विद्युत चुंबकीय सिग्नल बिखराव क्षेत्र भी कम है।

नेपाल में बाढ़ से बुनियादी ढांचों को हुआ 1.72 लाख करोड़ का नुकसान, पुनर्निर्माण में 4.73 लाख करोड़ की जरूरत

काठमांडू। सरकार की ओर से गठित टीम ने 'रसुवा-भोटेकोशी बाढ़ 2083: त्वरित क्षति एवं आवश्यकता आकलन' रिपोर्ट में बताया गया है कि नेपाल में बाढ़ ने बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। बाढ़ से अकेले बुनियादी ढांचे को 172.34 अरब रुपये का नुकसान हुआ है। क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए करीब 473.57 अरब नेपाली रुपये की जरूरत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक ऊर्जा क्षेत्र की जलविद्युत परियोजनाओं और ट्रांसमिशन लाइनों को सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। इस क्षेत्र में 134.69 अरब रुपये का नुकसान हुआ है और इसके पुनर्निर्माण के लिए करीब 390 अरब रुपये की जरूरत अनुमानित है। नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे को करीब 56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बाढ़ से सड़कों को करीब 22 अरब रुपये का नुकसान हुआ, जबकि इनके पुनर्निर्माण के लिए 55.18 अरब रुपये से अधिक की जरूरत होगी। इसी तरह पुलों को 11.35 अरब रुपये का नुकसान हुआ है और इनके पुनर्निर्माण में करीब 18.06 अरब रुपये खर्च होने का अनुमान है। दूरसंचार क्षेत्र में करीब 62 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और इसके पुनर्निर्माण के लिए लगभग 1 अरब रुपये की जरूरत होगी। बाढ़ से जलापूर्ति और स्वच्छता से जुड़े बुनियादी ढांचे को 1.38 अरब रुपये का नुकसान हुआ, जबकि सिंचाई संरचनाओं को 1.64 अरब रुपये का नुकसान पहुंचा है।इसके अलावा बाढ़ में निजी और सरकारी मकानों, स्कूलों, स्वास्थ्य चौकियों और सांस्कृतिक संरचनाओं को करीब 67.84 अरब रुपये का नुकसान हुआ है। इन सुविधाओं के पुनर्निर्माण के लिए लगभग 100 अरब रुपये की जरूरत अनुमानित की गई है। सरकार के आकलन के अनुसार बाढ़ से हुआ कुल भौतिक नुकसान 274.48 अरब नेपाली रुपये है। सभी क्षतिग्रस्त संरचनाओं के पुनर्निर्माण के लिए करीब 723.31 अरब रुपये की जरूरत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक कुल पुनर्निर्माण राशि में से करीब 9 अरब रुपये पहले छह महीनों के तत्काल राहत और पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के लिए आवश्यक होंगे। बाकी राशि का इस्तेमाल दीर्घकालीन पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए किया जाएगा।

मप्रः खजराना गणेश का 7 करोड़ के स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार, चिंतामन में उल्टा स्वास्तिक की परंपरा

भोपाल। गणेश चतुर्थी पर सोमवार को घरों से लेकर मंदिरों और गणेश पंडालों तक गणपति उत्सव की शुरुआत हो रही है। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के खजराना गणेश मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये के स्वर्ण आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार किया गया, जबकि बड़ा गणपति मंदिर में 101 किलो लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में श्रद्धालु मनोकामना के लिए उल्टा स्वास्तिक बनाने की परंपरा निभाएंगे।

मध्य प्रदेश में घरों से लेकर बड़े गणेश मंदिरों और पंडालों तक उत्सव की धूम मची हुई है। इंदौर के खजराना गणेश, बड़ा गणपति और उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में विशेष पूजन, श्रृंगार और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। खजराना गणेश मंदिर में भगवान गणेश का स्वर्ण आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। इससे पहले रविवार को ब्रह्ममुहूर्त में भगवान को हीरे जड़ित नेत्र धारण कराए गए। गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंदिर में सवा लाख मोदक का भोग भी लगाया गया। खजराना गणेश मंदिर में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान से प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने मंदिर में ध्वज पूजन भी किया। गणेश चतुर्थी के मौके पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और आयोजन किए जा रहे हैं। खजराना गणेश मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध गणेश मंदिरों में से एक है, जिसे वर्ष 1735 में होलकर वंश की महान महारानी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था। मान्यता है कि यहां भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। इंदौर के पश्चिम क्षेत्र में स्थित बड़ा गणपति मंदिर में इस बार गणेशोत्सव खास है। मंदिर को 125 साल पूरे हो रहे हैं। यहां भगवान गणेश की 25 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी अद्भुत प्रतिमा है। प्रतिमा 4 फीट चौड़े और 16 फीट लंबे चौकोर आसन पर विराजमान है, जो पांच फीट ऊंचा है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित धनेश्वर दाधिच के मुताबिक, गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में भक्त भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सोमवार को सवा मन शुद्ध गाय के घी से घर पर बनाए गए लड्डुओं का भोग भगवान को अर्पित किया जाएगा।

बंगाल : मुर्शिदाबाद में छापेमारी के दौरान पुलिस टीम पर बम से हमला, एएसआई अस्पताल में भर्ती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के सलार थाना क्षेत्र में जुए के अड्डे पर छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम पर बम से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। रविवार रात खाड़ेरा गांव में हुई इस घटना में सलार थाने के एएसआई सादेक अली गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल बहरमपुर स्थित मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और सोमवार सुबह भी गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, खाड़ेरा गांव में रविवार रात जुए का अड्डा चलने की सूचना मिली थी। इसके बाद सलार थाने की पुलिस ने वहां अभियान चलाया। आरोप है कि पुलिस के पहुंचते ही जुए में शामिल लोग मौके से भागने लगे और पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर लगातार बम फेंके गए। इसी दौरान एक बम की चपेट में आने से एएसआई सादेक अली गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायल पुलिस अधिकारी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। वहीं, बमबाजी की सूचना मिलते ही मुर्शिदाबाद पुलिस जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी रात में खाड़ेरा गांव पहुंचे। पुलिस ने आरोपितों की तलाश में इलाके में छापेमारी शुरू की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। सोमवार सुबह भी खाड़ेरा गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बमबाजी में कौन-कौन लोग शामिल थे और पुलिस टीम पर हमले की साजिश के पीछे और कोई व्यक्ति था या नहीं। मामले की जांच सलार थाना पुलिस कर रही है।

पुलिस ने मनोज जरांगे की दूसरी अर्जी भी ठुकराई, अकेले मुंबई कूच की घोषणा

समर्थकों से गांवों में रहने की अपील

एजेंसी, मुंबई

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे की ओर से मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल की अनुमति के लिए दी गई दूसरी अर्जी भी सोमवार को पुलिस ने नामंजूर कर दी। इसके बाद जरांगे ने कहा कि वह मंगलवार को अकेले मुंबई कूच करेंगे। उन्होंने समर्थकों से फिलहाल 'वेट एंड वॉच' की भूमिका में रहने और अपने-अपने गांवों में सुरक्षित रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर मराठा समाज को मुंबई बुलाया जाएगा। इससे पहले जरांगे की ओर से आजाद मैदान पुलिस थाने में भूख हड़ताल की अनुमति के लिए अर्जी दी गई थी, जिसे पुलिस ने रविवार को सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए नामंजूर कर दिया था। इसके बाद सोमवार सुबह नई अर्जी दी गई। इसमें कहा गया था कि जरांगे अब केवल पांच से 10 कार्यकर्ताओं के साथ भूख हड़ताल करेंगे। हालांकि, पुलिस ने दूसरी अर्जी भी खारिज कर दी।

इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बाबत कहा कि मनोज जरांगे की ज्यादातर मांगें मान ली गई हैं। केवल उन्हीं मांगों को स्वीकार नहीं किया गया है, जो कानूनी दायरे में नहीं आतीं। उन्होंने जरांगे से आंदोलन वापस लेने की अपील की। दरअसल, जरांगे के अनशन का सोमवार को 17वां दिन है। उन्होंने कहा कि मुंबई जाने का फैसला वापस नहीं लिया गया है और वह तय रूट से ही मुंबई जाएंगे। हालांकि, अब उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि वह दो कार और दो एंबुलेंस के साथ मुंबई जाएंगे, ताकि रास्ते में किसी वाहन में खराबी आने पर परेशानी न हो।

जरांगे ने कहा, "कल हम सुबह 11 बजे मुंबई के लिए निकलेंगे। मुंबई जाने की बात वापस नहीं ली जाएगी। इससे समाज के स्वाभिमान को ठेस नहीं पहुंचेगी। मैं तय रूट से मुंबई जाना चाहता हूं। मेरे साथ दो एंबुलेंस होंगी और 10 लोगों से ज्यादा कोई नहीं होगा।" उन्होंने कहा कि सलाइन और पानी की वजह से उन्हें परेशानी हो रही है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अकेले मुंबई जाने का फैसला किया है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि जब वह अकेले जा रहे हैं तो क्या उन्हें मुंबई जाने की अनुमति दी जाएगी।

जरांगे ने राज्य सरकार पर त्योहारों की आड़ में मराठा आंदोलन को रोकने की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह सरकार के कथित प्रयास को विफल करेंगे और अकेले मुंबई जाकर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

उन्होंने मराठा समाज से अपील की कि समर्थक मंगलवार को मुंबई की ओर न आएं और अपने-अपने गांवों में सुरक्षित रहें। आंदोलन के लिए जिन ट्रेनों और वाहनों की व्यवस्था की गई है, उन्हें फिलहाल रोककर रखने को कहा गया है। जरांगे ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सही समय पर समाज को मुंबई बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समर्थकों को परेशानी से बचाने के लिए उन्होंने अपना फैसला बदला है, लेकिन इसका मतलब आंदोलन से पीछे हटना नहीं है।

ब्रिक्स की शानदार सफलता पर चिदंबरम देश से माफी मांगें : शांता कुमार

एजेंसी, शिमला

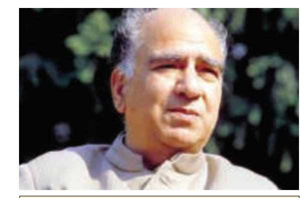

♦ विश्व शांति और संवाद की दिशा में भारत कर रहा ऐतिहासिक प्रयास, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की भूमिका महत्वपूर्ण

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने ब्रिक्स बैठक की सफलता को भारत की बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि बताते हुए कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स बैठक की शानदार सफलता के बाद चिदंबरम को अपने बयान पर पुनर्विचार करते हुए पूरे देश से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विचारधाराओं और परस्पर विरोधी हितों वाले विश्व के बड़े देशों के नेताओं को भारत में एक मंच पर लाकर संवाद कराना अपने आप में असाधारण उपलब्धि है।

शांता कुमार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि भारत आज विश्व शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में शांति कायम करने और देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी, लेकिन वर्तमान समय में दुनिया के सामने मौजूद अनेक संघर्षों और तनावों के बीच उसकी भूमिका और प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे दौर में भारत द्वारा विभिन्न देशों को संवाद की मेज पर लाना एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स बैठक भारत में होने की खबर सामने आते ही कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा था कि इससे भारत को कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने सवाल किया था कि ऐसी बैठकों से आज तक भारत को एक भी लाभ हुआ है तो बताया जाए। शांता कुमार ने कहा कि इसके अगले ही दिन कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इससे अलग राय व्यक्त करते हुए कहा कि जब विश्व के विरोधी विचारों वाले बड़े देशों के नेता भारत में एक साथ बैठेंगे और विचार-विमर्श करेंगे तो इसका भारत को लाभ होगा।

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के कैडर और वसूलीकर्ता गिरफ्तार

♦ हेरोइन व नशीली कैप्सूल बरामद

एजेंसी, इंफाल

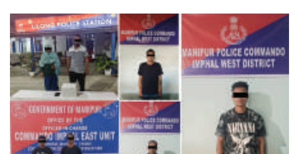

मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में विभिन्न प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े कई सक्रिय कैडरों और कथित वसूलीकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इस दौरान मादक पदार्थ भी बरामद किए गए। असम राइफल्स से मिली सूचना के आधार पर सीडीओ-इंफाल पश्चिम की टीम ने मोइदांगपोक इलाके में अभियान चलाकर केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय कैडर 26 वर्षीय थांगजाम सनातोम्बा सिंह उर्फ थेम्बुंग को गिरफ्तार किया। वह मोइदांगपोक माखा लीकाई का रहने वाला है।

एक अन्य अभियान में सीडीओ-इंफाल पश्चिम ने तकीयेल खोंगबल लैराक अचौबा इलाके में तलाशी अभियान चलाकर केसीपी (अपुनबा) के सक्रिय सदस्य 26 वर्षीय संजेनबाम अल्बर्ट मीतेई उर्फ लुखोई को उसके आवास से गिरफ्तार किया। उस पर वसूली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। पटसोई यूनिक-खोंग बाजार इलाके में चलाए गए अभियान में पीआरई-पीएके (पीआरओ) के सदस्य 48 वर्षीय खोंगबंतबाम इनाओ सिंह उर्फ इबोयाइमा को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 18,500 नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इधर, लिलोंग थाना और सीडीओ-थौबल की संयुक्त टीम ने लिलोंग उसोइपोकपी से बीबी लेइहान (66) और मोहम्मद फारूक (40) को गिरफ्तार किया।

एनसीपीआई के 20 में से 17 लोकसभा सांसद अगले महीने भाजपा में शामिल हो सकते हैं : बसुनिया

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए 20 लोकसभा सांसदों में से 17 अगले महीने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं। कूचबिहार से लोकसभा सांसद और एनसीपीआई सांसदों के खेमे के प्रमुख नेताओं में शामिल जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने सोमवार को यह दावा किया। बसुनिया ने कहा कि मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान, बहरामपुर से यूसुफ पठान और जंगीपुर से खलीलुर रहमान सीधे भाजपा में शामिल नहीं होना चाहते। हालांकि, ये तीनों सांसद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ बने रहेंगे।

उन्होंने दावा किया कि शेष 17 सांसद दुर्गा पूजा से पहले या उसके तुरंत बाद एनसीपीआई छोड़कर भाजपा में शामिल होंगे। बसुनिया के मुताबिक, दो-तिहाई सांसदों के किसी दल में विलय के लिए 14 सांसदों की जरूरत होती है, जबकि उनके खेमे में 17 सांसद हैं। ऐसे में उनके खिलाफ दल-बदल कानून लागू नहीं होगा।

बसुनिया ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले से जुड़े तीनों सांसद अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उनके लिए सीधे भाजपा में शामिल होने में व्यावहारिक दिक्कतें हैं। हालांकि, वे राजग का हिस्सा बने रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की 42 में से 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद उसके 20 लोकसभा सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने का दावा किया गया है। ये सांसद राजग का भी हिस्सा बनने की बात कही गई है।

इन 20 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उन्हें एनसीपीआई के लोकसभा सदस्यों के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। हालांकि, अभी तक लोकसभा अध्यक्ष की ओर से इस संबंध में कोई मान्यता नहीं दी गई है। लोकसभा के आधिकारिक रिकॉर्ड में ये सांसद अब भी तृणमूल कांग्रेस के सदस्य के रूप में दर्ज हैं। ऐसे में बसुनिया के ताजा दावे से पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। यदि 17 सांसद भाजपा में शामिल होते हैं, तो इससे राज्य में भाजपा और राजग की संसदीय ताकत में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकता है।

मप्र में फर्जी पासपोर्ट का बड़ा खेल, एक फोन पर क्लियर होते थे आवेदन, 12 अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

एजेंसी, ग्वालियर/भोपाल

मध्य प्रदेश में बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी भारतीय दस्तावेज और पासपोर्ट तैयार कराने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए खुलासे सामने आ रहे हैं। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की पड़ताल में भोपाल, ग्वालियर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और बैतूल से जुड़े 12 पुलिस अधिकारियों और अन्य विभागों के कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध मिली है। सभी जांच के दायरे में हैं और उनसे पूछताछ की तैयारी है। एसटीएफ जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क वर्ष 2021 में ग्वालियर के डबरा से सक्रिय हुआ था और बाद में भोपाल समेत कई शहरों तक फैल गया। अकेले भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र के अन्ना नगर स्थित एक मठ के पते का इस्तेमाल कर करीब 40 पासपोर्ट के आवेदन तैयार किए गए। वहीं डबरा के एक बुद्ध विहार के पते से 17 बांग्लादेशी नागरिकों के भारतीय दस्तावेज और पासपोर्ट बनाए गए। इस तरह इन दोनों ठिकानों से ही 57 संदिग्ध पासपोर्ट सामने आए हैं। चार जिलों में अब तक 70 से ज्यादा संदिग्ध पासपोर्ट मिलने की बात सामने आई है और एसटीएफ को आशंका है कि प्रदेश में इनकी संख्या 100 के पार जा सकती है।

सबसे चौंकाने वाली बात डबरा से सामने आई है। एसटीएफ जांच के मुताबिक संदिग्ध पासपोर्ट आवेदन थाने में वेरिफिकेशन के लिए पहुंचने से पहले ही वहां फोन आ जाता था। फोन करने वाला आवेदन को अर्जेंट बताते हुए उसे जल्द क्लियर करने के लिए कहता था। इसके बाद सत्यापन की प्रक्रिया तेजी से पूरी कर दी जाती थी। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि थाने में पहले से सूचना किसे और कैसे मिलती थी।

वर्ष 2021 में जब डबरा से ये पासपोर्ट सत्यापित हुए, उस दौरान विनायक शुक्ला थाना प्रभारी थे, जो वर्तमान में दतिया में डीएसपी हैं। पासपोर्ट वेरिफिकेशन सेल की जिम्मेदारी प्रधान आरक्षक भूपेंद्र गुर्जर के पास थी। कुछ समय के लिए सुरेंद्र सिंह भी थाना प्रभारी रहे। एसटीएफ इन अधिकारियों से पूछताछ कर यह जानना चाहती है कि संदिग्ध आवेदनों की जानकारी फोन करने वाले तक कैसे पहुंचती थी।

जांच में यह भी सामने आया कि 17 संदिग्ध पासपोर्ट में एक ही गवाह, एक ही पता और एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल हुआ। इतने स्पष्ट समानताओं के बावजूद सत्यापन के दौरान मामला पकड़ में नहीं आना पुलिस व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े करता है। रैकेट के मुख्य आरोपित रियाल चौधरी को लेकर भी जांच में अहम जानकारी मिली है। पूछताछ में पता चला कि उसके नाम से चार अलग-अलग पासपोर्ट बने थे और इन सभी में फर्जी दस्तावेज लगाए गए थे। आरोप है कि उसने डबरा के दो स्थानीय दलालों की मदद से ये दस्तावेज तैयार करवाए। इस मामले में रियाल चौधरी, जाय चौधरी बरुआ, महाराष्ट्र के उल्हासनगर से पकड़े गए प्रियान राय और साउथ दिल्ली से गिरफ्तार विप्लव अधिकारी समेत चार आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

डूटा के पूर्व अध्यक्ष आदित्य नारायण मिश्रा कई शिक्षाविदों के साथ कांग्रेस में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के तीन बार अध्यक्ष रह चुके डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा समेत कई शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों ने सोमवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने सभी को पटका पहनाकर पार्टी में विधिवत शामिल कराया। कांग्रेस की सदस्यता लेने के बाद डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने के लिए कांग्रेस में आए हैं। राहुल गांधी उच्च शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था पर हो रहे सुनियोजित हमलों के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं। सरकारी वित्तीय सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों को बचाने और सभी वर्गों के लिए शिक्षा में सामाजिक न्याय व समानता सुनिश्चित करने की लड़ाई में वे भी सहभागी बनने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर में हजारों प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल बंद किए जा रहे हैं और अब उच्च शिक्षा भी इसी गंभीर संकट की ओर बढ़ रही है।

राजेंद्र पाल गौतम ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. मिश्रा और उनके साथियों ने संविधान, लोकतंत्र और सार्वजनिक शिक्षा को बचाने के संकल्प के साथ यह कदम उठाया है।

असम : कछार पुलिस ने करीब 13 करोड़ की हेरोइन जब्त की, एक गिरफ्तार

एजेंसी, कछार (असम)

कछार पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के दौरान सिलचर के रामनगर बाइपास क्षेत्र में एक ट्रक से 2.2 किलो संदिग्ध हेरोइन बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। काले बाजार में इसकी कीमत 13 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

पुलिस के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर सिलचर थाना क्षेत्र के रामनगर बाइपास स्थित संगाई होटल के पास अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने पंजीकरण संख्या एएस-01-एनसी-8893 वाले एक ट्रक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में बने गुप्त कक्ष से साबुन के 150 डिब्बे बरामद हुए, जिनमें संदिग्ध हेरोइन छिपाकर रखी गई थी। बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन करीब 2.2 किलोग्राम बताया गया है। काले बाजार में इसकी कीमत 13 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है।

मामले में अब्दुल रहीम लस्कर को गिरफ्तार किया गया है। वह कछार जिले के ढोलाई थाना क्षेत्र के लैलापुर स्थित फ्रेंच नगर का निवासी है। पुलिस के मुताबिक, ट्रक मिजोरम के चम्फाई जिले से आ रहा था। मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े आगे और पीछे के नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा ने की 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर देशवासियों से 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मूल ध्येय 'जन सेवा से देश सेवा' रहा है और पिछले 25 वर्षों में उन्होंने इसी संकल्प के साथ देश की सेवा की है।

नितिन नवीन ने सोमवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि जब मोदी ने देश का नेतृत्व संभाला, उस समय देश के सामने कई चुनौतियां थीं। उन्होंने नई नीतियों और योजनाओं के जरिए आम लोगों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। कोरोना महामारी के दौरान भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया और वैक्सीन विकसित कर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अपनी क्षमता दिखाई।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए। स्टार्टअप के जरिए युवाओं को नए अवसर मिले, वहीं शौचालय निर्माण और लखपति दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर दिया गया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश की सुरक्षा के मोर्चे पर भी बड़ा बदलाव आया है। नक्सलवाद के प्रभाव को काफी हद तक खत्म किया गया है और आतंकवाद के खिलाफ भी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि आज देश अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर पहले से अधिक मजबूत स्थिति में है।

नितिन नवीन ने कहा कि देश 'विकसित भारत @ 2047' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर को शाम 6 से 7 बजे के बीच अपने घरों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाएं और उनके दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करें।

rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, मंगलवार, 15 सितंबर, 2026

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन का खिताब, अमेरिकी उम्मीदें फिर टूटीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

अमेरिका की अपने किसी खिलाड़ी को 2003 के बाद पहली बार यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतते देखने की उम्मीद एक बार फिर टूट गई। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भारतीय समयानुसार सोमवार तड़के फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया। मुकाबला करीब साढ़े तीन घंटे चला। 29 वर्षीय ज्वेरेव का यह करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह इस साल फ्रेंच ओपन भी जीत चुके हैं। छह साल पहले फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में ज्वेरेव दो सेट की बढ़त के बावजूद डोमिनिक थीम से हार गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रहे शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई। उन्होंने 12वें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट अपने नाम किया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दबाव में अपना संयम बनाए रखा। ज्वेरेव ने चौथे सेट के पहले ही गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बिना किसी परेशानी के अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया। अमेरिकी खिलाड़ी के लिए शुरुआत बेहद खराब रही।

शेल्टन को पहले ही सर्विस गेम में ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने डबल फॉल्ट कर दिया। ज्वेरेव ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल था और उन्होंने अपनी दमदार सर्विस से शेल्टन को कोई मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में ज्वेरेव ने पहली सर्विस के बाद 80 में से 68 अंक यानी 85 प्रतिशत अंक जीते। पहले सेट के नौवें गेम में शेल्टन को एक और ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने फिर डबल फॉल्ट कर दिया, जिससे ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में शेल्टन ने बेहतर प्रदर्शन किया और ज्वेरेव की सर्विस पर कोई ब्रेक प्वाइंट नहीं बनाया जा सका। हालांकि टाईब्रेक में ज्वेरेव ने 5-0 की बढ़त बनाकर सेट पर कब्जा कर लिया। उनके दमदार सर्विस के जवाब में शेल्टन का फोरहैंड रिटर्न नेट में चला गया। शेल्टन ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 12 सेट गंवाने का सिलसिला तीसरे सेट में खत्म किया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। ज्वेरेव ने चौथे सेट में तुरंत नियंत्रण हासिल कर लिया और अंततः ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

महिला एशिया कप : नकवी से ट्रॉफी नहीं लेने के विवाद पर बोले अमोल मजूमदार, बीसीसीआई के फैसले के साथ हैं

एजेंसी, दुबई

महिला एशिया कप 2026 के फाइनल के बाद ट्रॉफी वितरण को लेकर उठे विवाद पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि इस मामले में बीसीसीआई ने जो रुख अपनाया है, टीम उसके साथ खड़ी है।

भारत ने रविवार को श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी पाकिस्तान सरकार में भी शामिल हैं। यह घटनाक्रम पिछले साल के पुरुष एशिया कप फाइनल की याद दिलाता है। तब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पाकिस्तान को फाइनल में हराने के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। मैच के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, "यह रुख बीसीसीआई ने अपनाया है और हम इसके साथ खड़े हैं। हमारे लिए यह टूर्नामेंट समाप्त हो चुका है। हम चैंपियन हैं।" उन्होंने आगे कहा, "बड़े बोर्ड पर लिखा था कि भारत एशिया कप 2026 का चैंपियन है। हमारे लिए यह टूर्नामेंट आधिकारिक रूप से समाप्त हो चुका है। अब हमारा ध्यान एशियाई खेलों पर है।" भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप का आठवां खिताब अपने नाम किया और अब टीम का अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में मजबूत प्रदर्शन करना है।

विश्व तीरंदाजी कप फाइनलः धीरज बोम्मदेवरा ने रचा इतिहास, पुरुष रिकर्व में जीता स्वर्ण

एजेंसी, साल्टिलो (मेक्सिको)

भारत के धीरज बोम्मदेवरा ने एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूती देते हुए रविवार को विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में पुरुष रिकर्व वर्ग का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। धीरज ने खिताबी मुकाबले में जापान के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता नाकानिशी जुन्या को शूट-ऑफ में हराया। विजयवाड़ा के 25 वर्षीय धीरज विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। निर्धारित पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबर रहा, जिसके बाद शूट-ऑफ हुआ। इसमें धीरज ने 10 अंक का निशाना साधा, जबकि नाकानिशी 9 अंक ही हासिल कर सके। पहले सेट में दोनों तीरंदाजों ने 28-28 अंक हासिल किए और एक-एक अंक बांटा। नाकानिशी ने दूसरा सेट 29-28 से जीतकर 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन धीरज ने तीसरा सेट 29-28 से अपने नाम कर स्कोर बराबर कर दिया। नाकानिशी ने चौथे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो इनर-10 समेत कुल 29 अंक हासिल किए, जबकि धीरज 28 अंक ही बना सके। इससे जापानी तीरंदाज ने दबाव बढ़ा दिया।

निर्णायक पांचवें सेट में दोनों ने पहली तीर से 9-9 अंक बनाए। धीरज ने दूसरी तीर पर 10 अंक हासिल कर बढ़त बनाई, जबकि नाकानिशी ने फिर 9 अंक जुटाए। धीरज की तीसरी तीर 9 अंक की रही। ऐसे में नाकानिशी को स्वर्ण जीतने के लिए 10 अंक की जरूरत थी, लेकिन वह लगातार तीसरी बार 9 अंक ही हासिल कर सके और मुकाबला शूट-ऑफ तक पहुंच गया।

तन्वी पत्री ने जीता बैडमिंटन एशिया अंडर-17 का खिताब, शाइना मनिमुथु को हराकर बनीं चैंपियन

एजेंसी, नई दिल्ली : भारत की 15 वर्षीय तन्वी पत्री ने रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर-17 एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। फाइनल में तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन शाइना मनिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से हराया। ओडिशा की तन्वी ने इस जीत के साथ महाद्वीपीय अंडर-17 खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इससे पहले पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था और इसी साल बेंगलुरु में ऑल इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया था। तन्वी ने 2024 में अंडर-15 एशियाई खिताब जीता था और अब उन्होंने अंडर-17 एशियाई चैंपियन बनकर अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। उनकी जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरे वर्ष अंडर-17 लड़कियों के एकल का खिताब अपने पास बरकरार रखा। पिछले साल दीक्षा सुधाकर ने यह खिताब जीता था। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने फाइनल तक पहुंचने के लिए कड़े मुकाबलों से गुजरते हुए शानदार प्रदर्शन किया। पहले दौर में बाई मिलने के बाद उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली को 18-16, 12-15, 15-13 से हराया।

महिला एशिया कप फाइनलः श्री चरणी ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक साल में सर्वाधिक विकेट लेने का बनाया भारतीय रिकॉर्ड

एजेंसी, दुबई

भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर एन. श्री चरणी ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ महिला एशिया कप 2026 के फाइनल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले के 14वें ओवर में श्री चरणी ने हरशिता समरविक्रमा को अपनी ही गेंद पर कैच कर पवेलियन भेजा। इस विकेट के साथ उनके इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 36 विकेट हो गए और उन्होंने पूनम यादव का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। चरणी ने मैच में 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके नाम इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अब 39 विकेट हो गए हैं। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने श्रीलंका को हराकर महिला एशिया कप का खिताब भी जीत लिया। लेग स्पिनर पूनम यादव ने 2018 में 35 पारियों में 35 विकेट लिए थे। वहीं, 22 वर्षीय श्री चरणी ने महज 20 पारियों में 39 विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की है। श्री चरणी ने बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में पूनम यादव के 35 विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में हरशिता का विकेट लेते ही वह इस रिकॉर्ड से आगे निकल गईं। आंध्र की इस स्पिनर ने पिछले साल अप्रैल में श्रीलंका के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली थी।

एटीपी रैंकिंगः आठ साल बाद टॉप-10 से बाहर हुए नोवाक जोकोविच, 12वें स्थान पर खिसके

एजेंसी, नई दिल्ली

यूएस ओपन के पहले दौर में मिली चौंकाने वाली हार के बाद 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच सोमवार को जारी ताजा एटीपी रैंकिंग में शीर्ष-10 से बाहर हो गए। 39 वर्षीय जोकोविच अब विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। जोकोविच को यूएस ओपन के पहले दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नाओने ने चार घंटे 36 मिनट चले मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया। यह 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार था जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारकर बाहर हुए। चार बार के यूएस ओपन चैंपियन जोकोविच पिछले साल फ्लशिंग मीडोज में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्हें स्पेन के कार्लोस अल्कराज़ से हार मिली थी। इस साल अपने पिछले साल के रैंकिंग अंक का बचाव नहीं कर पाने के कारण उन्हें शीर्ष-10 से बाहर होना पड़ा। जोकोविच ने 2007 में पहली बार एटीपी रैंकिंग के शीर्ष-10 में जगह बनाई थी। 2017 में विंबलडन क्वार्टर फाइनल के दौरान कोहनी की समस्या के कारण उन्हें मुकाबला छोड़ना पड़ा था और वह बाकी सत्र से बाहर रहे थे। इसके बाद नवंबर में वह शीर्ष-10 से बाहर हो गए थे। हालांकि, 2018 में घास के इस ग्रैंड स्लैम का चौथा खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिर शीर्ष-10 में वापसी की थी। जोकोविच के नाम एटीपी रैंकिंग इतिहास में विश्व नंबर-1 के रूप में सबसे अधिक 428 सप्ताह बिताने का रिकॉर्ड है।

पाकिस्तान पर धीमी ओवर गति की मार, 11 डब्ल्यूटीसी अंक कटे

50 प्रतिशत मैच फीस का लगा जुर्माना

एजेंसी, दुबई

इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले गए तीसरे और अंतिम टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम पर बड़ी कार्रवाई हुई है। पाकिस्तान की टीम पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है और उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 11 अंक भी काट लिए गए हैं।

आईसीसी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तान टीम निर्धारित समय में 11 ओवर कम कर पाई। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद टीम को 11 ओवर कम पाया गया। आईसीसी के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराध के लिए प्रत्येक कम ओवर पर खिलाड़ी की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इसकी अधिकतम सीमा मैच फीस का 50 प्रतिशत है। इसी के चलते पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के तहत निर्धारित लक्ष्य से प्रत्येक ओवर कम रहने पर एक अंक काटा जाता है। इस आधार पर पाकिस्तान के कुल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंकों में से 11 अंक कम कर दिए गए।

ये प्रतिबंध आईसीसी मैच रेफरी रंजन मदुगले, मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और क्रिस गैफनी, तीसरे अंपायर अल्लाहुद्दीन पालेकर तथा चौथे अंपायर रसेल वॉरेन ने लगाए। पाकिस्तान को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में एक भी जीत नहीं मिली। टीम को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में पारी और 103 रन से, लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में 194 रन से और एजबेस्टन में तीसरे टेस्ट में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आईसीसी के अनुसार, 11 अंक कटने के बाद पाकिस्तान विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में और नीचे खिसक गया है। टीम अब 4.63 प्रतिशत अंक के साथ नौवें स्थान पर है। पाकिस्तान ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में अब तक नौ टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे केवल दो मैचों में जीत मिली है, जबकि सात मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 27 अक्टूबर से, मोहाली और जालंधर करेगा मेजबानी

एजेंसी, मोहाली

हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी-2026 का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के मोहाली और जालंधर में किया जाएगा। टूर्नामेंट की तारीखों की आधिकारिक घोषणा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को मोहाली में की। महाद्वीपीय स्तर के इस प्रतिष्ठित हॉकी टूर्नामेंट के मुकाबले मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम और जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। जालंधर में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक उद्घाटन समारोह के साथ लीग चरण के सभी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद टूर्नामेंट मोहाली पहुंचेगा, जहां 4 नवंबर को दोनों सेमीफाइनल और 5 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि ऐतिहासिक हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 पंजाब के लिए केवल एक हॉकी टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि यह उस खेल की भावनात्मक घर वापसी है, जिसने भारतीय हॉकी के कई दिग्गजों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा, "पहली बार पंजाब अपनी धरती पर इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। पंजाब सरकार इसे खिलाड़ियों, दर्शकों और भारत तथा दुनिया भर के हॉकी प्रेमियों के लिए यादगार खेल आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।" इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव, कार्यकारी बोर्ड सदस्य आरपी सिंह और हॉकी पंजाब के अध्यक्ष नितिन कोहली भी मौजूद रहे। टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष हॉकी टीमों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन और जापान को प्रतिभागी टीमों में शामिल किया गया है, जबकि ओमान और बांग्लादेश रिजर्व टीमों के रूप में हैं। हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एशियाई हॉकी महासंघ के कैलेंडर के प्रमुख टूर्नामेंटों में शामिल है। यह महाद्वीप की शीर्ष टीमों को उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का मंच प्रदान करता है। 2026 संस्करण के जरिए पंजाब की समृद्ध हॉकी विरासत और खेल में उसके योगदान को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

2027 विश्वकप में जीत के लिए अभी से तैयारियों में बदलाव की जरुरत : गावस्कर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में जीत हासिल करने के लिए टीम इंडिया को अभी से अपनी तैयारियों में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने की सलाह दी है। गावस्कर का मानना है कि इन बदलावों को समय रहते लागू करना भारतीय टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। गावस्कर ने विशेष रूप से भारतीय बल्लेबाजों को बड़ी बाउंड्री वाले मैदानों पर खेलने की आदत डालने पर जोर दिया। उनका तर्क है कि मेजबान देशों में अक्सर बड़े मैदान होते हैं, और भारतीय बल्लेबाजों को अभी से इसका अभ्यास करना होगा। इसके लिए उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को घरेलू क्रिकेट में बाउंड्री का आकार बढ़ाने का सुझाव दिया है। गावस्कर के अनुसार, नए घरेलू सत्र की शुरुआत के साथ ही यह बदलाव लागू कर देना चाहिए, ताकि बल्लेबाज अगले साल तक बड़े मैदानों में बाउंड्री लगाने के आदी हो सकें। उन्होंने लिखा, नया सत्र शुरू होते ही बाउंड्री का आकार बढ़ाना बेहद जरूरी है, जिससे हमारे बल्लेबाज अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले इसकी आदत डाल सकें। केवल बड़े शॉट लगाने से सफलता नहीं मिलती, गावस्कर ने एकदिवसीय क्रिकेट में बल्लेबाजों को मैच के हालात के अनुसार खेलने की अहमियत समझाई। उन्होंने सलाह दी कि बल्लेबाजों को यह समझना होगा कि किन गेंदबाजों के खिलाफ अनावश्यक जोखिम मोल नहीं लेना है और किन गेंदबाजों पर खुलकर शॉट खेले जा सकते हैं। उनका तर्क है कि किसी भी टीम के पास सभी पांच विश्वस्तरीय गेंदबाज नहीं होते, इसलिए हर मैच में रन बनाने के मौके हमेशा मिलते हैं, बस उन्हें पहचानने की जरूरत है। गावस्कर ने शॉट चयन को लेकर भी महत्वपूर्ण सलाह दी। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को अपनी छवि या अहंकार के दबाव में आकर हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। शॉट चयन बहुत महत्वपूर्ण होता है, उन्होंने कहा, बल्लेबाज को अपने अहंकार पर नियंत्रण रखना चाहिए और हर गेंद को उसकी गुणवत्ता के अनुसार खेलना चाहिए। उन्होंने टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट के बीच के अंतर को भी रेखांकित किया। जहां टी20 में शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की आवश्यकता होती है, वहीं एकदिवसीय प्रारूप में बल्लेबाजों के पास पिच और परिस्थितियों को समझने, अपनी पारी को संवारने और फिर बड़े शॉट खेलने के लिए पर्याप्त समय होता है।

डब्ल्ययूसीएल के तीसरे सत्र में खेलने के लिए तैयार हैं पूर्व दिग्गज

एजेंसी, दुबई

पूर्व क्रिकेटरों की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स लीग (डब्ल्यूसीएल) का तीसरा सत्र अगले माह 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। इस लीग में कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे जिसमें भारत के युवराज सिंह के अलावा पाकिस्तान के शाहिद अफ़रीदी, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर जैसे खिलाड़ी हैं। यह टूर्नामेंट 3 से 18 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह के शानदार स्टेडियमों में आयोजित होगा, जहाँ प्रशंसकों को इन पूर्व क्रिकेटरों को देखने का अवसर एक बार फिर मिलेगा।

लीग के पहले दो सत्र इंग्लैंड में सफलतापूर्वक आयोजित होने के बाद, यह पहली बार है जब टूर्नामेंट कहीं ओर खेला जा रहा है। यूएई में इसका आयोजन दक्षिण-एशियाई और प्रवासी क्रिकेट प्रशंसकों के लिए रोमांचक होगा। ये जो अपने पसंदीदा सितारों को अपनी नज़दीक से खेलते हुए देख पाएंगे। लीग ने सत्र 3 के फ़ाइनल कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इस लीग में दुनिया भर के पूर्व क्रिकेट सितारे अपनी-अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक साथ आएंगे। इनमें इंडिया चैंपियंस, पाकिस्तान चैंपियंस, ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस, इंग्लैंड चैंपियंस, साउथ अफ़्रीका चैंपियंस, वेस्ट इंडीज़ चैंपियंस और बांग्लादेश चैंपियंस जैसी टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होगा, जो हमेशा की तरह क्रिकेट प्रशंसकों के बीच ज़बरदस्त उत्साह पैदा करेगा। इसके अतिरिक्त, कई अन्य मैचों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की पुरानी प्रतिद्वंद्विताएँ एक बार फिर ताज़ा होंगी, जिसमें खेल के कुछ सबसे जाने-माने पूर्व खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। लीग के अनुसार, दूसरे सत्र के दौरान 425 मिलियन दर्शकों की वैश्विक संख्या हासिल करने के बाद, यह टूर्नामेंट अब अपनी लोकप्रियता को भुनाने और एक नए दर्शक वर्ग तक पहुँचने के लिए तैयार है।

rashtria mukhyadhara

बच्चों को अखबार पढ़ने से मिलते हैं ढेर सारे फायदे

कुछ लोग रोजाना सुबह उठकर अखबार पढ़ना पसंद करते हैं। ना सिर्फ लोग बल्कि कई स्कूलों में भी बच्चों को पढ़ने के लिए अखबार दिए जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि अखबार पढ़ने से बच्चों को कौन से फायदे मिलते हैं? दरअसल रोजाना अखबार पढ़ने की हैबिट हर उम्र के लोगों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। इस आदत की मदद से आपको लाइफ टाइम ढेर सारे फायदे मिलते हैं। चलिए जानते हैं इस विषय के बारे में विस्तार से।

रीडिंग हैबिट होती है अच्छी

अखबार बोल-बोल के पढ़ने से बच्चों की रीडिंग हैबिट काफी अच्छी होती है। अखबार में लिखी खबरों के लिए हर तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में जब बच्चे खबर पढ़ते हैं तो उससे उन्हें शब्दों को तोड़-तोड़ कर पढ़ना आ जाता है।

खबरों के बारे में चलता है पता

चाहे कोई बच्चा हो या बड़ा, हमें खबरों के बारे में अच्छे से पता होना चाहिए। शुरुआत से ही खबरों पर पकड़ बनाने पर आगे चलकर एक अच्छी नॉलेज मिल पाती है। बच्चे जब खबर पढ़ते हैं तो उन्हें देश और विदेश में क्या चल रहा है यह भी मालूम हो जाता है।

लिखना सुधरता है

पढ़ने के साथ-साथ बच्चों को लिखना सिखाने के लिए भी अखबार की मदद ली जा सकती है। बच्चा जब खबरों की पंक्तियों को पढ़ता है तो उसे वाक्य बनाने आते हैं और मात्राओं को भी ज्ञान मिलता है।

शब्दकोश मजबूत होता है

अखबार पढ़ने से हमारा शब्दकोश भी बड़ा होता है जिससे हम बात करते वक्त अपनी भावनाओं को ढेर सारे शब्दों में व्यक्त कर पाते हैं। बच्चों का शब्दकोश बड़ा होने पर उनके लिखने की आदत भी सुधरी है।

नौकरी में मिलती है मदद

जब एक बच्चा अखबार पढ़कर ऊपर दिए गए सारे बिंदु प्राप्त कर लेता है तो उसे नौकरी के दौरान होने वाले इंटरव्यू को देने में बहुत मदद मिलती है। साथ ही पत्रकारिता जैसे बहुत सारे प्रोफेशन में लिखना एक मुख्य कौशल होता है। जो बच्चे शुरुआत से ही अखबार पढ़ते हैं उन्हें आगे चलकर नौकरी में बहुत मदद मिलती है।

बच्चों पर ज्यादा गुस्सा आए तो क्या करें

कई बार पेरेंट्स बच्चों की हरकतों से परेशान होकर उन्हें डांट देते हैं। पेरेंट्स को अपने बच्चों की मासूमियत भी नहीं समझ आती है। जरूरत इस बात की है कि अपने गुस्से को कंट्रोल कर बच्चे की मासूमियत को एंज्वॉय करना चाहिए। आज हम आपको बच्चे की परवरिश के साइकोलॉजिकल टिप्स के बारे में बताएंगे।

कई बार पेरेंट्स बच्चों की हरकतों से परेशान होकर उन्हें डांट देते हैं। पर हर बार आपका बच्चा गलत ही हो ये जरुरी नहीं। दरअसल, कभी-कभी आपको चाहिए कि आप अपने बच्चों की बातो को भी सुनें और समझें। अपने काम से थोड़ा फ्री होकर उनके साथ भी वक्त बिताएं। बच्चों को भी ये लगना चाहिए कि उनके मां-बाप उनकी बातों को समझते हैं। ऐसा करने से आपके बच्चे की बिहेवियर में सुधार भी आएगा।

अपने गुस्से और इमोशन्स पर करें कंट्रोल

अगर आपको कभी आपके बच्चे पर गुस्सा आता है, तो आपको कंट्रोल करना चाहिए। ऐसा करने से बच्चे के दिमाग पर गलत प्रभाव पड़ता है। हो सकता है कि बच्चा आपसे डरने लगे और आपसे बात करना बंद कर दे। इसलिए जरुरी है कि बच्चों की नादानी को उनका मासूमियत समझकर अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

अच्छे-अच्छे एग्जाम्पल दिखाएं

अपने बच्चे को अच्छी आदतों का उदाहरण देकर समझाएं। गलत चीजों के ऊपर डांटने की जगह अगर आप उन्हें सही आदतों के बारे में समझाएंगे तो शायद उनके दिमाग में पोजिटिविटी आएगी। साथ ही, आपको बच्चों के व्यवहार में काफी कई सारे नए बदलाव भी नजर आएंगे।

सही समय पर करें बात

बच्चे जब ज्यादा जिद्द करने लगे तो उन्हें बड़े ध्यान से हैंडल करना होता है। उनको समझाने के लिए बच्चों के मूड के अनुसार सही समय का इंतजार करें। जब लगे कि आपका बच्चा सही मूड में है और आपके पास बैठ रहा है तो उस टाइम आप उसे प्यार से समझा सकती हैं।

बच्चों के सामने पोजिटिव अप्रोच

बच्चे अक्सर तभी खुश होते हैं और पेरेंट्स की बात सुनते हैं जब कुछ उनके मन के अनुसार हुआ हो। इसलिए आपको चाहिए कि आप बच्चों के सामने पोजिटिव अप्रोच रखें। जैसे अगर आपके बच्चे को घूमना पसंद है तो बच्चे से कभी-कभी घूमने का प्रॉमिस करके अपना काम आसान कर सकती हैं।

प्लास्टिक की बोतल की मदद से किए जा सकते हैं गार्डन के ढेर सारे काम

घर के खाली हिस्से में गार्डन बनाना हम सभी को अच्छा लगता है। कुछ लोग सब्जियां उगाते हैं तो कुछ खूबसूरत फूल से गार्डन को सजाते हैं। गार्डन में लगे पौधों को हरा-भरा रखने के लिए कुछ चीजों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी होता है। आप भी गार्डन के लिए बहुत सा सामान मार्केट से खरीदते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक की बोतल से भी आप गार्डन के ढेर सारे काम कर सकते हैं।

बीज संभाल कर रखें

पौधों को लगाने के लिए हम सभी बीज खरीदते हैं लेकिन बहुत बार बीज बच जाते हैं। कई बार तो बीज का पैकेट ही बड़ा होता है। ऐसे में एक साथ ढेर सारे पौधे लगाने के बजाए हम कुछ बीज को संभाल कर रख लेते हैं। बीज को पैकेट में रखने से अच्छा है कि आप उसे किसी मजबूत चीज में संभाल कर रखें। इसके लिए आप घर पर रखी प्लास्टिक की बोतल यूज कर सकते हैं। वहीं अगर आपकी बोतल ज्यादा बड़ी और बीज कम हो तो आप बोतल को काट कर छोटा भी कर सकते हैं।

बनाएं स्प्रे बोतल

पौधों का ध्यान रखने के लिए बहुत से लोग तरह-तरह के फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप घर पर फर्टिलाइजर बनाते हैं तो आप स्प्रे बोतल भी मार्केट से खरीदने की बजाए घर पर ही बना सकते हैं। बोतल आप कोई भी ले सकते हैं और उसके ढक्कन में छेद कर पौधों पर स्प्रे कर सकते हैं।

करें गमले की तरह इस्तेमाल

पौधों के गमले खरीदने के लिए खर्च करने से अच्छा है कि आप घर पर ही गमला बना लें। इसके लिए आपको प्लास्टिक की बोतल को बीच में से काटकर आधा करना है। ऐसा करने के बाद बोतल में मिट्टी और खाद डालें। अब आपका गमला बन गया है जिसमें आप पौधे लगा सकते हैं। चूंकि प्लास्टिक की बोतल से बना गमला बहुत छोटा होता है इसलिए आप इसे घर के किसी भी हिस्से में लगा सकते हैं।

सजाएं गार्डन

गार्डन में गमलों को जमीन पर लगाने के साथ-साथ दीवारों पर या किसी रस्सी की मदद से टांगा भी जा सकता है। प्लास्टिक की बोतल पर रंग कर आप उससे काफी खूबसूरत गमला बना सकते हैं।

ढक्कन को ऐसे करें यूज

बोतल के साथ-साथ ढक्कन को भी मिट्टी में खड़ा कर पौधों की बाउंड्री बनाने के लिए यूज कर सकते हैं। इसके लिए आपको कम से कम 10 से 15 ढक्कन की जरूरत होगी जिन्हें आप खुल्ला-खुल्ला लगा कर सजा सकते हैं। इन ढक्कन पर रंग की किया जा सकता है।

अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बनाएं

अक्सर बच्चों का ध्यान पढ़ाई में लगवाना मुश्किल होता है। क्योंकि पढ़ने के लिए बैठते ही कभी बच्चों को टॉयलेट की याद आती है तो कभी भूख लग जाती है। कुछ बच्चों की आदत होता है कि वह पढ़ाई से अपना मन चुराते दिखाई देते हैं। ऐसे में बच्चों के अंदर कंसंट्रेशन को बढ़ाना एक परेशानी भरा काम है, खासकर तब, जब वह बहुत ज्यादा एक्टिव होते हैं। अगर आपके घर में ऐसा है, तो आपको कुछ टिप्स जानने की जरूरत है जिससे आप अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।

माहौल बनाएं

कई माता-पिता की आदत होती है कि बच्चे की बात सुने बिना वह बच्चे को बस पढ़ने बैठा देते हैं। जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन ही नहीं लगता है। ऐसे में बच्चे को क्लासरूम में भेजने से पहले आपको कुछ ऐसा करना होगा जो बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित करें। इसके लिए आप कुछ आकर्षक स्टेशनरी का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को खूबसूरत स्टेशनरी से भरा हॉबी बैग दे सकते हैं।

टू-डू लिस्ट

बच्चे इस बात को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड रहते हैं कि वह आज पूरा दिन कैसे बिताएंगे। ऐसे में आप शुरूआत से ही उन्हें एक टू-डू लिस्ट बनाने की आदत डालें। ऐसा करने से वह समय-समय पर वहीं काम करेंगे। साथ ही ऐसा करना उनके लिए काफी एक्साइटिंग भी होगा। साथ ही ऐसे में उनकी कंसंट्रेशन पावर भी बढ़ेगी।

फ्लोचार्ट और लाइफ लर्निंग

आप अपने घर में टेक्सचर प्रिंटेड बुलेटिन बोर्ड लगवा सकते हैं। इसे देखने से भी आपके बच्चे का ध्यान आकर्षित होगा। इस बोर्ड पर आप उन चीजों को पिन कर सकते हैं जो आपने अपने बच्चे से करने को कहा है। इस पर आप कुछ इंटरेस्टिंग फोटो भी लगा सकते हैं जो बच्चे के कोर्स से जुड़ी हो जिसे जानने के लिए वह उत्सुक रहे।

व्हाइट बोर्ड और चाक बोर्ड

बाजार में इन दिनों एक बोर्ड मिल रहा है, जो एक तरफ से व्हाइट बोर्ड और दूसरी तरफ से चाक बोर्ड का काम करता है। इस तरह के बोर्ड पर पढ़ाई करना बच्चों के लिए काफी एक्साइटिंग होता है। इस पार आप उन्हें अच्छे से समझा सकते हैं। साथ ही वह भी खेल-खेल में भी इस बोर्ड के सहारे पढ़ाई कर सकते हैं।

टेबल-कुर्सी

आप बच्चों के लिए इस तरह की टेबल खरीदें जिसकी बनावट, डेस्क, स्टोरेज, लाइट आदि सब कुछ हो। अगर बच्चे की टेबल में ही सब कुछ होगा तो उन्हें सामान भी आसानी से मिल जाएगा। ऐसे में वह अपनी जगह से तब ही उठेंगे जब उनकी पढ़ाई पूरी हो जाएगी!

पति-पत्नी साथ मिलकर समझदारी और सहयोग से करें धन की बचत

अकेले घर का ख़र्च उठाना पुरुष के लिए थोड़ा मुश्किल होता है। सारे ख़र्चों से उसे ही निपटना पड़ता है। परंतु अगर पत्नी भी नौकरी करती है और समान रूप से हिस्सेदारी निभाती है तो ख़र्चे वहन करने के साथ-साथ बचत भी की जा सकती है। जब पति-पत्नी मिलकर बचत करते हैं या वित्तीय लक्ष्यों के लिए रणनीति बनाते हैं, तो वे आर्थिक रूप से ज़्यादा ख़ुश रहते हैं। जिंदगी से जुड़े सभी फैसले पति-पत्नी एक साथ मिलकर लेते हैं, लेकिन जब ख़र्चों और बचत की बात आती है तो वे पीछे रह जाते हैं। कुछ तरीक़ों और तरकीबों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं।

बजट से शुरुआत करें

पति-पत्नी साथ बैठकर अपने एक-एक ख़र्च की सूची तैयार करें। इसमें हर छोटे से छोटे ख़र्च को शामिल करना है। इसके लिए आपको कम से कम आधा-एक घंटा तो देना ही होगा। हर हफ़्ते यानी शनिवार या रविवार को दोनों साथ बैठकर बजट की समीक्षा करें। इससे पता चलेगा कि आपने जो बजट तय किया है उसके अनुसार आप चल रहे हैं या नहीं।

बचत की रेस लगाएं

हर महीने दंपती पैसे बचाने और ख़र्च कम करने की रेस लगा सकते हैं। इसके लिए दोनों एक-एक बॉक्स अपने पास रखें। पति और पत्नी को अपने-अपने बॉक्स में पैसे जमा करने हैं। पैसे किसी ख़रीदारी में बचाए हुए हो सकते हैं या अतिरिक्त ख़र्चों को रोककर जोड़े जा सकते हैं। महीने के अंत में जिसने ज़्यादा धन जोड़ा वो जीत जाएगा। हर महीने ये धन राशि अपने-अपने बैंक के खाते में जमा कर दें।

एक ख़र्च करे दूसरा बचाए

पति-पत्नी की आय बराबर हो ऐसा ज़रूरी नहीं। ऐसे में जिसकी आय ज़्यादा है उसे घर और निजी ख़र्च के लिए रखें, जिसकी आय कम है उसे सुरक्षित कर सकते हैं। ऐसा मुमकिन नहीं है तो दोनों की आय की आधी-आधी रक़म बचत के लिए और आधी ख़र्च के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। लेकिन ध्यान रखें कि आधी आय बचत के रूप में सुरक्षित करनी ही है।

एक-दूसरे से छुपाएं नहीं

सेविंग अकाउंट है और दोनों ने उससे कुछ ख़रीदा है तो एक-दूसरे को अवश्य बताएं, कुछ छुपाएं नहीं। छोटे-छोटे ख़र्च भी छुपाएंगे तो इसका असर बजट पर पड़ेगा। इस बात का भी ध्यान रखें कि अगर क्रेडिट कार्ड है तो उसका इस्तेमाल कम या न ही करें। क्रेडिट कार्ड से आप वो सामान ख़रीदते हैं जिनका भुगतान किया नहीं है। यह एक तरह का उधार है, और उधार किसी भी रूप में सही नहीं है।

समझदारी दिखाएं

जन्मदिन या शादी की सालगिरह पर एक-दूसरे को क़ीमती उपहार देना अपने आप में बड़ा ख़र्च हो जाता है। इसके बजाय आप निवेश करने में थोड़ी समझदारी दिखा सकते हैं। क्योंकि कई जगह महिलाओं को निवेश करने में टैक्स छूट मिलती है, जैसे कि घर। अगर आप ऐसी जगह निवेश करने जा रहे हैं तो पत्नी के नाम से निवेश कर सकते हैं।

rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara rashtria mukhyadhara

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, मंगलवार, 15 सितंबर, 2026

आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात की

भोजपुरी सिनेमा की जानी- मानी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग-बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात करते हुए कहा कि हाल के सालों में इंडस्ट्री में फीमेल-ओरिएंटेड कहानियां और फीमेल सुपरस्टार्स के कारण फिल्में ज्यादा सफल हो रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अब लेखकों को मुश्किल किरदारों के लिए उन्हें पहली पसंद के तौर पर देखना चाहिए। अभिनेत्री से सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें काफी चुनौतीपूर्ण किरदार दिए हैं?' अभिनेत्री ने कहा, 'हां, दिए हैं। मुझे लगता है कि जब भी कोई लेखक कोई चुनौतीपूर्ण किरदार लिखता है, तो उसके दिमाग में सबसे पहला नाम आम्रपाली दुबे का ही आना चाहिए।' अभिनेत्री से आईएएनएस ने एक और सवाल किया, 'क्या आप इस बात से सहमत होंगी कि भोजपुरी सिनेमा की अक्सर आलोचना होती है कि वह दमदार महिला-प्रधान कहानियों के बजाय स्टार जोड़ियों पर ज्यादा निर्भर रहा है? अभिनेत्री ने कहा, 'पिछले तीन, साढ़े तीन साल से भोजपुरी में जो फिल्में चली हैं, वो सिर्फ फीमेल सुपरस्टार्स की फिल्में हैं और ये बहुत गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'मुझे ये कहते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि हमारी इंडस्ट्री के नियम बदल गए हैं। अगर आप देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि पिछले तीन, साढ़े तीन साल, बल्कि चार-पांच साल से काफी महिला-प्रधान फिल्में बन रही हैं और वो अच्छा कर रही हैं। लोगों का बहुत प्यार मिल रहा है।' आम्रपाली ने कहा कि धीरे-धीरे माहौल बदला है। उन्होंने कहा, 'किसी भी बदलाव को लाने में समय लगता है। हम भी अपना समय ले रहे हैं। हम थोड़ा लेट आएंगे लेकिन बहुत मजबूती के साथ आएंगे।' बिग बॉस भारत में बिग बॉस फ्रेंचाइजी का एक भारतीय हिंदी भाषा का रियलिटी टेलीविजन शो है, जो कलर्स टीवी पर आता है।

आप ग्लैमरस भी हो सकते हैं और स्पिरिचुअल भी

पेट्रोल पंप से लेकर सेल्स गर्ल का काम किया

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे ने कई सारी फिल्मों में काम किया है और कई पेजेंट्स भी जीते हैं। उन्होंने एक्टिंग के साथ गायन के क्षेत्र में भी कदम रख दिया है और इसका श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। एक्ट्रेस ने बातचीत में काफी कुछ कहा है। पुणे के मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी मुग्धा गोडसे छोटी -सी उम्र में गलैमर की गलियों में आ गई थीं। ग्लैडरेग्स मेगा मॉडल हंट की विजेता बनने से पहले उन्होंने भी काफी संघर्ष का सामना किया। फैशन, जेल, हीरोइन, सत्याग्रह जैसी फिल्मों की अभिनेत्री इन दिनों चर्चा में हैं अपनी आध्यात्मिकता को लेकर। इस मॉडल-अभिनेत्री ने हाल ही में गायन के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उनकी गाई हुई कृष्ण वंदना का श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। यहां वे अपनी आध्यात्मिक यात्रा के साथ -साथ अपने पुराने दिनों को भी याद करती हैं। अध्यात्म के लिए बैराग की जरूरत नहीं आम तौर पर समझा जाता है कि अध्यात्म और ग्लैमर का साथ-साथ चलना मुश्किल होता है, मगर मुग्धा गोडसे ने इस बात को गलत साबित किया है। वे कहती हैं, 'ये सब कुछ हमारे गुरु श्री तरनेव जी के कारण संभव हो पाया। मैं उनसे 2013 में मिली थी। वहीं से मेरा आध्यात्मिक पहलू मजबूत हुआ। लोग मानते हैं कि अध्यात्म की तरफ जाने के लिए बैरागी होना पड़ता है, मगर ऐसा नहीं है। आप अपने जीवन के दैनिक कार्यों के साथ अध्यात्म की राह पर भी चल सकते हैं।'

पार्ट टाइम जॉब कई सारे किए

मुग्धा ने कहा, 'इसी दौरान मैंने जिम में भी काम किया और बतौर इंस्ट्रक्टर। लेकिन मेरी शुरुआत इन्हीं छोटी-छोटी पार्ट-टाइम जॉब्स से हुई थी। मैंने सेल्स में काम किया, मैं ऑइल बेचने का काम करती थी। मैंने सर्वे किए और कई तरह के प्रमोशनल काम किए। एक समय मैंने लगातार करीब 30 दिनों तक काम करके लगभग 3,000 कमाए थे, जो उस वक्त मेरे लिए बड़ी बात थी। मेरे लिए अपने पैरों पर खड़े होने और खुद कमाने की शुरुआत कुछ इसी तरह हुई थी।'

गुरु जी ने बदला नजरिया

उन्होंने आगे कहा, 'गुरु जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि काम भी करना है और पैसे कमाने के लिए ग्लैमरस भी लगना है।मगर इसका मतलब ये नहीं कि स्पिरिचुअल नहीं हुआ जा सकता। मेरा मानना है कि जीवन में गुरु का स्थान केवल एक शिक्षक का नहीं, बल्कि उस प्रकाश स्तंभ का होता है जो व्यक्ति को अंधकार से निकालकर सही दिशा दिखाता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में अक्सर इंसान स्वयं से दूर हो जाता है, ऐसे में गुरु उसे उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराते हैं। गुरु जी की आस्था और साधना ने जीवन को देखने का नजरिया बदला है।'

लगातार 30 दिनों तक काम करके 3000 कमाए थे

अपने संघर्ष के दौर को याद करते हुए वे कहती हैं, 'सभी जानते हैं कि मैं एक मिडल क्लास फैमिली से हूं और जब मैंने मॉडलिंग की शुरुआत की तब काफी स्ट्रगल फेस किया। मैं रोजाना पुणे एसटी बसों में से मुंबई अप डाउन किया करती थी। शुक्र है कभी मेरे साथ कोई हादसा नहीं हुआ। मैं कॉलेज के दिनों से ही काफी आत्मनिर्भर रही हूं। ये मेरे टीनेज दौर की बात है। उस दौरान मैं पार्ट-टाइम जॉब्स किया करती थी।'

पेट्रोल पंप पर भी किया काम

उन्होंने आगे कहा, 'इनमें पेट्रोल पंप पर काम करने से लेकर अलग-अलग तरह की सेल्स और प्रमोशनल जॉब्स तक शामिल थीं। पेट्रोल पंप पर मुझे 100 रुपए पर डे मिला करते थे। मेरा मकसद बस इतना था कि रोज करीब सौ रुपए कमा सकूं, ताकि मेरे पास अपने खर्च के लिए एक्स्ट्रा पॉकेट मनी हो। मेरे अंदर हमेशा से यह भावना रही है कि मुझे अपना पैसा खुद कमाना है। एक पेजर कंपनी में भी मैंने काम किया है। मैं और मेरी बहन, साथ ही दोस्तों का एक ग्रुप, ये सारे छोटे-मोटे काम साथ में किया करते थे। कॉलेज के बाद पांच-छह घंटे या जितना समय मिलता, हम काम करते और उससे जो पैसे मिलते, उनसे अच्छा लंच करते या वडा पाव खाते, घूमते-फिरते और अपनी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करते थे।'

मिर्जापुर- द मूवीः करियर की पहली 100 करोड़ी फिल्म पर बोलीं रसिका

'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी का किरदार बीना अपने हर पार्ट के साथ अलग-अलग रूप में दिखी है। इस किरदार को रसिका दुग्गल ने निभाया है। यह फिल्म उनके करियर की पहली 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली फिल्म है। एक बातचीत में उन्होंने इस पर काफी कुछ कहा।

फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' पर बोलीं रसिका

फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। इस पर फिल्म में बीना का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बातचीत में कहा, 'कोई भी काम पूरा करने के बाद, मुझे कभी भी परिणाम को लेकर कोई दबाव महसूस नहीं होता। लेकिन इस बार, मुझे उन प्रशंसकों के प्रति जिम्मेदारी का एहसास हुआ जिन्होंने आठ वर्षों तक वफादारी से हमारा साथ दिया और हमें इतना प्यार दिया। मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि वो खुश हो जाए, पर सिर्फ वो नहीं, और भी बहुत से लोग खुश हो जाएं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

एक्ट्रेस ने कहा मैं आभारी हूं आगे अपनी बातचीत में रसिका दुग्गल ने कहा, 'अगर मुझे किसी भी स्क्रीन पर आने का मौका मिले, तो मैं आभारी हूं। लेकिन हां, थिएटर का अपना ही एक अलग माहौल होता है। ऐसा लगता है जैसे इतने साल से जिस चीज के लिए हम मेहनत कर रहे थे, उसे अब इतने रोमांटिक अंदाज में पेश किया जा रहा है। यह विचार बहुत रोमांचक है।'

करण जौहर की फिल्म की तारीफ

फिल्ममेकर करण जौहर द्वारा फिल्म की तारीफ किए जाने पर बीना ने कहा, 'अपने साथियों से सराहना मिलना, जिन्होंने इतनी खूबसूरत फिल्में बनाई हैं जिन्हें हमने बार-बार देखा है और याद रखा है, बहुत मायने रखता है। यह एक बिल्कुल अलग तरह का एहसास है। पिछले कुछ दिनों में बहुत से लोगों ने मुझे मैसेज किए। अब तो मुझे लालच आ रहा है, अगर दो घंटे में एक मैसेज भी नहीं आया तो मुझे अजीब लग रहा है । मैंने खून का स्वाद चख लिया है!'

पॉपुलर गाने पर बोलीं एक्ट्रेस

नुसरत फतेह अली खान के गानें 'सांसों की माला पे' को फिल्म 'मिर्जापुर' में नए अंदाज में फिल्माया गया। इसपर रसिका ने कहा, 'किसी लोकप्रिय, दिल को छू लेने वाले और यादों से जुड़े गाने का किसी महत्वपूर्ण दृश्य में बजना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' इस गानें को फिल्म में बीना त्रिपाठी और उनके प्रेमी बिरजू लोहार पर फिल्माया गया है।

रश्मिका ने हाइब इंडिया से मिलाया हाथ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने का सफर उनके लिए आसान नहीं रहा। करियर की शुरुआत से लेकर लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने तक रश्मिका ने कई ऐसे पल देखे हैं, जहां खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी था। अब उन्हें भारत के नए टैलेंट को तलाशने वाली एक बड़ी पहल से जुड़ने का मौका मिला है। इस पर रश्मिका ने कहा कि वह इसे सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों से जुड़ने का जरिया मानती हैं। रश्मिका मंदाना अब हाइब इंडिया के ऑडिशन से जुड़ गई हैं। इस पहल का मकसद भारत के अलग-अलग हिस्सों से टैलेंट को तलाशना, उसे निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना है। हाइब वही कंपनी है, जो साउथ कोरिया के कई बड़े के-पॉप कलाकारों और ग्रुप्स के साथ काम करने के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। अब भारत में इस ऑडिशन को लेकर काफी उत्सुकता है। हाइब इंडिया ने अपने टैलेंट हंट का दायरा भी बढ़ाया है और इस बार देश के कई नए शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल से जुड़कर रश्मिका काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा, ''यह भारत के युवाओं के लिए ऐसा मौका है, जो उन्हें उस मुकाम तक पहुंचा सकता है जिसकी उन्होंने शायद कभी कल्पना भी न की हो। हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है। जब मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखती हूं, तो एहसास होता है कि खुद पर भरोसा बनाए रखना, लगातार मेहनत करना और उन संभावनाओं को हां कहना कितना जरूरी होता है, जो आपको आगे ले जा सकती हैं।''

रश्मिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि हाइब इंडिया के साथ यह साझेदारी भारत में अपनी तरह का एक अलग मौका है। हाइब पूरी दुनिया में बड़े कलाकारों और ग्लोबल आवाजों को तैयार करने के लिए जाना जाता है, और अब भारत में आकर यहां के युवा टैलेंट को तलाशना वाकई खास बात है। हाइब इंडिया के ऑडिशन में सिंगिंग, डांस, रैप और दूसरे परफॉर्मेंस से जुड़े हुनर दिखाने का मौका दिया जा रहा है।'' रश्मिका ने देश की उन लड़कियों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है जो कलाकार, परफॉर्मर या रोल मॉडल बनने का सपना देखती हैं।

संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता

सूरज बड़जात्या की फिल्म से मौका पाने वाले अक्षय ओबेरॉय को लगा था कि वो रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि वे मानते हैं कि उनकी लॉटरी लगी है। उन्होंने कहा- मैंने अपनी बेस्ट फ्रेंड से शादी की है तो इस मामले में मैं खुशकिस्मत रहा हूं। उन्होंने ये भी कहा- बेटे की नजर में मैं सुपरस्टार हूं।

अक्षय ओबेरॉय को जब सूरज बड़जात्या जैसे बड़े फिल्मकार की फिल्म 'इसी लाइफ' में से पहला ब्रेक मिला, तो उन्हें लगा था कि अब तो वे रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि, फिल्म चली नहीं तो अक्षय का सपना भी अधूरा रह गया, मगर उन्होंने हार नहीं मानी। पिज्जा, गुड़गांव जैसी फिल्में हों या फ्लेश, हाई जैसी वेब सीरीज, जब जहां मौका मिला, वे अपना ऐक्टिंग टैलंट दिखाने से नहीं चूके। यही वजह है कि आज फाइटर, टॉक्सिक, किंग जैसी बड़ी फिल्में कर रहे अक्षय अपने बेटे आव्यान के लिए बड़े 'सुपरस्टार' हैं। इन दिनों पुरुषों के हक की आवाज उठाने वाली फिल्म लव लॉटरी के लिए चर्चा बटोर रहे अक्षय बताते हैं, 'असल में, फाइटर बच्चों को बहुत पसंद आई। उसके गाने बच्चों के दिमाग में बैठ गए हैं तो बेटे के स्कूल में उसके दोस्तों को लगता है कि मैं कोई बहुत बड़ा सुपरस्टार हूं। इसलिए बेटे को भी लगता है कि मेरा पापा बहुत बड़ा सुपरस्टार है। आजकल लोग मुझे सड़कों पर पहचान भी रहे हैं जो पहले होता नहीं था तो आव्यान बहुत एक्साइटेड होता है। हम लोग अभी लंदन, पेरिस, घूमकर आए। वहां कोई न कोई भारतीय आकर मुझसे बात करने लगता था तो वो खुश हो जाता था कि देखो, मेरा पापा क्या है! उसके लिए मैं तो हीरो हूं और मैं चाहता हूं कि वह इमेज कभी तोड़ूं ना। मेरी कोशिश है कि उसकी नजर में मैं कभी कुछ गलत न करूं।'

अक्षय को इस मुकाम तक पहुंचने में डेढ़ दशक लगा। संघर्ष के दौर में वे कैसे डटे रहे? इस पर वह कहते हैं, 'आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो वो पागलपन ही लगता है। लोग मुझसे कहते थे कि तुममें बहुत क्षमता है, बस एक शुक्रवार की जरूरत है और मैं कहता था कि हां, आप सही कह रहे हैं। मुझे यकीन था कि वो दिन आएगा।

ये जुनून ही था, पागलपन ही था। फिर अचानक एक फाइटर मिल जाती है जो टर्निंग पॉइंट साबित होती है। ये इतने साल की मेहनत ही है कि सिद्धार्थ आनंद जैसा डायरेक्टर आपको रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स के बगल में खड़ा कर देता है और आप कर पाते हैं क्योंकि आपने इतना देखा और झेला है। आपका संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता। मैं ऊपरवाले का शुक्रगुजार हूं कि मैं डटा रहा, मैंने छोड़ा नहीं।

ऐक्टिंग के लिए मैं खाना-पीना, सोना सब भूल सकता हूं। मैं ऐक्टिंग न करूं तो डिप्रेस हो जाता हूं। इसलिए, असफलता का मुझ पर कभी असर पड़ा नहीं क्योंकि मैं काम लगातार कर रहा था।'

356 दिन ऐक्टिंग करने को तैयार हूं

अक्षय फ्लेश, हाई, मैडम चीफ मिनिस्टर जैसी सीरीज/फिल्म में अपनी नेगेटिव भूमिका के लिए काफी सराहे गए। जबकि, अरविंद पांडे निर्देशित फिल्म लव लॉटरी में वह प्यार में धोखा खाने वाले सच्चे प्रेमी के रोल में है।

बकौल अक्षय, 'एक ऐक्टर को हर तरह की फिल्म करना चाहिए। मेरे ऊपर लाइमलाइट ऐसे कभी आया भी नहीं कि मेरी कोई इमेज हो कि मैं रोमांटिक हीरो हूं या ऐक्शन हीरो हूं। मैं सिर्फ ऐक्टर हूं, तो अलग-अलग तरह की फिल्में करता रहता हूं। फिर, एक अच्छी स्क्रिप्ट मिलना बहुत मुश्किल काम है। लोगों को लगता है कि ढेर सारी स्क्रिप्ट पड़ी हैं, जिसमें से मैं ये चूज करूंगा, ये नहीं करूंगा, पर ऐसा होता नहीं है। मुझे यह विषय बहुत पसंद आया कि एक आदमी प्यार की वजह से फंस गया।

यह आज की पीढ़ी की कहानी है, इसलिए मैंने यह फिल्म की, क्योंकि मेरी चाहत है कि मैं लगातार कैमरे के सामने रहूं। मैं साल के 356 दिन ऐक्टिंग कर सकूं ना तो मैं करूंगा। मैं चाहता हूं कि मेरी ऐक्टिंग लगातार बेहतर हो। लोग कहें कि तुम्हारी ग्रोथ बहुत बढ़िया है। मैं यह सुनने के लिए भूखा हूं। मेरे लिए ऐक्टिंग एक नशा है तो मैं कुछ अलग ढूंढ़ रहा था और ये स्क्रिप्ट आ गई।'